रीमा

मेरी ये कहनी कालप्निक है। इसका काहानी का आधार एक औरत पर है जिससे मैंने एक चाट वेब पेज पर कयी बार बात की। उसके साथ कयी बार चाट रुम मै चुदायी भी कि । मैं उसको माँ बुलाता हुँ और वह मुझको बेटा । हम दोनो अलग अलग शहर मै रहते है और कभी भी मिले नही है । मेरा नाम दीपक है और मैं २६ साल का हुँ । मेरे लन्ड का साईज ८ इंच है ।

उसका नाम रीमा है। उसने जो मुझको बताया उसके आनुसार वह एक तालाक शुदा औरत है । उसकी उमर कोई ४८ साल की है और उसकी फ़िगर ३८ डी ३० ४२ कि है और वह दिल्ली मै रहती है। वह जिस औफ़ीस मै काम करती है उस के बॉस के साथ उसके संबन्ध है । उसका बॉस शादी शुदा है और कोइ २६ साल कि उमर का है । उसको कम उमर के लडको से चुदाने मे बडा मजा आता है । उसकी एक नौकरानी भी है जो कोई २० साल की है वह सेक्स मै उसका साथ देती है । उसको जवान लौन्डौ की कोई कमी नही है । वह अपने बॉस के साथ बहुत टूर पर जाती रहती और टूर पर वह अपने बॉस और कलाईन्ट के साथ चुदायी के मजे लेती है ।

हम लोगो एक चाट साईट पर मिले और हम लोगो मे चुदायी कि बातें होने लगी । मैंने उसको बतया कि मुझे बडी उमर की औरतें बहुत पसन्द है । उसने मेरे से पूछा कि किस बडी उमर कि औरत के बारे मे सोच कर मैं हस्थ मैथुन करता हुँ । मैने कहा अपनी माँ के बारे मे । उसने पुछा की मेरी माँ का नाम क्या है और वह कैसी दिखती है । मैं बोला कि मेरी माँ का नाम निर्मला है और उसका रंग गोरा है । उसके नयन और नक्श बहुत ही तीखें हैं । उसकी फिगर ३६ सी ३० और ४० है।

फिर हमने इस बारे मे बहुत सारी बातें कि जो आप लोगो को आगे पता चलेगी। वोह मुझ से चाट कर के बहुत मजा लेती थी। मुझे भी उसके साथ बडा मजा आता था। एक दिन उसने मुझ से कहा कि वह रियेल्टी मे मुझ से चुदाना

चाहती है पर मैं बोम्बे मै रहता हुँ और उसका बॉस का बोम्बे मै कोई टूर नही होता । जिसकी वजह से हम लोग कभी भी मिल नही पाये थे। पर हम दोनो ने अपने फोन नम्बर और घर का पता एक दूसरे को बता दिया था। और एक दूसरे को कार्ड भी भेजते थे। और हम चाट रुम मे ही चुदायी का मजा लेते थे ।

फिर एक दिन जब हम चाट कर रहे थे तो वह बोली उसका बॉस बोम्बे मै एक नयी ब्रान्च खोलने कि सोच रहा है और इसके लिये वह लोग टूर पर बोम्बे आ रहे है । और उसने अपने बॉस से बात कि वह टूर समाप्त होने के बात चार दिन के लिये बोम्बे मे अकेले रुकना चाहती है होटल मे कम्पनी के खर्चे पर । और उसका बॉस इस बात के लिये राजी हो गया है ।

मैं तो यह खबर सुन कर बहुत खुश हुआ क्योकि अब हम वह सब कर सकते थे जो कि हमने करने कि चाट रूम मे बात कि थी । उसने कहा कि वह ताज होटल मे रुकने वाली है और उसका रूम नम्बर वह बाद मे मुझको फोन पर बतायेगी । उसने कहा वह ४ फरवरी को बोम्बे आ रही है और ८ फरवरी को मुझको फोन करेगी ।

पर ४ तारीख को उसका फोन आया कि वह बोम्बे पहुँच गयी है और बाद मैं मुझ को फोन करेगी । मैंने उसको कहा कि मैं उसके फोन का इंतजार करूगाँ । पर ८ तारीख को उसका फोन नही आया । मैंने सोचा कि शायद काम पूरा नही हुआ होगा । लेकिन फिर ९ और १० तारीख को भी उसका फोन नही आया अब तो मैं बहुत ही उतावला हो रहा था । सोचने लगा कि कहीं वह मजाक तो नही कर रही थी। पर मैं कर भी क्या सकता था उसके फोन के इंतजार के अलावा। फिर अगले दिन बुधवार था दोपहर को करीब एक बजे रीमा का फोन आया उसकी अवाज सुनते ही मेरा लंड खडा हो गया। मैंने पुछा तुमने फोन क्यो नही किया मैं तो सोच रहा था कि तुम फोन ही नही करोगी।

रीमा ने कहा कि ब्रान्च खोलने के बात पक्की हो गयी है इसलिये वह, उसका बॉस और यहां का मैनेजर मिल कर २ दिन से मौज कर रहे थे। दोनो ने मिल कर उसको दो दिन तक बहुत जम कर चोदा था। इसलिये दो दिन वह फोन

नही कर पायी आज सुबह ही उसका बॉस वापस दिल्ली गया है। और वह सुबह से आराम कर रही थी जिससे की मेरे साथ पूरी तरह से मजा ले सके। लेकिन उसको पहले से ही पता था कि वह मुझको ११ तारीख से पहले फोन नहीं कर पायेगी। मैने पूछा कि फिर तुमने बताया क्यो नही। रीमा बोली कि मैं तुम्को कुछ देर तडपाना चाहती थी। मुझको जवान लडको को तडपाने मे बडा मजा आता है। मैंने पूछा अब तो बताओ कि तुम्हारा रूम नंम्बर क्या है। रीमा बोली मुझ से मिलने के लिये तडप रहे हो। मैंने कहा हाँ।

थीक है बता देती हूँ तुम्को तुम भी क्या याद करोगे। मेरा रूम नंम्बर ५१४ है। मैंने कहा थीक है मैं अभी वहाँ पहुँच रहा हुँ। रीमा ने कहा वह भी बडी बेसबरी से मेरा इंतजार कर रही है। और जैसे हो वेसे ही चले आओ क्योकी वेसे भी इन चार दिनो मे मैं तुमको कोई कपडे तो पहनने दूंगी नहीं। बस अब चले आओ दौड कर अपनी माँ के पास। मैंने कहा थीक है माँ आता हूँ अभी। रीमा बोली कि मैंने अपने रूम के बाहर डू नॉट डिस्टर्ब का साईन लगा दिया है जिस से की जब घंटी बजेगी तो मैं समझ जाऊगीं कि तुम हो। मैंने कह ठीक है। फिर मैंने फोन रख दिया और अपने बॉस के पास गया मैंने छुट्टी के लिये पहले से ही बोल रखा था इसलिये कोई परेशानी नही हुई। नही तो जिस तरह की मेरी बॉस थी छुट्टी मिलना बिल्कुल ही नामुमकिन था।

फिर जल्दी से मैं टेक्सी पकड कर होटल पहुँच गया। मेरा दिल धक धक कर रहा था। मैं आज तक कुवाँरा था आज मेरे इस कुवाँरे लंड को चुदायी चुसायी का मजा मिलने वाला था। फिर मैं लिफ़्ट लेकर पाँचवे माले पर गया जहाँ पर रीमा का कमरा था। जैसे ही मैं गलीयारे से निकल कर रीमा के कमरे की तरफ़ जा रहा था तो दीवार पर लगे साईन को देख कर मैं समझ गया कि उसका रूम होटल के आलीशान रूम मे से एक था। थोडी देर मे मैं रूम तक पहुँच गया। फिर मैने धडकते हुये दिल से रूम कि बेल बजायी। अन्दर से रीमा की आवाज आयी आ रही हूँ दीपक बेटा। कुछ पल बाद कमरे का दरवाजा खुला। और मेरे सामने रीमा खडी थी।

मैं अभी उसे ठीक से देख भी नही पाया था की उसने मेरा हाथ पकड कर मुझे अन्दर खीच लिया। और एक झटके के साथ दरवाजा बन्द कर दिया। मैं उसकी इस हरकत से एक दम सकपका गया। रीमा ने कहा अगर मैं तुम्को इस तरह से अन्दर नही खीचती तो तुम बाहर खडे खडे ही मुझ देखते रहते जो कि मैं नही चाहती थी। तुम्को मुझको देखना हे तो लो मैं तुमहारे सामने खडी हो जाती हूँ जी भर के देख लो। ऐसा कह कर वह मेरे सामने अपने दोनो हाथ कमर पर रख कर खडी हो गयी। खडी होने से पहले उसने अपनी साडी का पल्लू उतार कर अपनी कमर से नीचे गिरा दिया। ये सब इतनी ज्लदी मे हुआ था की मुझे उसको देखने का मौका भी नही मिला था। अब वह मेरे सामने थी और मैं जी भर कर उसको देख सकता था।
फिर मैंने अपनी नजर उसपर गढा दी। उसका रंग गोरा था उसने अपनी उमर मुझको ४८ साल बतायी थी पर वो अपनी उमर से करीब दस साल छोटी दिखती थी। उसकी आँखे बडी बडी थी। जिन मे वासना भरी हुयी थी। उसके होठ बडे बडे थे। जैसे कि अभिनेत्री सुमन रंगनाथन के हैं। मुझे इस तरह के होठ बहुत ही पसन्द हैं। उसपर उसने गहरे लाल रंग की लिपस्टिक लगा रखी थी। जो उसकी सुन्दरता को और बढा रही थी। उसके चहरे पर एक आमत्रंण का भाव था जैसे कह रही हो आओ और चुम लो मेरे होठों को।

फिर मेरी नजर उसके बदन पर गयी बडा ही भरपूर बदन था उसका। उसका गदराया बदन देख कर मेरा लंड पैन्ट के अन्दर ही उछलने लगा था। उसने हल्के गुलाबी रंग की साडी पहन रखी थी। उसका ब्लौस स्लीव लेस था। और उसमे कफ़ी गहरा कट था जिसकी वजह सी उसके बडे बडे मम्मे आधे से ज्यादा ब्लाउस से बाहर झाँक रहे थे। रीमा ने शायद बहुत ही टाईट ब्लाउस पहन रखा था क्योकी उसके मम्मो की दोनो बडी बडी गोलाईयाँ आपस मैं चिपक गयी थी। और एक गहरा कट बना रही थी। जो कि बडा ही सेक्सी लग रहा था। इस नजारे को देख कर मैं उत्तेजना से पागल हो रहा था। मेरे लंड का उभार मेरी पैन्ट से साफ़ दिखायी दे रहा था।

फिर मेरी नजर उसके पेट पर गयी। उसने साडी अपनी नाभी के काफ़ी नीचे पहनी थी। जिस से उसकी गहरी नाभी साफ़ दिखयी दे रही थी। उसकी नाभी

की गहरायी देख कर मेरा मन उसको चूम लेने का हुआ। फिर मैं थोडी देर तक उसको ऐसे ही निहरता रहा। कुछ देर बाद रीमा ने कहा क्या हुआ बेटे कैसी लगी तुम्को अपनी माँ। मैंने कहा बहुत ही अच्छी। रीमा ने कहा वो तो तुम्हारे पैन्ट मे उभरते तुम्हारे लंड को देख कर पता चल रहा है। मैं उसको देख कर इतना गर्म हो गया था कि मेरा गला सुखने लगा। और मुझ को प्यास लगने लगी।

रीमा मेरे को देख कर शायद समझ गयी की मेरे को प्यास लगी है। बोली पानी चाहिये बेटा मेने कहा हाँ। ठीक है अभी लाती हूँ कह कर उसने अपनी साडी का आँचल उठा कर पेटीकोट मे ठूंस लिया और पलट कर पानी लेने चल दी। जैसे ही वह पल्टी सबसे पहले मेरी नजर उसके भारी भरकम चूतडो पर गयी। औरत के चूतड मेरा सबसे पसन्दीदा अंग है। और रीमा के चूतड तो बहुत ही बडे थे। उसने ऊँची ऐडी की सैंडल पहन रखी थी। जिस की वजह से जब वह चल रही थी तो उसके चुतड बहुत ही मस्ताने ठंग से मटक रहे थे। जेसे किसी फैशन शो मे मॉडल अपने चूतडो को मटका के चलती है वैसे ही।

एक तो उसको आगे से देख कर ही मेरा बुरा हाल था अब तो मैंने उसको पीछे से भि देखा लिया था मेरा लंड तो बिलकुल ही आपे से बाहर हो गया। वोह भी शायद जानती थी की उसके चूतडो का मुझ पर क्या असर होगा क्योकी मैं उस को बता चुका था की भारी चूतड मुझ को कितने पसन्द हैं। इसलिये मेज तक जाने मे जहाँ पर पानी का जग रखा था उसने बहुत देर लगायी जिस से मैं जी भर कर उसके चूतड और उनका मटकना देख सकूं।

फिर उसने जग उठाया और मेरी तरफ़ देखते हुये उसने गिलास मे पानी भरना शुरु किया। वह मुझ को देख कर मस्ती भरी नजरो से मुस्कुरा रही थी। पानी भरकर वह मेरी तरफ़ चल दी। उसके मस्त बदन ने मेरे उपर ऐसा असर किया था कि मैं अभी तक दरवाजे पर ही खडा था। उसने ऊँची ऐडी के सैंडल पहन रखे थे और जिस तरह से वह चूतड मटका के चल रही थी उसकी वजह से उसके बडे बडे मम्मे उसके कसे ब्लाउस मे फंसे हुये जोर जोर से उछल रहे थे। उसने पुरी तरह से मुझको अपने अधेड उम्र के हुस्न के जाल मे फसाँ लिया था।

लो पानी पी लो कह कर उसने गिलास मेरे हाथ मे थमा दिया। मैं पानी पीने लगा और पानी पी कर मैंने गिलास उसको दे दिया। जो देखा पसन्द आया मै मुस्कुरा कर बोला हाँ बहुत पसन्द आया। फिर यहाँ क्यो खडे हो चलो अन्दर बैठते हैं। फिर मैं उसके साथ चल दिया अन्दर आ कर मैं सोफ़े पर बैठ गया। अन्दर आने से पहले मैंने अपने जूते बाहर ही उतार दिये। रीमा भी मेरे पास आ कर बेठ गयी।

मैंने उसका हाथ अपने हाथो मे लिया और बोला माँ तुम बहुत सुन्दर हो। जैसा तुमने बताया था तो मैने सोचा था कि तुम सेक्सी हो पर तुम तो महा सेक्सी हो माँ। मेरा लंड तो तुमको देखते ही खडा हो गया था माँ। और अभी तक पुरी तरह टनटनाया हुआ है। देखो कैसे पैन्ट फाड कर बाहर आने को तैयार है। फिर तुमने इसको पैन्ट के अन्दर रखा ही क्यो है पैन्ट उतार कर अपने प्यारे लंड को मुझको दिखाओ। लाओ मैं तुम्हारे कपडे उतरने मे तुम्हारी मदद करती हूँ। मैंने कहा नही माँ मैं खुद ही उतार देता हूँ। तो वह बोली हर माँ बचपन मैं अपने बेटे के कपडे उतारती और पहनाती है। माँ ही होती है जो बेटे को कपडे पहनना और उतारना सिखाती है। मुझे तो वो मौका आज ही मिला है तुम इस तरह से मुझसे ये मौका नही छीन सकते।

रीमा की बात सुन कर मैं बोला ठीक है माँ तुम ठीक कह रही हो मैं इस तरह से तुम्हारा हक नही छीन सकता। मैं तैयार हूँ उतार दो मेरे कपडे। आज से जब तक मैं तुम्हारे साथ हूँ और जब भी हम मिलेंगे मेरे कपडे तुम ही उतारोगी और तुम ही पहनओगी। यह सुन कर वह बहुत खुश हो गयी और मेरे माथे पर किस किया जैसे एक माँ अपने बेटे को करती है। फिर वह मेरी कमीज के बटन खोलने लगी। उसके भरी पूरी गोरी बाँहे मुझको बहुत अच्छी लग रही थी। फिर उसने सारे बटन खोल दिये और बोली बेटा खडे हो जाओ जिस से मैं तुम्हरी कमीज उतार सकूँ।

मैं खडा हो गया रीमा भी मेरे साथ खडी हो गयी और पीछे कर के मेरी कमीज उतार दी। मैंने नीचे बनियान पहन रखी थी। मेरी कमीज उतार कर रीमा मेरी

छाती पर हाथ फेरने लगी। और बोली तुम्हरी छाती कितनी चौडी है। तुम भी कोई कम हैडसम नही हो। तुम इतने सालो अपनी माँ से दूर रहे हो जिसकी वजह से तुम्हारी ये माँ तुमको कुछ प्यार भी नंही कर पायी। चिन्ता मत करो अब तुम मेरे पास आ गये हो अब मैं तुमको अपना सारा प्यार दूंगी। ऐसा कहते वक्त उसके आँखो मे वासना भरी थी। ऐसा कह कर उसने मेरी बनीयान भी उतर दी।

बनियान उतरते वक्त उसने अपने हाथ उपर किये उसने स्लीवलैस ब्लाउस पहन रखा था जिसकी वजह से उसकी काँख मुझको दिखायी दी। उसकी काँख के बाल काले और घने थे। मुझे काँख के बाल बहुत पसन्द हैं। उसकी काँख देखकर मेरी मस्ती और बढ गयी। बनियान उतार कर उसने कमरे के एक कोने मै फेंक दी। अब मेरी छाती पूरी नंगी हो गयी और वो अपने गोरे गोरे हाथ मेरी छाती पर धीरे धीरे फिराने लगी। जिसकी वजह से मेरी उत्तेजना बढने लगी और मेरे निप्पल कडे हो गये।

फिर रीमा ने अपनी एक उँगली को अपने थूक से गिला करके मेरे बाँये निप्पल पर फिरने लगी। और उसका दुसरा हाथ मेरी छाती पर धीरे धीरे चल रहा था। वोह अच्छी तरह से जानती थी कि किस तरह मर्द को मस्त किया जाता है। थोडी देर इसी तरह से मेरे निप्पल पर हाथ फेरने के बाद उसने अपना मुँह मेरे निप्पल पर रख दिया और उसे अपने होंठो के बीच लेकर चुसने लगी। उसके ऐसा करने से मेरे मुँह से एक दम से एक आह निकल गयी। इसका सीधा असर मेरे लंड पर हुआ। वोह मस्ती मे एक दम कडा को गया। अब उसका मेरी पैन्ट मे रहना बडा ही मुश्किल था।
वह मेरे दुसरे निप्पल को अपने हाथ के नाखून से जोर जोर से कुरेद रही थी। एक तो निप्पल चुसे जाने की मस्ती दूसरा निप्पल कुरेदे जाने की वजह से होता दर्द ने मुझे तो स्वर्ग मे पहुँचा दिया था। इस बेताह मस्ती के कारण मेरे मुँह से आह ओह के आवाज निकल रही थी। मैने अपने हाथ उसकी पीठ और एक बाँह पर रख रखा था। एक हाथ से उसकी बाँह मसल रहा था और दुसरे हाथ उसकी पीठ और कमर पर फेर रहा था। वोह करीब ३-४ मिनट तक ऐसे ही

करती रही फिर रीमा बाँयी निप्पल छोड कर दाँयी निप्पल को चुसने लगी और बाँयी निप्पल को नाखुनो से कुरेदने लगी।

दुसरे निप्पल को अच्छी तरह से चुसने के बाद ही उसने मेरे को छोडा। फिर मेरी और देख कर आँखो मे आँखे डाल कर पूछा कैसा लगा बेटा माँ का तुम्हारी निप्पल चुसना। मैं बोला क्या बताँऊ माँ बस इतना कह सकता हूँ कि तुम्हारे इस बेटे को तुमसे बहुत कुछ सीखना है। सीखाओगी न माँ अपने इस अनाडी बेटे को। रीमा बोली जरूर बेटा आखिर माँ होती किस लिये है। माँ का तो ये कर्तव्य है के उसके बेटे की शादी से पहले उसे सेक्स की पूरी शिक्षा दे प्रेक्टिकल के साथ जिससे की उसकी पत्नी सुहाग रात को ये ना कह सके की उसकी माँ ने उसको कुछ भी नहीं सिखाया।

उसके मुहँ से ये बात सुन कर मैं बोला माँ तुम्हारे विचार कितने उत्तम हैं। अगर तुम जैसी सबकी माँ हो तो किसी भी बेटे को रंडी के पास जाने की जरूरत ही नही। सुन कर उसने मेरे होंठो पर किस कर लिया और बोली तुम बिल्कुल मेरे बेटे कहलाने के लायक हो। चलो मैं अब तुम्हारा लंड पैन्ट से बाहर निकाल देती हूँ। ये भी मुझको गाली दे रहा होगा कि बात तो लंड को बाहर निकालने की कर रही थी और निप्पलस को मजा देने लगी। कह रहा होगा कितनी निर्दयी है तुम्हारी माँ। नंही माँ मेरा लंड तो बल्की बहुत खुश है की मेरी माँ तुम हो।

वह तो कह रहा है की जिस तरह से तुम मेरी माँ हो तुम्हारी चुत उसकी माँ हुयी ओर जब तुम इतनी मस्त हो तो उसकी माँ और भी मस्त होगी वोह भी अपनी माँ से मिलने और उसकी बाँहो मै जाने के लिये बेचैन है। रीमा बोली उसके लिये तो उसको थोडा इंतजार करना पडेगा। पहले मैं अपने बेटे को और उसके लंड को तो जी भर के प्यार कर लूँ और अपने बेटे से अपने आप को और लंड की माँ को प्यार करा लूँ तब कही जा कर वोह अपनी माँ से मिल सकता हे समझे। मैंने कहा हाँ माँ तुम ठीक कह रही हो।

इतना कह कर रीमा ने मेरी पैन्ट खोलनी शुरु कर दी। जब रीम मेरी पैन्ट खोल रही थी तो उसकी नजर मेरी तरफ थी। वह मेरी तरफ देख कर मन्द मन्द मुस्कुरा रही थी। सबसे पहले उसने मेरी बेल्ट को निकाल कर फेंक दिया। ओर मेरी पैन्ट का बटन खोलने लगी। बटन ओर चैन खोल कर उसने कमर से पकड कर एक ही झटके मे मेरी पैन्ट नीचे कर दी और साथ मै खुद भी नीचे बैठ गयी। मैंने भी अपने पैर उठा कर पैन्ट निकालने मे उसकी मदद की।

उसने पैन्ट निकाल कर उसको भी एक कोने मे फेंक दिया। मैंने अन्डर वीयर पहन रखा था। रीमा का मुँह बिल्कुल मेरे लंड के सामने था। मेरा लंड पूरी तरह से खडा था जो कि मेरे अन्डर वीयर के उभार से पता चल रहा था। उसने मेरी तरफ़ देखा और अपनी जीभ बाहर निकाल कर अपने होठों पर फिराने लगी। जैसे कोई बहुत ही स्वादिष्ठ चीज देख ली हो। और फिर एक दम से आगे बढ कर मेरे लंड को उन्डर वीयर के उपर से किस करने लगी उन्डर वीयर की इलास्टिक से लेकर नीचे जाँघो के जोड तक। फिर रीमा ने मेरे उन्डर वीयर की को कमर से पकड कर एक ही झटके मैं खीच कर उतार दिया।

मेरा लंड उत्तेजना के कारण मस्त होकर बुरी तरह से खडा हो गया थ। जैसे ही रीमा ने मेरा उन्डर वीयर उतारा मेरा लंड उसके मुँह के सामने एक लम्बे साँप की तरह फुँकार मारते हुये नाचने लगा। मेरा लंड देख कर रीमा बोली हाय रे इतना बडा लंड है मेरे बेटे का। फिर उसने मेरे लंड को अपने हाथ मे पकड लिया। जैसे ही उसने मेरे लंड को अपने कोमल हाथो मे पकडा मुझे ऐसा लगा ४४० वोल्ट का करंट लगा हो। मेरे लंड का हाल तब था जबकी उसने अभी तक एक भी कपडा अपने बदन से नही उतारा था। मैं सोचने लगा कि जब मैं उसको नंगा देखुँगा तो मेरा क्या हाल होगा।

रीमा मेरे लंड को अपनी एक हथेली मे रख कर दूसरे हाथ से उसको सहला रही थी जैसे किसी बच्चे को प्यार से पुचकारते हैं। थोडी देर तक इसी तरह मेरे लंड को पुचकारने के बाद रीमा उठ कर खडी हो गयी और बोली लो निकाल दिया मैंने तुम्हारे लंड को बाहर। अब हम चल कर बैठते हैं और थोडी प्यार भरी बातें

करते हैं। फिर मैं सोफे पर बेठ गया और रीमा से बोला आओ माँ मेरी गोदी मैं बैठ जाओ। हम लोग जब चाट किया करते थे तब भी सबसे पहले मैं रीमा को अपनी गोदी मे बिठा लेता था। रीमा थोडी सी मुस्कुरायी और आ कर मेरी गोदी मे बैठ गयी।

रीमा इस तरह से मेरी गोदी मे बेठी थी की मेरा लंड उसकी गाँड की दरार मे फंसा था। जैसा की मुझको मेरे लंड पर महसूस हो रहा था। उसने अपनी पीठ मेरे कंधे से लगा ली थी और अपनी गोरी दाँयी बाँह मेरे गले के पीछे से निकाल कर दुसरे हाथ से पकड ली। ओर मैंने पीछे से अपने हाथ उसके कमर मे डाल कर उसके नंगे पेट को पकड लिया। उसके इस तरह से बैठने के कारण उसकी भारी भरकम चूचियाँ मेरे मुँह के सामने आ गयी। साथ ही साथ उसके मस्ताने चुतडो का दवाब मेरे लंड पर पड रहा था। मैं अपने आप को बडा ही खुशकिस्मत समझ रहा था इतनी मस्तानी औरत मेरी गोद मे बैठी थी।

मेरी नजर उसकी बडी बडी गोलाईयो की तरफ़ थी। चुचियो के बीच की दरार ऐसी थी जैसे कि निमंत्रण दे रही हो कि आओ और घुसा दो अपना मुँह इस खायी के अन्दर। फिर रीमा ने पूछा अब बताओ बेटा कैसी लगी तुमको अपनी ये बेशर्म माँ। मैंने कहा बहुत ही मस्तानी सेक्सी महा चुदक्कड चुदासी और रस से भरपूर। इस पर रीमा मुस्कुरा दी और बोली ऐसे शब्द कोई भी औरत किसी मर्द से अपने बारे मे सुने तो बस निहाल हो जाये। और तुमने तो ये सब मेरे लिये कहा अपनी माँ के लिये, सुनकर मेरा दिल गदगद हो गया। इसका मतलब है की मैं तुमको रिझाने मे सफ़ल रही।

तुमने मुझको बताया था की तुम्हारी उम्र ४८ साल है पर देखने से तुम उससे दस साल छोटी दिखती हो। ये तो तुम्हारी मुझे देखने की नजर है बेटा नही तो उम्र तो मेरी ४८ ही है। लेकिन तुम्हारे मुँह से अपनी तारीफ सुन कर मुझे बडा अच्छा लगा। फिर मैं बोला माँ तुमसे एक बात पूछना चाहता हूँ। रीमा बोली पूछो। मैं जब से आया हूँ मैंने गौर किया हे की तुम्हारा ब्लाउस काफी तंग है। जिसकी वजह से तुम्हारी चुचियाँ ब्लाउस को फाड कर बाहर आने को तैयार है। लगता है कि एक हफ़्ते बोम्बे मे रह कर चुचियाँ मसलवाने से बडी हो गयी है

जिसकी वजह से तुम्हारा ब्लाउस छोटा हो गया है।मेरी बात सुनकर रीमा खिलखिला कर हँस पडी और बोली नही बेटा ब्लाउस तो मेरा एक दम नया है। बोम्बे आने से पहले सिलवाया है। मैंने जानबूझ कर एक इन्च छोटा बनवाया था जिससे मैं इस तुमको रिझाने के लिये इस्तमाल कर सकूँ। जिससे मेरी चुचियाँ और भी बडी बडी लगे। मुझे पता है की तुमको ब्लाउस मे से छाँकती चुचियाँ कितनी पंसन्द है। इसीलिये गले का कट भी नोर्मल गहरे कट से थोडा ज्यादा रखा है। इस ब्लाउस को पहन कर मैं बाहर तो जा ही नही सकती नही तो लोग मेरा सडक पर ही बालात्कार कर देगें। ये तो स्पेशल ब्लाउस है जोकि मैने अपने बेटे के मस्ती बढाने के लिये बनवाया है।

ओह माँ तुम अपने बेटे का कितना ख्याल रखती हो। रीमा ने कहा अगर माँ अपने बेटे का ख्याल नही रखेगी तो कौन रखेगा। फिर मैंने कहा कि तुम ठीक कह रही हो माँ। मैंने तुम्हारे काँख के बाल भी देखे ऐसा लग रहा है कि जैसा तुम १ महिने पहले छोटे कराने को कह रही थी पर तुमने छोटे किये नही। रीमा बोली बेटा मैं छोटे करना तो चाहती थी पर २-३ दिन मेरे बॉस के कुछ कलाइन्ट आ रहे थे तो मुझे उन को खुश करना था। इसलिये काट नही पायी फिर मेरे बॉस ने बोला कि बोम्बे जाने का प्रोगाम बन सकता है । तो मैंने सोचा कि फिर तुमसे भी मिलना हो सकता है तो क्यो ना और बढा लेती हूँ। वैसे भी तुम्को मेरे काँख के बाल बहुत पंसन्द है और इतने बडे बाल देख कर तो तुम बहुत खुश होगे। हाँ माँ मैं बहुत ही खुश हूँ कि तुमने बाल नही काटे।

माँ तुम्हारे होंठ भी बडे सुन्दर हैं तुमने कभी बताया नही कि तुम्हारे होंठ बडे बडे और इतने उभार दार हैं। मुझको इस तरह कि होंठ बहुत पंसन्द हैं। रीमा बोली मैं सोचती थी सब मर्दो को पतले होंठ पंसन्द होते है। अगर मैं तुम को बता दूंगी तो शायद तुम मुझसे बात करना पंसन्द करो या नही। तुम जैसे बेटे कहाँ मिलते हैं। मैं तुमको खोना नही चाहती थी इसलिये नही बताया। मैंने पुछा की यह भी तो हो सकता था कि मैं यहाँ आकर तुम्हारे होठ पंसन्द नही करता और चला जाता। रीमा ने कहा मुझे उसका थोडा सा डर था इसलिये ही मैंने तुमको लुभाने के लिये कसा हुआ ब्लाउस बनवाया था। तुमको बुरा लगा क्या बेटा आई एम सोरी बेटा।

ऐसा कह कर उसने अपनी आँखे नीची कर ली और उसका चेहरा उदास हो गया। मैंने कहा माँ इसमे इतना उदास होने की बात क्या है। तुमको तो खुश होना चाहिये कि मुझे तुम्हारे होंठ पंसन्द आये। उसने मेरी तरफ़ देखा और मुस्कुरा दी और मुझको गले से लगा लिया। और बोली बेटा तुम्हारी माँ अपनी असली जिन्दगी मैं चाहे जितनी भी बडी रंडी हो पर तुमको बहुत प्यार करती है। मेरे अपना तो कोई बेटा है नही लेकिन मैंने तुमको ही अपना बेटा माना है। अपनी माँ से कभी भी नफ़रत मत करना बेटा। नही माँ कभी नही कह कर मैंने भी रीमा को अपनी बाँहो मे जकड लिया। और उसकी पीठ पर हाथ फेरने लगा।

अब तक मैं यही सोच रहा था कि हम दोनो के बीच सिर्फ वासना का रिश्ता पनप रहा है। लेकिन मुझे आज पता चला कि चाहे हम दोनो एक दूसरे के पास वासना कि वजह से आये हों पर रीमा सच मे मुझे एक बेटे कि तरह प्यार करने लगी थी। और असली जिन्दगी मे वह बहुत ही अकेली थी। और अकेली होने कि वजह से ही शायद इस समाज से लडने के लिये वोह अपने बॉस की रंडी बनी हुयी थी। मैंने भी सोच लिया था की इन चार दिन मैं उसको इतना प्यार दूंगा कि वोह इन दिनो को कभी भी नही भूल पायेगी।

फिर रीमा पहले कि तरह बैठ गयी और बोली मैं भी क्या बात ले कर बैठ गयी तुमको मेरे होंठ पंसन्द आये मैं बहुत खुश हूँ। और बतओ मेरे शरीर के बारे मैं और क्या क्या तुमको अच्छा लगता है। मैंने कहा माँ मुझे तुम उपर बाल से लेकर पैरो तक पूरी की पूरी अच्छी लगती हो। रीमा बोली तो फिर बताओ हर अंग के बारे मे तुम्हारे मुँह से मुझको अपनी तारीफ अच्छी लग रही है। तुम्हारी ये गोरी गोरी माँसल बाँहे मुझे अच्छी लगती हैं इतना कह कर मैंने उसकी बाँहो हो कोहनी के उपर से चूम लिया। ऐसा ही मैंने दुसरी बाँह के साथ भी किया।

मुझे तुम्हारी ये बडी बडी आँखे अच्छी लगती है। कितनी गहरी है। और इन आँखो मे मेरे लिये प्यार और वासना झलकती है। माँ के प्यार के साथ छुपी हुयी एक अधेड उम्र की औरत की वासना इनको और भी रहस्यमयी बना देती है। और मेरा मन करता है कि इनको प्यार करू। रीमा ने कहा तो कर लो प्यार

कौन मना कर रहा है। यह कह उसने अपनी आँखे बंद कर ली फिर मैंने पहले दाँयी आँख पर किस किया फिर बाँयी आँख पर। और फिर रीमा ने अपनी आँखे खोली और मेरे गाल पर किस कर लिया और बोली की तुम बहुत ही प्यार बेटे हो।

फिर मैंने कहा मुझे तुम्हारा ये नंगा पेट भी अच्छा लगा क्योकी तुमने साडी नाभी के नीचे पहनी है और तुम्हारी बडी गहरी नाभी दिखायी दे रही है जो मेरी मस्ती को और भी बढा रही है। और मेरा लंड तुम्हारी गाँड के बीच मे फंसा तडप रहा जैसे मछली पानी के बाहर तडपती है। इस पर रीमा ने कहा ओह मेरे प्यारे बेटे मैं तुम्हारे लंड को इस तरह से तडपाना तो नही चाहती पर क्या करू अभी उसके मजा लेने का वक्त आया नही है। उसे तो अभी तडपना होगा मेरे लिये क्योकी मेरे को तो अभी अभी ही थोडा थोडा मजा आना शुरू हुआ है। लेकिन अगर तुम कहोगे तो मैं तुम्हारे लंड को तडपाँगी नही। लेकिन अगर तुम मेरे कहे अनुसार चलोगे तो मैं तुमसे वादा करती हूँ कि तुमको बहुत मजा आयेगा।

मैंने कहा की माँ तुमको वादा करने की जरुरत ही नही है मुझको पता है कि तुम मुझको बहुत मजा दोगी और मुझे उस मे कोई शक नही है। मेरी बात सुनकर वोह बहुत खुश हुयी। और बोली मुझे खुशी है की तुम इस बात को समझते हो कि जल्दबाजी से ज्यादा मजा देर तक धीरे धीरे प्यार करने मे आता है। चलो शुरू हो जओ फिर से। मैं धीरे से मुस्कुराया और बोला मुझे तुम्हारा इस तरह बेशर्मी से गंदी गंदी बातें करना भी अच्छा लगता है। इस पर रीमा ने कहा मेरे बेटे ये बाते गंदी कहाँ है ये तो दुनिया कि सबसे अच्छी बातें है। अगर दुनिया मे सब लोग सबकुछ भूल कर सिर्फ सेक्स की बात करे तो ये दुनिया कितनी सुखी हो जाये।

पर बेटा तुम चिन्ता मत करो तुम्हारी ये माँ तुम्को बेशर्म बनना सिखा देगी तब तुम भी ऐसी ही गंदी गंदी बाते कर सकते हो। माँ मुझे चुदायी करते वक्त गलियाँ देना और सुनना पंसन्द है। रीमा बोली बेटा ये तो बहुत ही अच्छी बात है क्योकी गलियाँ तो मस्ती मे हम उसी को देते है जिससे सबसे ज्यादा प्यार

करते है। जितनी बडी और गंदी गाली उतना ही ज्यादा प्यार झलकता है। समझ गया रंडी की औलाद। उसके मुहँ से गली सुन कर मेरे लंड ने एक झटका सा लगा जोकी उसकी चूतडो की दरार के बीच फंसा हुआ था।
फिर मैंने कहा माँ मुझको तुम्हारे शरीर के सारे कपडे भी अच्छे लगते है। रीमा ने कहा अच्छा बता इनमे भला तुझे क्या अच्छा लगता है। मैंने कहा इनकी मादक खुशबु। इन कपडो से निकलने वाली मस्तानी सुगंध। इस सुगंध मे कपडो की गंध के साथ साथ तुम्हारे बदन और तुम्हारे पसीने की सोंधी गंध भी शामिल है। जोकी इसको और भी मादक बना देती है।

फिर मैंने कहा मुझे तुम्हारे पैरो मे ये उँची ऐडी के सैडंल भी बहुत अच्छे लगते है। जब तुम इनको पहन कर चल रही थी तो तुम्हारे भारी भरकम चूतड क्या मस्त मटक रहे थे और ५ इन्च हील की वजह से चूतड और भी उभर कर शरीर के बाहर की और निकल आये हैं जो कि इन बडे बडे चूतडो और भी मस्त बना देते है। जिसकी वजह से ये और भी बडे लगते है। और ऊँची हील कि वजह से चाल और भी मस्तनी हो जाती है। क्योकी तुम्हारे मम्मे इतने बडे है इस लिये ये हर कदम के साथ उछलते है। और ये दर्शय देख कर किसी मुर्दे का लंड भी खडा होने को मजबूर हो जाये।

तुमसे चाट रूम मे मिलने से पहले मैं उँची ऐडी के सैडंल नही पहना करती थी। जब तुमने मुझे बताया था की तुमको उँची ऐडी के सैडंल पंसन्द है और अगर ऐडी करीब ५ या ६ इन्च हो तो क्या कहने। तब पहले तो कुछ दिन तक मैंने सोचा की इनका सेक्स मैं क्या काम। लेकिन मैं एक बार एक शाप पर गयी और सैडंल देख कर सोचा क्यो न मैं ट्रयी करके देखूँ और जब मैंने शीशे मे अपने चूतड देखे तो मैंने कहा तुम गलत नही हो। मेरे मस्त चूतड और भी बाहर निकल आये थे और आस पास के कई मर्द मेरे चूतडो को घूर घूर कर देख रहे थे। तब से मैंने कई जोडी सैडंल खरीदे है। और मैं कयी सारे जोडी ले कर आयी हूँ।

फिर मैं बोला माँ सबसे अच्छा अंग तो मुझे तुम्हारे चूतड लगते है। औरत के चूतड मेरा सबसे पंसन्दीदा अंग है। और तुम्हारे चूतडो के तो क्या कहने। इतने

बडे बडे है और तुम्हारी कमर पतली होने की वजह से औरे भी बडे लगते है। तुमने पेटीकोट भी इतना नीचे पहना है की तुम्हारे चूतडो की दरार कहाँ से शुरू होती है वो भी दिखायी देती है। और क्या तारीफ करु इन चूतडो की ये इतने सेक्सी है कि मेरे पास कोई शब्द ही नही है। मेरी बात सुन कर रीमा ने कहा की तुम सही बोल रहे हो या मेरे को रीझाने के लिये ऐसा कह रहे हो मुझे नही पता पर तुम तारीफ करना खूब जानते हो। मैने कहा मै कोई झूठी तारीफ नही कर रहा हूँ माँ तुम हो ही इतनी सुन्दर मैने जितना भी तुम्हारे रूप के बारे मे कहा है वह तो तुम्हारी सुन्दरता का सिर्फ़ १० प्रतिशत ही है। रीमा ने कहा चल झूठा कही का। माँ के साथ खेल करता है।

और ऐसा कह कर रीमा ने एक हल्की सी चपत मेरे गाल पर लगा दी। और बोली चल बता और क्या क्या अच्छा लगा तुझे तेरी माँ मे। मैं बोला मैंने सब कुछ तो बता दिया। और तो कुछ नही बचा। बोली कैसे नही मेरी सबसे कीमती चीज तो अभी बची है। मैं बोला पर वह तो तुम्हारे कपडो से ढकी है। तो फिर ऐसे देख क्या रहा है उतार दे मेरे कपडे मैंने तुझे मना थोडी किया है। तूने ही नही उतारे मेरे कपडे मैंने तो सोचा था जैसे ही आयेगा वैसे ही मेरे रूप को देख कर मेरे कपडे फाड देगा। माँ की बात सुन कर मैंने कहा नही माँ पहले मैं तुम्हारे होंठो का रस पियूगां फ़िर तुम्हारे कपडे उतारूगाँ।

रीमा बोली की अरे पहले कपडे उतार के मुझे नंगा कर दे फिर मेरे होठों का रस पी लेना मैं भागी थोडी ही जा रही हूँ। मैने कहा नही माँ चाहे थोडी देर ही सही पर मैं पहले तुम्हारे होंठो कर रस पीयूगाँ। इस पर रीमा ने कहा ठीक है पी ले मेरे होंठ। माँ हूँ क्या करू बेटे की बात माननी ही पडेगी। मैं बोला ओह माँ तुम कितनी अच्छी हो। इस पर रीमा बोली के बस ५ मिनट ही। मैंने कहा ठीक है। फिर मैंने अपने होठं रीमा के होठ से लगा दिये और एक किस ले लिया। फिर मैं अपने हाथ उसकी गर्दन के पीछे ले गया और उसके मुँह को अपनी तरफ खीचा और अपनी जीभ निकाल कर उसके होंठो पर जीभ फिराने लगा। थोडी देर इसी तरह से जीभ फिराने के बाद मैंने उसका निचला होंठ अपने होंठो के बीच पकड लिया और फिर उस पर जीभ फिराने लगा।

उसके होंठो को चुसने से पहले मै गीला कर देना चाहता था। थोडी देर तक इसी तरह उसके होंठो को गिला करने के बाद मैने उसके होंठ चुसने शुरू कर दिये। मैं बहुत जोर जोर से उसके होंठो को चूस रहा था। रीमा भी अपनी जीभ निकाल कर मेरे उपरी होंठ के उपर फिरा रही थी और साथ ही साथ अपना बहुत सा थूक अपने नीचले होंठ के पास जमा कर रही थी जिस से मैं ज्यादा से ज्यादा उसके स्वादिष्ट थूक को पी सकूँ। मैं भी हर थोडी देर मे नीचले होंठ को छोड कर उसका थूक अपनी जीभ की मदद से उसके होंठो पर मलने लगता और अच्छी तरह से मल कर फिर से उसके होंठ को चुसने लगता करीब २ मिनट तक मैं ऐसा ही उसके साथ करता रहा। मैं इतनी जल्दी नही छोडना चाहता था पर क्या करता मेरे पास सिर्फ़ ५ मिनट थे और मैं भी रीमा को जल्दी से जल्दी नंगा कर देना चाहता था।

फिर मैंने उसका निचला होंठ छोड कर उसका उपरी होंठ अपने दोनो होंठो के बीच पकड लिया। और उसको भी अपने थूक से गीला कर दिया। रीम ने भी मेरा नीचला होंठ अपने थूक से गिला कर दिया था। थोडी देर तक मैं उसके होंठ को गीला करता रहा और और चुसता रहा फिर एक दम से मैंने अपनी जीभ को नुकीला कर के उसके दाँतों और होंठो के बीच डाल दी और उसके दाँतों पर फिराने लगा। वोह भी अपनी जीभ को नुकीली बना कर मेरे जीभ के नीचे गोल गोल घुमाने लगी। जिससे उसकी जीभ से लार निकल कर मेरे मुहँ मे गिरने लगी और मेरी जीभ के नीचे जमा होने लगी।

थोडी देर इसी तरह से उसके दाँत और होंठ के बीच की और उसके जीभ से टपकती लार मेरे मुँह मे जमा हो गयी। फिर मैंने रीमा के होंठ मुँह मे लेकर चूसने लगा तथा साथ ही साथ मुँह के अन्दर जमी स्वादिष्ट लार को भी मैं पी गया। ये लार मेरे लिये अम्रत थी। फिर थोडी देर तक इसी तरह मैं उसका होंठ चुसता और लार पीता रहा। और जैसे ही करीब ५ मिनट हुये मैंने आखरी बार उसके होंठो पर अपने होठ रखे और एक गहरा चुम्बन लेकर उससे अलग हो गया। फिर मैंने पूछा मजा आया माँ। तो रीमा बोली हाँ बेटा बहुत मजा आया।

तुम तो बहुत ही अच्छी किस करते हो बेटा। मैं तो सोच रही थी तुमको किस करने की भी ट्रेनिग देनी पडेगी लेकिन ऐसा लगता तो नही है। मैंने कहा माँ ट्रेनिग कि जरूरत तो मुझे है क्योकि चाहे जितना भी अच्छा किस मैं करता हूँ पर तुमसे अच्छा तो नही हो सकता। रीमा बोली वोह तो तुम ठीक ही कह रहे हो मेरे राजा बेटा ठीक है मैं तुम को पुरी तरह ट्रेन कर दूँगी ठीक है मैंने कहा हाँ माँ। फिर रीमा बोली चल अब जल्दी से मेरे कपडो को उतार कर फेंक दे। मेरी मस्ती होंठ चूसायी के कारण बढ चुकी है और अब मुझे ये कपडे अपने बदन पर बहुत ही बुरे लग रहे है। इस पर मैने कहा माँ तुम मुझको उसी तरह नंगा नाच कर के दिखाओ जैसा तुमने एक बार बताया था चाट पर। करुँगी बेटा वोह भी करुँगी लेकिन सबसे पहले मै तेरे हाथो से नंगी होना चाहती हूँ। जिससे तुझे धीरे धीरे मेरे नंगे होते शरीर को देखने का नजारा जिन्दगी भर याद रहे।बात तो तुम ठीक कह रही हो माँ। मैं जब तुम्हारे कपडे धीरे धीरे उतारुगाँ और तुम्हारे बदन का एक एक हिस्सा नग्न हो कर मेरी आँखो के सामने प्रकट होगा तो पहली बार उस नग्न हिस्से को देखने मे जो मजा आयेगा उसकी छवि तो कभी भी मेरी आँखो से नही जा सकती। रीमा तू बहुत ही समझदार है बेटा तेरे जैसा बेटा पा कर कोई भी माँ धन्य हो जाये। उसकी बात सुनकर मैं थोडा सा शर्मा गया। इसपर रीमा ने कहा हाय देखूँ तो ऐसे शर्मा रहा है जैसे कोई लोडिंया हो। चल अब लग जा काम पर और कर दे अपनी माँ को नंगी। तेरी इस रंडी माँ को कितने ही ग्राहको ने नंगा किया है तू भी कर दे नंगा।

देखले अपनी रंडी माँ का नंगा बदन। तेरी इस रंडी माँ का कोई भी दल्ला नही है। तेरी माँ को खुद ही मेहनत करनी पडती है ग्राहको को ढूढने मे। अखिर रंडी हूँ एक दिन धंधा ना करू तो चूत की खुजली रात भर सोने नही देती। तो मेरा दल्ला बनेगा बेटा। मेरी दलाली करेगा। हाय रे क्या मस्त जोडी होगी हमारी रंडी माँ और दलाल बेटा। तेरी ये माँ तुझको दलाली के सारे गुण सिखा देगी। और तुझको अपनी कमायी का आधा हिस्सा भी दूँगी। और तेरे को और नयी नयी रंडीयो की चूत भी दिलवाऊगी उनकी भी दलाली तू ही करना बेटा। बोल बेटा बोल करेगा अपनी माँ की दलाली।

रीमा की इतनी गंदी गंदी बाते सुनकर मेरा लंड मचल उठा था। रीमा फिर बोली बोल रंडी की औलाद भोसडे के पेदायीश हरामी साले तेरी माँ को दस कुत्तो ने चोदा तो तु पैदा हुआ बोलता क्यो नही करेगा अपनी इस रंडी माँ की दलाली। ये सुनकर मेरी हालत बिल्कुल ही खराब हो गयी पुरा बदन मस्ती मे गरम हो गया मेरा लंड मस्त हो कर प्रीकम बहाने लगा। और मैंने बोला हाँ माँ मैं करूगाँ तेरी दलाली। सुनकर रीमा बहुत ही खुश हुयी और मुझको अपने गले से लगा लिया और बोली तू सही मे मेरा बेटा होता तो अब तक मैं तुझसे अपनी दलाली करवा रही होती पर तू चिन्ता मत कर अगर मुझे मौका मिला तो तुझसे अपनी दलाली जरूर करूँगी। फिर वोह मुझसे अलग हो गयी और बोली चल अब खडा खडा क्या देख रहा है उतार मेरे कपडे साले रंडी की औलाद।

मैंने सोचा अब माँ के भरपूर बदन को नंगा देखने का वक्त आ गया है। मैंने सोचा रीमा के कपडे उतारने से पहले आखरी बार उसको गर्म कर दूँ। और यही सोच कर मैंने रीमा से कहा माँ तुम वह पहली औरत होगी जिसको मैं नंगा देखूँगा। तुम्हारे भारी चूचियाँ पहली चूचियाँ होगी जिनको मैं मसलूगाँ। तुम्हारी घुडियाँ(निप्पल्स) पहली घुडियाँ होंगी जिनको मैं चूसूगाँ और खीचूगाँ। तुम्हारे चूतड वह पहले चूतड होंगे जिन को मैं प्यार करूगाँ। तुम्हारी गाँड वह पहली गाँड होगी जिसको मारने से पहले मैं चाट चाट कर गीली कर दूगाँ। और तुम्हारी चूत पहली चूत होगी जिसको मैं चाट चाट कर झडाऊगाँ और फिर उसमे अपना लम्बा लंड डाल कर चोदूगाँ। और तुम ही वह पहली औरत होगी जो मेरा कुवाँरापन ले लोगी।

हाय रे मेरे लाल तुने तो मुझको इतना गरम कर दिया है की अगर और कुछ पल ये कपडे मेरे शरीर पर रहे तो इनमे आग लग जायेगी। बेटा अपनी माँ को और मत तडपा पहले ही वह तुझसे इतने सालो दूर रह कर तडपी है। बेटा अब उतार दे मेरे कपडे। मैंने सोचा अब रीमा के कपडे उतार ही देने चाहिये ज्यादा तडपाना ठीक नही है। कही माँ अपने कपडे उतार कर खुद ही न फेक दे जो की मैं नही चाहता था। और अब मेरा लंड भी रीमा को नंगा देखने के लिये बेताब हुआ जा रहा था। पर साथ ही साथ मुझको ये भी डर था रीमा बहुत ही मस्तानी औरत है। कही उसके मस्ताने नंगे बदन को देख कर मेरा लंड बिना

छुये ही झड जाये। और मुझे पता था कि इसके लिये मुझे बहुत मेहनत करनी पडेगी।

फिर मैं आगे बढा और रीमा के हाथ पकड लिये और उठा कर चूम लिये। और बोल थीक है लाओ माँ उतार देता हूँ मैं तुम्हारे कपडे। ये सुन रीमा ने अपना पल्लू जो कि उसने शुरू मैं अपने पेटीकोट मे खोसं लिया था निकाला और मुस्कुराते हुये मेरे हाथ मैं पकडा और शर्माते हुये बोली लो बेटा। वोह कुछ इस तरह से शर्मायी थी जैसे की नयी नवेली दुल्हन हो जो कि सेक्स के बारे बिल्कुल अंजान है। रीमा सही मे एक खेली खायी औरत थी उसे सब पता था कब और कैसे मर्द के साथ बर्ताव किया जाना चहिये। उसके इस शर्माने ने मेरे शरीर मे मस्ती भरा जोश भर दिया।

वैसे भी अब मेरा हाल भी बुरा हो चुका। मुझको इस कमरे मे आये हुये करीब एक घंटा हो चुका था और तभी से मेरा लंड खडा था। और मेरे आने के थोडी देर बाद ही रीमा ने मेरे कपडे उतार दिये थे। मैंने उसका पल्लू पकडा और मन मे यह निश्चय कर लिया था की उसके बदन के साथ पूरा न्याय करूँगा और धीरे धीरे उसका एक एक अंग निवस्त्र करूगाँ। सबसे पहले मैंने उसका पल्लू पकड कर सूघं लिया। जैसे की मैं रीमा को बता चुका था कि मुझे कपडो कि गंध सूंघना पंसन्द है। मैं उसके हर कपडे को उतारते हुये उसकी खुशबु सूंघना चाहाता था।

उसकी साडी मे से बहुत मादक गंध आ रही थी। इस गंध मे उसकी बदन की खुशबु और पसीने कि गंध मिली हुयी थी। और फिर मैंने उसका पल्लू चूम लिया। जब मैं उसका पल्लू चूम रहा था तो उसकी आँखो मैं आँखो डाल कर देख रहा था। उसकी आँखो मे वासना के लाल डोरे दिखायी दे रहे थे। फिर मैने उसका पल्लू छोड दिया और उसके सामने अपने घुटनो के बल बैठ गया और आगे बढ कर उसकी नाभी का चुम्बन ले लिया। मेरे इस तरह से अचानक चुम्बन ले लेने से उसके मुँह से एक सिस्कारी निकल गयी। उसका पल्लू कालीन पर पडा था और उसके पेटीकोट से जुडा हुआ हिस्से को मैंने अपने हाथ मे पकड लिया।

उसने साडी मे करीब ८ प्लेट डाल रखी थी। मैंने उसका पल्लू पकड कर अपने बदन के उपर डाल लिया। उसकी साडी नायलॉन की थी मेरे नंगे बदन पर उसका स्पर्श काफ़ी अच्छा लग रहा था। रीमा खडी हुयी मेरे हरकतो को देख रही थी। फिर मैंने धीरे से उसकी साडी को खीचा जिससे उसकी एक प्लेट निकल कर बाहर आ गयी मैंने साडी के उस छोटे हिस्से को अपने चहरे पर रखा और सबसे पहले एक गहरी साँस ले कर उसे सुंधा फिर उसके ३-४ चुम्बन ले लिये। रीमा मुझको अपने कपडे उतारते हुये देख रही थी। उसके चहरे मे मेरे लिये वासना और मातृ प्रेम के मिले जुले भाव थे। अब मेरा लंड भी उसकी साडी से टकरा रहा था जिसकी वजह से प्रीकम से भीगा हुआ मेरा लंड उसकी साडी को गिला कर रहा था।
मुझको इस तरह कपडे उतरते देख कर रीमा के अन्दर की मस्ती उबाल मार रही थी और वोह बोली हाय रे मेरे मस्ताने बेटे उतार दे मेरे कपडे मेरी साडी भी तेरे रस से गीली हो रही है। इस साडी को तो अब पूरी तरह सम्भाल कर रखना पडेगा क्योकी इसमे अब तुम्हारे लंड का रस मिल गया है। और ये साडी हमेशा मेरे पास हमारे पहले मिलन की यादगार बन कर रहेगी। रीमा की बात सुनकर मेरी मस्ती और बढ गयी और मैंने इसी तरह उसकी साडी को खीचना और प्यार करना जारी रखा और रीमा भी मुझे गंदी गंदी गालियाँ देती हुयी साडी उतारने के लिये प्रोत्साहित करती रही। और इसतरह उसकी साडी की ८ प्लेटे निकालने मैं मुझे १० मिनट लग गये। और रीमा की साडी कयी जगह से मेरे लंड रस और मेरे चुमने के करण लगे थूक से गीली हो गयी थी।

साडी की सारी प्लेटे निकाल देने के बाद मैंने साडी को धीरे धीरे खीचना चालू किया और रीमा से बोला माँ तुम धीरे धीरे घूमो जिस से मैं तुम्हारी साडी तुम्हारे बदन से अलग कर सकु। रीमा बोली ठीक है बेटा। और उसकी साडी को खीचते हुये अभी भी मैंने साडी को सूंघना और चूमना जारी रखा था। इसतरह घूमते घूमते वोह पलट गयी। और मेरी आँखो के सामने उसके चूतड आ गये। उसके चूतड देख कर मुझसे रहा नही गया और मैं उसके चूतडो पर टूट पडा। और उस पर जोर जोर से किस करने लगा। इस पर रीमा बोली अरे ओ गाँडू

साले मैं कही भागी थोडी ही जा रही हूँ पहले मुझे नंगा कर फिर प्यार करना समझा रंडी की औलाद।

उसकी बात सुनकर मैं फिर से उसकी साडी उतारने मे जुट गया। और उसी तरह सुघंते चुमते और साडी को अपने लंड रस से गीला करते हुये मैंने उसकी साडी उतार दी। उसकी साडी उतारने मे मुझे पूरे २० मिनट लगे। साडी पूरी उतर चुकी थी और मेरे शरीर से लिपट गयी थी। मैंने अपने हाथों से साडी का एक गोला बना कर सोफे पर डाल दी। साडी को सोफे पर रखने के बाद मेरी नजर उसके पेटीकोट पर गयी। उसका पेटीकोट भी गुलाबी रंग का था। पर पेटीकोट जहाँ पर कमर से बंधा था वहाँ पर फटा हुआ था। उसके छेद का आकार त्रिकोन था और साईज कमर पर एक फुट और कमर से पैरो की तरफ १/२ फुट था। और उस छेद मे से उसकी पैन्टी साफ़ झलक रही थी।

रीमा ने काले रंग की पैन्टी पहन रखी थी और वह पैन्टी देखने मैं नायलान की लग रही थी। और उस पर जाहां पैन्टी चूत के सामने होती है उस जगह पर लाल रंग का दिल बना हुआ था। वह लाल रंग का दिल वास्तव मैं काली पैन्टी के उपर अलग से सिला गया था। काले रंग की पैन्टी और उस पर लाल रंग का दिल ठीक चूत के सामने किसी भी मर्द को उत्तेजित करने के लिये काफ़ी था और इसका असर मुझ पर भी हो रहा था। पर इस के अलावा लाल रंग के दिल पर सफ़ेद रंग से कढा हुआ था फ़ोर यू इस तरह से लग रहा था जैसे उसको पहनने वाली औरत कह रही हो ओ मेरे दिल के राजा मेरे प्रीतम मेरी ये लाल लपलपाती चूत तुम्हारे लिये है। मैं चाहती हूँ की तुम इसको भोग कर चरम सुख को प्राप्त करो।

पहले से ही मेरी हालत खराब थी और इसको देख कर तो मेरे लंड ने १-२ झटके लगाये। और मेरा मन किया की आगे बढ कर इस चूत को खा जाऊ। रीमा की हालत भी मस्ती मे बहुत खराब हो रही थी। क्योकी उसकि पैन्टी उसके चूत से निकलते रस की वजह से पूरी तरह गीली हो चुकी थी। शायद बहुत देर से उसकी चूत मस्ती भरा रस बहा रही थी। और फिर मुझसे बिल्कुल भी रुका नही गया और मैंने अपने हाथ उसकी जाँघो के दोनो तरफ़ रखे और

उसकी जाँघो को पकड कर अपना मुँह आगे बढा कर उसकी पैन्टी पर एक गहरा किस ले लिया। शायद रीमा इस किस के लिये तैयार नही थी। क्योकी मेरे किस लेते ही उसके मुँह से एक सिस्कारी निकल पडी। मैं भी बहुत मस्त था मैंने भी उत्तेजना मे २-४ किस और ले लिये।

मेरे इस तरह से किस लेने से वह सी सी करने लगी उसका इसतरह से सिस्कारना मेरे लिये किसी मधुर संगीत के समान था। कुछ सैकंड किस करने के बाद मैं रुक गया और और इसी तरह उसकी जाँघो को पकडे पकडे मैंने रीमा की तरफ देखने लगा रीमा भी मेरी तरफ मस्ती भरी निगाहो से देखकर मुस्कुरा रही थी पर उसके चहरे के भाव देख कर लग रहा था जैसे पूछ रही हो कैसी लगी मेरी इस सेक्सी पैन्टी से छुपी हुयी चूत। उसको इस तरह से मेरी ओर देखाते देख कर मैं रीमा से बोला माँ तुम्हारा पेटीकोट फटा हुआ था और उसमे से तुम्हारी पैन्टी झाँक रही थी जैसे निमंत्रण दे रही हो कि आओ और मुझे प्यार करो और मुझसे रहा नही गया और मैंने तुम्हारी चूत को किस कर लिया।

कोई बात नही बेटा मैंने तो बहुत खुश हूँ जिस तरह से तुम मेरी पैन्टी पर टूट पडे मुझे बहुत अच्छा लगा। मैंने रीमा से कहा माँ तब तो तुमने बहुत अच्छा किया जो फटा हुआ पेटीकोट पहना। इस पर रीमा बोली अरे मेरे बुध्दु बेटे तू अभी तक नही समझा मैं तो सोच रही थी की तू समझ गया होगा। मेरा यह पेटीकोट तुझको कही पुराना दिखायी देता है। मैंने पेटीकोट को गोर से देखा और बोला नही ये तो बिल्कुल नया दिख रहा है तो फिर ये फट कैसे गया माँ। इस पर रीमा ने कहा मेरे नादान बेटे ये पेटीकोट तो मैंने जानबूझ कर फाडा था जिस से की तू मेरी पैन्टी देख सके। मुझे पता है कि मर्द औरत की पैन्टी देख कर कितने मस्त हो जाते है। इसीलिये मैं तुमको अपनी पैन्टी दिखाना चाहती थी। और तुमहारे चहरे के भाव देख कर मैं बहुत खुश हूँ कि मैंने ठीक ही किया जो अपना पेटीकोट फाड लिया।

मैं रीमा की बात सुनकर बोला माँ तुम सचमुच जानती हो कि मर्द को कैसे अपने वश मे किया जाता है। तुम चाहो तो किसी को भी अपना गुलाम बना लो। इसपर रीमा मुस्कुरा दी और बोली चल झूठा कही का। मेरे हाथ अभी भी

रीमा की जाँघो पर थे। फिर मैं बोल माँ तुमने पैन्टी भी बहुत मस्त पहनी है। इसका डिजाईन इस तरह का है की किसी को भी अपनी तरफ आकर्षित कर ले जाहे वह मर्द हो या औरत। इस पर बना यह दिल और लिखा हुआ फ़ोर यू इसको पहनने वाले की सुन्दरता को और बढा देता है और साथ हि साथ पैन्टी मे एक शरारत भर देता है। इसको बनाने वाला अगर मुझे मिल जाये तो मैं उसके हाथ चूम लूँ।

यह सुनकर रीमा ने अपने हाथ आगे बढा दिये और बोली लो चूम लो मेरे हाथ। इसको बनाने वाली मैं ही हूँ। मैंने ही अपने हाथो से सबसे पहले इस पर लाल रंग का दिल बनाया और फिर इस पर फ़ोर यू कढा। मुझे अहसास था की अगर मैं ऐसा करुँगी तो तुमको बहुत पंसन्द आयेगा। उसकी बात सुनकर मैं रीमा की और देखने लगा मैं मन ही मन उसके चुदक्कड दिमाग को सलामी दे रहा था। मेरे को इस तरह देखते हुये रीमा ने मुस्कुराते हुये अपने चहरे को उपर नीचे हिलाया और बोली हाँ बेटा ये तेरी इस माँ का ही कारनामा है। ये सुनकर मैंने रीमा के दोनो हाथ अपने हाथो मे लेकर चुम्बनो की बोछार कर दी। पुच पुच पुच की आवाज पूरे रुम मे गूँजने लगी। और कफ़ी देर तक मैं उसके हाथो को चूमता रहाफिर मैंने अपने हाथो से उसके चुतडो को अपनी बाँहो मे भर लिया और उसकी पैन्टी का एक चुम्बन लेकर अपना गाल उसकी पैन्टी पर रख दिया। मेरा गाल गीला हो गया क्योकी उसकी चूत बराबर रस बहा रही थी। मैने रीमा से कहा माँ मेरे को अभी यहाँ आये हुये २ घंटे भी नही हुये तो और इस समय मे तुमने जो अपनी बातो और बदन से जो मुझे मजा दिया है ऐसा मजा मुझे कभी नही मिला। और जबकी मैंने तुमको अभी तक नंगा भी नही देखा पर तुम मेरे दिल मे बहुत गहरायी तक बस गयी हो। मुझे लगता है कि मैं तुम्हारे बिना नही रह सकता। इन चार दिनो बाद जब हम अलग होंगे तो मेरा क्या होगा। मैं तुम्हारे बिना कैसे रहूँगा माँ।

इसपर रीमा मेरे बालो मे हाथ फेरने लगी और बोली मेरे प्यारे बेटे मैं तुमसे अलग कहाँ होगी। आज तुम मुझको नंगा करने के बाद मेरे पुरे बदन को अपने हाथ से छुओगे और प्यार करोगे फिर मुझको अपने इस बडे मुसल जैसे लंड से चोदोगे तो उसके बाद मेरा अंग अंग तुम्हारे अन्दर बस जायेगा तब हम अलग

कहाँ होगें बोलो। मैंने कहा तुम ठीक कहती हो माँ। इस पर रीमा बोली चल फिर लग जा अपने काम पर उतार मेरे कपडे साले मुझे पता है तू जल्दी से जल्दी मुझे चोदना चाहता है इसलिये ये सब नाटक कर रहा है। पर मैं भी तेरी माँ हूँ पुरा मजा लिये बिना तुझको चोदने नही दुँगी समझा। मैंने कहा हाँ माँ। और फिर दुबार उसकी पैन्टी का एक लम्बा किस ले कर खडा हो गया।

फिर मैंने अपना हाथ उसके पेटीकोट के तरफ़ बढाया मैंने पैन्टी कि झलक देख ली थी अब मैं उसका पेटीकोट उतार कर जल्दी से जल्दी उसकी पूरी पैन्टी देखना चाहता था। पर जैसे ही मेरा हाथ उसके पेटीकोट पर पडा उसने अपनी गोरी कलाईयो से मेरा हाथ पकड लिया और बोली नही बेटा पेटीकोट नही पहले अपनी माँ का ब्लाउस उतारो तुमने माँ की पैन्टी तो देख ली है अब उसकी ब्रा नही देखोगे क्या बोलो। पहले ब्रा देख लो फिर पेटीकोट उतारना समझे मेरे राजा बेटे। रीमा का मस्ती भरा आग्रह सुन कर मैंने कहा तुम ठीक कहती हो माँ पहले मैं तुम्हारी ब्रा को देखने का मजा लेता हूँ फिर तुम्हारी पैन्टी देखगाँ। यह सुनकर रीमा ने अपने हाथ आगे बढा कर मेरी बलाये ले ली और बोली हाय रे मैं वारी जाऊ क्या आज्ञाकारी बेटा मिला है मुझको।

उसकी बात सुनकर मैं थोडा सा शर्मा गया। मुझको शर्माता देख कर रीमा बोली हाय रे फिर से शर्माया लडकियो की तरह तुझे तो अपने कपडे पहना कर लडकी बनाना पडेगा उसकी बात सुनकर मैं सिर्फ मुस्कुरा कर रहा गया। और मैंने अपने काम पर ध्यान देना उचित समझा। फिर मेरी नजर उसके ब्लाउस की तरफ गयी वह ब्लाउस सही मे किसी को मस्त करने के लिये ही बनाया गया था।

उस ब्लाउस के हुक आगे से लगते थे। आगे और पीछे दोनो तरफ़ का कट काफी बडा था। पीछे का कट कफी बडा था आगे के कट के मुकाबले। पीछे का कट इतना बडा था की जैसे करीब करीब पूरी पीठ नंगी हो। नीचे से इतना भाग ही जुडा हुआ था की ब्रा का स्ट्रेप बडी मुशकिल से ब्लाउस से छिपा हुआ था। कंधे पर भी ब्लाउस की चौडायी कुछ इसी तरह थी बहुत छोटी पर ब्रा के स्ट्रेप उसके नीचे आसानी छुप गये थे। उस ब्लाउस के आगे सिर्फ ३ हुक थे जबकी

साधारण ब्लाउस मे करीब ४-५ हुक होते हैं। इसी कारण उसका कट भी काफी था। साथ ही साथ ब्लाउस थोडा उसके साईज से छोटा भी था। जिसकी वजह से उसके मम्मे आपस मे चिपट कर एक बहुत गहरी और लम्बी खाई बना रहे थे। इतनी गहरायी का कट होने के कारण उसका एक एक मम्मा १/४ से भी ज्यादा ब्लाउस से बाहर छाँक रहा था।

उस जन्नत के नजारे को देख कर मैं जल्दी से जल्दी उस ब्लाउस को उतार कर फेंक देना चहाता था। मैंने अपने हाथ सबसे पहले ब्लाउस के उपर से उसके मम्मो पर रखे और उनको महसूस करने लगा। उसके मम्मे दुनिया के सबसे पहले मम्मे थे जिन को मैंने महसूस किया था। मेरा मन उन बडे बडे मम्मो को मसलने का कर रहा था मैं इस बात का अंदाजा लगाना चाहता था की उसके मम्मे कितने कडे है। पर मैंने सोचा पहले इसके मम्मो को पूरा नंगा करुगाँ फिर उनको मसल कर उनकी कडायी का पता करुगाँ। जब मैं उसके मम्मो पर हाथ फेर रहा था तो जब मेरा हाथ उसके मम्मो के बीच मे गया तो मुझे उसकी घुंडी का अहसास मेरी हथेली पर हुआ।

उसका ब्लाउस बहुत ही पतले कपडे का बना था जिसकी वजह से मुझे पता चल गया था की उसने ब्रा पहन रखी है। और उसके मम्मो पर हाथ फेरने से मुझे यह भी लग रहा था की उसकी ब्रा कॉटन की हो सकती है। पर फिर भी मैं उसकी घुंडीयो को अपनी हथेली पर महसूस कर सकता था। मैने सोचा की शायद मेरे हाथो के स्पर्श से रीमा की उत्तेजना बढ गयी है जिसकी वजह से उसकी घुंडियाँ इतनी कडी हो गयी हैं। मेरे इस तरह हाथ फेरने की वजह से रीमा उत्तेजना मे सिस्कारीयाँ भर रही थी। उसके मुँह से आह ओह सी सी की आवाजें निकल रही थी।

थोडी देर उसके मम्मो पर इसी तरह हाथ फेरने के बाद मैंने अपना बाँया हाथ उसके मम्मे पर से हटा लिया और अपना मुँह पास ला कर उसका ब्लाउस सुंघने लगा। उसके ब्लाउस के कपडे की गंघ उसके पसीने के साथ मिल कर बडी ही मादक हो गयी थी। उसके गर्म हो चुके मम्मो के कारण उसकी ये मादक गंघ भाप बन कर हवा मे मिल रही थी। मैं जब उसके ब्लाउस की गंध

ले रहा था तो मेरी नाक उसके ब्लाउस को छू रही थी और जैसे ही सुंघता हुआ मैं आगे बढा मेरी नाक उसकी मम्मे पर चलने लगी मेरी इससे उसके शरीर मे गुदगुदी फैलने लगी। और रीमा कुछ कुछ बकने लगी आह ओह ये क्या कर रहे हो बेटे सी सऽ ऽऽ ऽऽ सी ओहऽऽऽ सीऽऽऽऽ बहुत गुदगुदी हो रही है। हाय रे इतनी देर क्यो सीऽऽऽ लगा रहा है तू आहऽऽऽ उतार क्यो नही देता मेरा ब्लाउस ओहऽऽऽऽ और मत तडपा अपनी माँ को मेरे लाडले। इन ब्लाउस मे कैद मम्मो की गर्मी मेरे सीऽऽऽऽ तनबदन मे आग लगा रही है।

सोच ले अगर तू मुझे इसी तरह तडपायेगा तो मैं आहऽऽऽऽऽऽऽऽऽ भी तुझे बहुत तडपाऊगी समझा। मैंने कहा माँ मैं तो तुम्हारे ब्लाउस को सुंघ रहा था तुमको तो पता है की मुझे तुम्हारे कपडो को सुंघने का सोच कर ही इतना मजा आता है। इस पर रीमा बोली ओह मेरे प्यारे बेटे अगर तुझे मेरे ब्लाउस की गंध का मजा लेना ही है तो पहले इसे उतार दे फिर अपने मुहँ पर रख कर सुंघ लेना मैं मना थोडी कर रही हूँ। पहले मेरे इन कबूतरो को इन ब्लाउस के बंधन से तो आजाद कर दे जाने कितनी देर से ये इसमे कैद है। तेरी माँ तुझसे विनती करती है बेटा मेरे को इनसे आजाद कर दे।

रीमा की बात सुनकर मैंने कहा ठीक है माँ पहले मैं तुम्हारा ये ब्लाउस तुम्हारे बदन से अलग कर के तुम्हारी चुचीयो को ब्लाउस की कैद से आजाद कर देता हूँ। फिर मैंने आखरी बार उसके दोनो मम्मो पर हाथ फेरा और और दोनो मम्मो पर एक एक किस लिया। उसके बाद मैंने अपने हाथ उसके ब्लाउस के हुक पर रख दिये और रीमा की आँखो मैं आँखे डाल कर देखने लगा। रीमा मुझसे लम्बाई मे छोटी थी पर उसने ५ इन्च की हील वाली सैडंल पहन रखी थी जिस की वजह से वह करीब करीब मेरे बराबर आ रही थी। मैंने मुस्कुराते हुये उसके ब्लाउस का एक हुक खोल दिया। उसका ब्लाउस खोलते वक्त उत्तेजना के कारण मेरे हाथ काँप रहे थे।
मेर लंड पूरी तरह से मस्त खडा था और उसके पेटीकोट से टकरा रहा था। जिस की वजह से उसका पेटीकोट मेरे रस से भीग गया था और उसके पेटीकोट पर मेरे लंड के प्यार के निशान बना रहा था। जैसे ही मैंने उसके ब्लाउस का एक हुक खोल दिया मेरा लंड बुरी तरह से मस्त खडा था और उसके पेटीकोट

से टकरा रहा था। रीमा बोली हाँ बेटा उतार बेटा उतार अपनी माँ का ब्लाउस कर दे अपनी माँ के जौबन नंगे उठा दे अपनी माँ की लाज का पर्दा मेरे बेशर्म बेटे। ब्लाउस मे छिपी इन गोलाईयो को आजाद कर दे इनको भी कुछ हवा लगने दे। रीमा का खुला निमंत्रण सुनकर मैं और भी जोश मे आ गया और रीमा के मम्मो से बनी गहरी लम्बी खायी को देखने लगा। उसको देखते देखते मैंने दुसरा हुक भी खोल दिया। दुसरा हुक खोलते ही मुझे उसकी ब्रा का वह भाग जहाँ पर ब्रा के दोनो कप नीचे आ कर मिलते हैं दिखायी देने लगा। ब्रा काले रंग की थी।

अब सिर्फ़ एक हुक बचा था मेरे और मम्मो को देखने बीच। मेरे हाथ उसके तीसरे हुक पर जमे हुये थे। फिर मैंने सोचा की अगर मैंने ऐसे ही रीमा के सामेने खडे हुक खोला तो ब्लाउस खुलते ही मेरी सबसे पहली नजर उसके मम्मो पर जायेगी और मैं अपने आप को रोक नही पाऊगा उसके बडे बडे मम्मो को प्यार करने से। और अगर मैं उसके मम्मो को प्यार करने लगा तो उसके ब्लाउस को प्यार नही कर पाऊगा जोकी मैं नही खोना चहाता था। यह सोच कर एक विचार मेरे मन मे आया कि क्यो ना मैं उसके पीछे जा कर अपने हाथ आगे ला कर उसके ब्लाउस का हुक खोलूं जिससे मैं उसका ब्लाउस उतार के पहले उसके ब्लाउस से प्यार भी कर सकता हूँ और फिर उसके मम्मो को देखने का मजा उठा सकता हूँ।

फिर मैं रीमा से बोला माँ तुम्हारा ब्लाउस मैं पीछे से खोलूगाँ। रीमा बोली क्यो बेटा आगे से क्यो नही। इसपर मैंने अपनी इच्छा उसको बता दी। इसपर रीमा बोली तू भी बडा हटी है। अपने मजे को कभी भी नही छोडता ठीक है जैसी तेरी मर्जी पर तू मुझको बहुत तडपा रहा है। देख बेटा अब तू मैं भी तुझे मजे के लिये कितना तडपाती हूँ। जब मेरे हाथो तडपेगा तब तुझको पता चलेगा की मेरे उपर क्या गुजर रही है। फिर मैं रीमा के पीछे चला गया। और पीछे जाते ही मेरी नजर सबसे पहले उसकी गोरी नंगी पीठ पर गयी जो ब्लाउस के सेक्सी डिजाईन के कारण बिना ब्लाउस उतरे पूरी नंगी लग रही थी। और पूरी बेशर्मी के साथ अपनी नग्नता की नुमाईश कर रही थी।

मैंने सबसे पहले उसकी पीठ को किस किया फिर अपने दोनो हाथ उसकी बगल से नीचे ले जाकर उसके ब्लाउस का हुक ढूढने लगा। जब मैं उसके हुक ढुढने की कोशिश कर रहा था तो मेरे हाथ उसके मम्मो के नंगे हिस्से से टकरा रहे थे। नंगे बदन के स्पर्श से ही मेरे बदन मे करंट दोड गया मेरा लंड तो बराबर रस की वर्षा कर रहा था। और अब पीछे से भी उसके पेटीकोट को गिला कर रहा था। थोडी देर हुक ढूढने के बाद मुझको उसका हुक मिला गया। इसतरह से उसके ब्लाउस का हुक पकडने के कारण मैं पहली बार उसके बदन के इतने करीब था। उसकी बदन से निकलती वासना की गर्मी को मैं महसूस कर रहा था। मेरी कलाईयाँ बगल से उसके मम्मो को छू रही थी।

मैं थोडी देर इसी तरह उसके ब्लाउस के हुक को हाथ मैं लिये हुये खडा रहा। रीमा भी मेरे बदन की गर्मी महसूस कर रही थी और वह बोली एक आह भर के बोली मेरे प्रेमी इतने पास तुम मेरे बदन के पहली बारे आये हो तुम्हारे बदन की गर्मी से मेरा बदन जलने लगा है प्रीतम। मैंने उसके कंधे पर एक किस करते हुये उसका तीसरा हुक भी खोल दिया। जिसकी वजह से उसके दोनो मम्मो पर ब्लाउस का दवाब कुछ कम हो गया क्योकी एक तो ब्लाउस उसके साईज से छोटा था दूसरा इतनी मस्ती के कारण उसके मम्मे और फुल गये थे। एक तो मेरे किस करने की उत्तेजना दूसरी ब्लाउस के की कैद से आजाद हुये कबुतरो को मिली ठंडी हवा से मिली राहत की वजह से पहले रीमा का बदन कडा हुआ फिर उसने एक झटका मारा और रीमा ने आँखे बंद कर ली और अपना सर पीछे करके मेरे कंधे पर रख दिया। और एक गहरी साँस ली जिस से उमssssss कि ध्वनी कफ़ी देर तक उसके मुँह से निकलती रही।

थोडी देर दोनो ऐसे ही खडे रहे करीब १५ सैंकड बाद उसने अपना सर सीधा किया। फिर मैंने कहा लो माँ मैंने तुम्हारे ब्लाउस के सारे हुक खोल दिये हैं और तुम्हारे मम्मो को ब्लाउस की कैद से मुक्ती मिल गयी है। अब तो तुमको थोडा आराम मिला होगा बेटा। इसपर रीमा ने कहा हाँ बेटा मुझे बहुत कि राहत मिली है। लेकिन अगर तुम आगे से ही मेरे ब्लाउस को खोलते तो मुझको ये राहत नही मिलती। मैंने आश्चर्य से पुछा ऐसा क्यो माँ। रीमा बोली बेटा तुमने इतनी देर से अपनी बातों और हरकतो से मुझको इतना गर्म कर दिया था की मुझसे

बिल्कुल भी रुका नही जा रहा था और मैं चुदाने के लिये तडप रही थी। और तुमको बार बार ताना दे रही थी कि मुझे इतना क्यो तडपा रहे हो। मेरे पुरा बदन प्यार की मस्ती मे जल रहा था।

और मेरे शरीर की अग्नि मुझको पागल बना रही थी मैं चुदना चाहती थी झडना चाहती थी चरम सुख पाना चाहती थी। पर जिस तरह से तुम मेरे बदन से खेल रहे थे मुझे लगा अगर मैं जल्दबाजी मे अभी तुमसे चुदा लुँगी तो तुम अभी जल्दी झड जाओगे तो जो मैं तुमको अपने पहले मिलन का मजा देना चाहती हूँ वह नही दे पाऊगी। और तुम्हारी पहली औरत भोगने का सुख मैं तुमको देना चाहती हूँ ऐसा मजा जो तुमको जिंदगी भर याद रहे नही मिल पायेगा। और मैं तुमसे अपने बेटे से वह सुख नही छीन सकती थी। आखिर मैं तुम्हारी माँ अपने बेटे से उसका सुख कैसे छीन सकती हूँ।

इसीलिये मैंने अपने आप को बडी मुशकिल से रोका हुआ था। फिर जब तुमने मेरे पीछे से आ कर मेरा ब्लाउस खोलने की बात की तो सुनकर मेरे अन्दर मस्ती का तूफान आ गया। क्योकी मुझे पता था कि इस तरह अगर तुम मेरे ब्लाउस को खोलने की कोशिश करोगे तो तुम्हारे हाथ मेरे मम्मो से छुयेंगे और मुझे अपने आपको रोकना बहुत मुशकिल हो जायेगा। पर मुझे माँ होने के नाते अपने साथ साथ तुम्हारे मजे का भी ख्याल रखना था मुझे तुम्हारी आँखो मे दिख रहा था कि तुम किस तरह मेरे मम्मो से पहले मेरे ब्लाउस को प्यार करने के लिये लालायित थे। इसी कारण मैंने तुमको पीछे से ब्लाउस खोलने की इज्जात दे दी।

और जैसे ही तुमने मेरी पीठ पर किस किया मैंने अपने होश खो दिये बडी मुशकिल से मेरा हाथ अपनी चूत तक जाते जाते रुका। पर जब तुमने अपने हाथ मेरी बाहो के नीचे से निकाल कर मेरा ब्लाउस पकडने की कोशिश की मुझसे रहा नही गया और मैंने अपना हाथ अपनी चूत पर अपनी पैन्टी के उपर से रख दिया और अपनी चूत के दाने पर अपने हाथ फिराने लगी मुझे लगा इसतरह करने से मेरी चूत कुछ रस और बहायेगी तो मुझे कुछ देर के लिये राहत मिल जायेगी। तुम्हारे हाथ मेरे नंगे मम्मो को छू रहे थे। मम्मो को छुते

वक्त तुम्हारे नाखूँन भी मेरे मम्मो पर लगे। पर जैसे ही तुमने मेरा ब्लाउस पकडा और हुक खोलने के लिये जोर लगाया तुम्हारे कालाईयो से मेरे मम्मे थोडे दब गये। जिसकी वजह से मैंने मस्ती मैं आकर अपनी चूत के दाने को जोर से दबा दिया। जिसे मेरी चूत सहन नही कर सकी और उसके सब्र का बाँध टूट गया और रस की नदी मेरी चूत से बह चली। और मैं ना चाहते हुये भी कचकचा कर झड गयी।इसी लिये तुम्हारे इस तरह से मेरा ब्लाउस खोलने से मेरे बडे बडे मम्मो,मेरी चूत और मेरे बदन तीनो को राहत मिल गयी। इस पर मैंने कहा इसका मतलब तुमको बहुत मजा आ रहा है मेरे साथ। उसने मुँह घुमा कर मेरी तरफ देखा और अपना सर हिला दिया। और बोली तुम सुघंना चाहते हो मेरे ताजे निकले रस की महक। मैंने कहा क्यो नही माँ। मेरे हाथ अभी भी उसकी बाहो के नीचे से जा कर उसकी कमर के ईर्दगींद लिपटे हुये थे। फिर रीमा ने अपने हाथ नीचे ले जाकर अपनी पैन्टी की तरफ देखते हुये अपनी दो उगलीयो को अपनी गिली हो चुकी पैन्टी से गिला किया और और फिर मेरी आँखो मे आँखे डाल कर अपनी दोनो उगलीयाँ मेरी नाक के नीचे रख दी।

जैसे ही उसकी उगलीयाँ मेरे नाक के पास आयी रीमा के चूत रस की तीखी गंध मेरी नाक मे घुस गयी। उसके चूत रस की महक बहुत ही मादक थी। इतनी मादक के कुछ पल तो मैं उसमे ही खो गया। सोचने लगा की मैं अपने घुटनो के बल बैठ कर अपनी नाक उसकी पैन्टी पर रखकर सीधे रस के सोत्र से उसकी गंध को सूंध रहा हूँ। मेरे को इसतरह खोये हुये देखकर रीमा ने पूछा कहाँ खो गये मेरे राजा। मैंने कहा तुम्हारे चूत रस मे मेरी रानी। कैसी लगी मेरे चूत रस की गंध। मैंने कहा माँ मेरे लिये तो तुम्हारे बदन की गंध बदन से निकलने वाले सारे पर्दाथो के गंध जीवन वायु के समान है। और चूत रस की गंध तो उनमे सबसे उपर है। बहुत ही मादक मस्ताने सेक्स से भरपूर।

सुनकर रीमा बहुत खुश हुयी। खुशी के भाव उसके चहरे पर साफ झलक रहे थे। मैंने कहा माँ तुमने अपना मदन रस मुझे सुंघा तो दिया अब क्या इसका स्वाद मुझको नही चखाओगी मेरी रानी। रीमा मुस्कुराते हुये बोली क्यो नही राजा। हम दोनो के खडे होने मैं अभी भी कुछ अंतर नही आया था। मेरे हाथ अभी भी उसके कमर के ईर्दगिंद लिपटे थे। और मेरा लंड मदमस्त होकर बराबर रस

बहाते हुये उसके पेटीकोट को गिला कर रहा था। मैं सोच रहा था की अगर मैं इसी तरह ५-७ मिनट और खडा रहा तो उसका पेटीकोट नीचे से पूरा गीला हो जायेगा।

रीमा ने फिर से अपने हाथ नीचे ले जाकर अपनी उगलियाँ अपनी पैन्टी पर लगा दी। पर अबकी बार थोडी देर तक वह अपनी उगलीयाँ अपनी चूत के मुँह पर चलाती रही जिससे ज्यादा से ज्यादा रस उसकी उगलीयो पर इक्कठा हो सके। थोडी देर बाद रस इक्कठा कर के रीमा ने अपनी उगलीयाँ मेरे मुँह के सामने रख दी। उसकी उगलीयाँ उसके चूत रस से पूरी तरह से गीली थी। यहाँ तक की उसकी उगलीयो पर उसके मदन रस की बूंदे झलक रही थी। फिर मेरी और देख कर रीमा ना कहा लो बेटा चख लो अपनी माँ का चूत रस। तुम्हारा पहला मदन रस। जैसे जब बच्चा छोटा होता है तो माँ बच्चे को खाना खाना सिखाती है इसी तरह तुम चुदायी शास्त्र मे अभी बच्चे हो और मैं ये तुम्हारी माँ तुमको चुदायी क्रिणा मे उत्पदित रसो का पहला निवाला तुमको खिला रही हूँ। और मैं बहुत खुश हूँ की मुझे ये सोभाग्य प्राप्त हुआ है।

मैने अपना मुँह आगे बढा कर रीमा की उगलीयो को अपने मुँह मे ले लिया और अपनी जीभ को उसकी उगलीयो के चारो तरफ घुमाने लगा। और थोडी देर मे ही मैंने अपनी जीभ फिरा फिरा कर उसके चूत रस को अपनी लार के साथ मिला लिया जिस से मैं रीमा के चूत रस का स्वाद ले सकूँ। रस तो लार मे अच्छी तरह से मिलाने के बाद मैं उसको पी गया। मेरे लार पीने के बाद रीमा ने अपनी उगलीयाँ मेरे मुहँ से निकाल ली। और बोली बोल बेटा बता कैसा लगा तुझे अपनी माँ का चूत रस मैं बोला माँ इतना अच्छा की मैं सिर्फ तुम्हारा चूत रस पी कर पूरी जिंन्दगी बिता सकता हूँ। मेरी बात सुनकर रीमा का चहेरा खुशी और मस्ती मे लाल हो गया गर्व से चूचीयाँ और फूल कर तन गयी।

रीमा ने कहा बेटा आज मैं बहुत खुश हूँ। मुझे आज तक किसी भी मर्द ने बिना मेरी चूत को स्पर्श किये बिना नही झडाया। चूत छू कर झडाने की तो छोडो कोई भी मेरी चूत बिना चोदे या बिना चाटे मुझे नही झडा पाया। तुम पहले मर्द हो जिसने मुझे इतना गर्म कर दिया की मैं अपनी चूत के दाने को दबाने पर

झड पडी। किसी ने भी मेरे बदन को इतना प्यार नही किया जितना तुमने किया मेरे बेटे। हर कोई मेरा मादक बदन देख कर मुझ पर टूट पडता था और थोडी देर मे ही अपना लंड मेरी चूत मे डाल कर मुझ पर चढ बैठता था। या मेरी चूत को मुँह मे लेकर चाटने लगता था। कोई भी मेरे बदन के साथ इस तरह से नही खेला जिस तरह से तुम खेल रहे हो। जबकी मैं इस तरह अपने बदन को प्यार करवाना कितना पंसन्द करती हूँ।

थैंकयू बेटा मेरे बदन से इसतरह खेलने के लिये। मैंने कहा माँ मैं तो हमेशा आप की सेवा मे हाजिर हूँ। आखिर आपका बेटा हूँ अपना कर्तव्य कैसे भूल सकता हूँ। रीमा बहुत खुश हो गयी और अपना मुँह घुमा कर मेरे गाल पर एक चुम्मा ले लिया। फिर मैंने कहा माँ अगर तुम इस स्थीति मे पहुँच गयी थी तो मुझे बता देती मैं तुम्हारी मस्ती झडा देता। इसके लिये मुझे तुमको चोदना भी नही पडता। तुमने अपना पेटीकोट को फाड रखा ही है और उससे तुम्हारी पैन्टी मे छुपी चूत भी नजर आ रही है। मैं अभी नीचे बैठ कर तुम्हारी चूत पैन्टी के उपर से ही चाट कर तुम्हारी मस्ती झडा देता।

रीमा ने कहा तुम बहुत अच्छे बेटे हो मेरे लाल पर मैं उस समय चूत चटा कर झडना नही चाहती थी। मैं बोला माँ वह तो ठीक है पर तुम्हारे झड जाने से तुम्हारा कितना चूत रस बेकार ही चला गया। रीमा ने कहा बेकार कहाँ गया है बेटे सारा रस तो मेरी पैन्टी मै समा गया है। मेरी पैन्टी उतारने के बाद उसको अपने मुँह मै डाल कर चूस लेना सारा रस। मैंने कहा माँ अगर तुम मुझसे चुसवा कर झडवाती तो मुझे सीधे रस मे सोत्र से रस पीने को मिलता और उसमे कितना मजा आता। रीमा ने कहा तो इसमे कौन सी बडी बात है मेरा ब्लाउस और पेटीकोट उतार लेने के बाद पहले चूत चूस कर झडा देना फिर मेरी पैन्टी उतरना ठीक है। मैंने कहा तब ठीक है।

रीमा बोली की तू भी माँ से बिल्कुल बच्चो की तरह जिद करता है जैसे छोटे बच्चे माँ से बचपन मै लालीपॉप के लिये करते है। तो मैंने कहा माँ तुम्हारी चूत मेरे लिये किसी लालीपॉप से कम नही है। इस पर रीमा मुस्कुरायी और बोली लालीपॉप तो बेटा तेरे पास है। जो इस समय मेरे पेटीकोट को गीला करने

मैं लगी हुयी है। उसको चुसने का मजा तो मैं लूगी मेरे राजा मेरे पास तो चटपटी चाट का पत्तल है जो मैं तेरे को चाटने को दूँगी। पर अगर तेरे को लालीपॉप का इतना ही शौक है तो उसका इतजाम मैं कर सकती हूँ। मैं उसकी बात मैं छिपे मतलब को समझ कर मुस्कुरा दिया। मैं समझ गया रीमा मेरे साथ छेड छाड कर रही है।

रीमा ने पूछा बोल चाहिये क्या। मैंने कुछ जवाब नही दिया। इस पर रीमा मुस्कुरा दी और बोली चल बडी देर हो गयी। ऐसे खडे खडे अब मुझे भी झडे हुये बहुत देर हो गयी है। और मैं फिर से गर्म होने लगी हूँ। तू भी अपना काम बीच मैं छोड कर मजे ले रहा है चल लग जा अपने काम पर अभी तो मेरे बहुत से कपडे उतारने बाकी हैं। जितनी देर करेगा उतनी ही देर मै तुझको मजा मिलेगा। उसकी बात सुनकर मैं अपने काम पर लग गया ब्लाउस के हुक तो मैं खोल चुका था पर उसे अभी तक मैंने उतारा नही था। फिर मैंने अपने हाथ उसके कमर से हट के फिर से उसके ब्लाउस को पकडने लगा जहाँ पर हुक लगे होते है। पर अबकी बार मैंने जानबूझ कर उसके नंगे मम्मो को स्पर्श किया और उनका मजा लिया।
रीमा भी मेरी इस हरकत हो समझ रही थी और मेरी और देख कर मंद मंद मुस्कुरा रही थी। फिर मेरी पकड मे उसके ब्लाउस के दोनो भाग आ गये और मैं उनको खीच कर उसका ब्लाउस उतारने लगा। मैंने रीमा से कहा माँ अपने हाथ उपर कर लो जिससे मुझको ब्लाउस उतारने मैं आसानी होगी। रीमा बोली थीक है और उसने अपने हाथ उपर कर लिये। और मैं उपर उठा कर उसका ब्लाउस उतारने लगा जैसे ही ब्लाउस उसकी कोहनीयो तक आया तो मेरी नजर उसकी काँख पर गयी। रीमा की काँख के बाल जितना मैं बगल से देख कर सोच रह था उससे काफी बडे और घने थे। मेरा एक बार मन किया के उसकी काँख मे अपना मुँह घुसा दूँ पर मैंने अपने आप को रोक लिया और उसका ब्लाउस उतार लिया।

ब्लाउस उतारते ही मैंने ब्लाउस को अपने मुँह के उपर डाल लिया मेरी नाक के उपर उसके ब्लाउस का वह हिस्सा था जो की पीठ पर होता है। फिर मैंने गहरे गहरे साँस ले कर मैंने सुंघना शुरू कर दिया। उसके बदन कि महक मेरे नाक

के रस्ते मेरे शरीर मे घुल रही थी। थोडी देर इसी तरह मैं उसकी पीठ के हिस्से वाले ब्लाउस को सुघंता रहा और फिर मैंने एकदम से जीभ निकाल कर उसके ब्लाउस को चाटना शुरु कर दिया। फिर थोडी देर मैं उसके ब्लाउस को सुघंता और फिर चाटता। और इसी तरह करते करते मैंने रीमा का ब्लाउस पीछे से चाट चाट कर गीला कर दिया।

उसके ब्लाउस को पीठ वाली तरफ से अच्छी तरह से साफ कर लेने के बाद मैंने ब्लाउस के दोनो कपो की और ध्यान दिया। ब्लाउस के कप जहाँ पर उसके दोनो मम्मे आ कर बैठते थे। मैंने उन कपो के जरीये उसके मम्मो का भी स्वाद लेना चाहता था। रीमा मुझको पीछे मुड कर देख रही थी और मुस्कुरा रही थी और शायद मन ही मन खुश हो रही थी की उसके बदन की महक का मेरे उपर ऐसा असर हो रहा है। वह मेरी तरफ पलट कर खडी नही हुयी थी। क्योकी अगर वह पीछे घुमती तो मेरी नजर उसके मम्मो पर जाती और वह अभी यह नही चाहती थी। फिर मैंने एक कप पकड कर उसमे अपनी नाक घुसा दी। और एक गहरी साँस लेकर उसके ब्लाउस और मम्मो के मिली जुली गंध कर आनन्द लिया। वह महक किसी भी इत्र की महक से लाख गुना अच्छी थी।

थोडी देर इसी तरह उसकी महक के मजे मैं लेता रहा साथ हि साथ मैं सोच रहा था जब उसके ब्लाउस के उसके बदन से लगने के कारण रीमा का ब्लाउस उसकी महक से इतना सुगंधित को चुका है तो उसके बदन की महक सीधे उसके बदन से लेने मे कितना आंनन्द प्राप्त होगा। यही सोचते हुये मैंने उसके कप पर धीरे धीरे किस करने लगा। किस करते वक्त ऐसा महसूस हो रहा था जैसे मैं उसके नंगे मम्मो को किस कर रहा हूँ। जिन की झलक उसके ब्लाउस से झाँकते १/४ मम्मो से मैंने ली थी। कुछ देर इसी तरह मैं उसके ब्लाउस के कप को किस करता रहा।

मेरी इस हरकत का असर रीमा पर भी हो रहा था उसकी मस्ती भी बढने लगी थी जिसके भाव उसके चहरे पर साफ नजर आ रहे थे। फिर मैंने रीमा के तरफ देख कर जीभ निकाल कर उसके कप को चाटना शुरू कर दिया। उसका स्वाद बहुत मादक था। पहले २-३ बार मैंने कप को चाटा और थोडी देर रुक कर

उसके स्वाद क मजा लिया। फिर अपनी जीभ बाहर निकाल कर उसके ब्लाउस के कप पर टूट पडा। और जल्दी जल्दी चाटने लगा। मैं उसका कप इस तरह से चाट रहा था की जैसे कई दिन के भूखे कुत्ते को हड्डी मिल गयी हो। थोडी देर मे ही मैंने उसके ब्लाउस के कप को गीला कर दिया। गीला करने के बाद मेरे थुक की गंध उसके ब्लाउस मे उसके बदन की गंध के साथ मिल कर समा गयी। मैंने फिर से ब्लाउस को नाक पर रख कर गहरी साँस लेनी शुरू कर दी। मेरी थूक की महक ने उसके मम्मो कि महक के साथ मिल कर उस मिली जुली महक को और भी मादक बना दिया था।

फिर मैंने दुसरा कप हाथ मै लेकर उसमे अपनी नाक घुसा दी। रीमा से भी अब रहा नही जा रहा था। वह मुझको सामने से देखना चाहती थी। उसने सामने पडी हुयी अपनी साडी उठायी और उसको अपने मम्मो के चारो तरफ लपेट ली जिससे उसके मम्मे साडी मे छिप गये। और वह मेरी तरफ मुँह करके मुझको देखने लगी। मैं अभी भी उसके दुसरे कप को सुंध रहा था। मुझे देख कर रीमा बोली बेटा तेरा लम्बा सुन्दर लंड मेरे बदन और मेरे बदन से लिपटे कपडो को प्यार करते तुम्को देख कर मस्त हो कर लार बहा रहा है। और वह भी मेरे कपडो का भुखा है। तुम अपने लंड के सुपाडे को मेरे दुसरे कप पर छुआ दो जिस से उसका रस मेरे ब्लाउस मे मिल जाये फिर उसको सुंघो और चाटो तुमको एक अलग ही मजा आयेगा।

रीमा की बात सुनकर मैंने सोचा रीमा सही कह रही है। और फिर मैं ब्लाउस का कप अपने लंड के पास ले गया और उसके सुपाडे को अपने हाथ से पकड कर धीरे धीरे कप पर फिराने लगा। मेरे लंड के सुपाडे के ब्लाउस पर लगने से मेरे शरीर मैं उत्तेजना के कारण कपकपी आ गयी। मैंने ब्लाउस के कप मे ४-५ जगह लंड से बहता रस लगा दिया। जब मेरा प्रीकम ब्लाउस मे अच्छी तरह से लग गया मैंने उसको उठा कर फिर से अपनी नाक उसमे घुसा दी। और एक गहरी साँस ली। ओहsss म मssssss रीमा का कहना बिल्कुल थीक था उसकी गंघ तो बिल्कुल बदल गयी थी और बहुत ही मादक हो गयी थी। रीमा ने मुझसे पूछा क्यो बेटा कुछ फर्क पडा क्या। मैंने कहा हाँ माँ तुम बिल्कुल थीक कहती थी। माँ तो हमेशा ही सही होती है बेटा माँ की बात मान कर सही से माँ

से चुदायी शास्त्र की शिक्षा लेगा तो जीवन मैं कभी भी निराश नही होगा समझा। मैं कहा हाँ माँ।

फिर मैंने उसके ब्लाउस को सुंघना जारी रखा थोडी देर सुंघ कर मैंने उसको चुमना और चाटना शुरू कर दिया। इस कप का स्वाद चख कर मुझे लगा मैंने पहले कप मे क्यो नही अपने लंड का रस मिलाया मिला लिया होता तो उसका स्वाद भी इतना ही स्वादिष्ठ होता। मेरे लंड का रस मिला लेने की वजह से ब्लाउस क स्वाद और भी मस्त हो गया था। और फिर मैंने चाट चाट कर ब्लाउस के दुसरे कप को भी अपने थूक से गीला कर दिया। उसके बाद दोनो कप पर बारी बारी से उस जगह पर किस किया जिस जगह पर मम्मो से बाहर निकलती नुकीली घुडियाँ होती है। किस करके मुझे लगा जैसे की मैं उसकी घुडीयो को किस कर रहा हूँ।

जब मैं पूरी तरह से मम्मो कि प्यार कर चुका और उसका मेरे थूक से सना ब्लाउस अपने हाथ मै लिया खडा हुआ तो रीमा बोली तो बेटा कैसा लगा तुमको मेरा सेक्सी ब्लाउस पंसन्द आया। जब मैंने पहन रखा था तो तुम्हारी हालत खराब थी ये तो मुझको मालूम मैं अब मेरे ब्लाउस को प्यार कर के मेरे चूत के राजा की क्या हालत है। मैं बोला माँ हालत तो अभी भी खराब है। इतनी मस्ती भरी थी इस ब्लाउस मैं मुझे मालूम नही था और उस सारी मस्ती को मैं चाट चाट कर पी गया हूँ जिसकी वजह से मेरे तन बदन मे मस्ती भरी आग लग गयी है। ओहsss माँ तुम्हारे बदन की गंध मैं इतनी मादकता है कि ये तुम्हारे कपडो को चुदास रस से भर देते है। जिसको पी कर मेरे बदन का तापमान बढ गया है। अगर मैं तुम्हारे बदन को प्यार करुगाँ तो तुम्हारे बदन को छुते ही मेरी मस्ती झड जायेगी। इसपर रीमा ने कहा नही बेटा मैं ऐसा नही होने दुंगी। तुझसे पहले अपनी जबरदस्त चुदायी कराउगी तभी तुझे झडने दूगी समझ। मैंने उसकी बात सुनकर सर हिला दिया।मैने सर तो हिला दिया था पर मुझे बिल्कुल भी विश्वास नही था की उसको चोदने तक मैं रुक पाउगाँ मेरा अनुमान था की उसको ब्रा पैन्टी मैं देख कर बिना छुये ही मेरी मस्ती झड जायेगी। फिर मैंने सोचा चलो देखते है की रीमा क्या करती है। फिर रीमा बोली मेरा यह ब्लाउस हमारे पहले मिलन की निशानी है। मैं इसको सम्भाल कर रखना चाहती हूँ।

लेकिन मैं चाहती हूँ कि तुम इसको अपने लंड रस से भर दो। जिससे मेरे बदन की गंध के साथ साथ तुम्हारे लंड रस की गंध भी इसमे समा जाये। और जब तुम मेरे पास ना हो तो मैं अपने ब्लाउस को सुंघ कर उस मिलन की याद को ताजा कर सकुँ।

मैंने कहा थीक हैं माँ मैं अपना लंड रस से इस ब्लाउस को गीला कर देती हूँ तो रीमा बोली नही बेटा ये काम मुझे करने दे इसको करने का हक सिर्फ मेरा है। मैंने कहा थीक है माँ। और उसका ब्लाउस उसके हाथ मैं दे दिया। हाथ मे लेकर रीमा बोली तूने तो इसको बिल्कुल ही गिला कर दिया है रे हर छोटी से छोटी चीज से तेरे को मस्ती चढती है तू तो पक्का से ही रंडी की औलाद है। ला अब अपना लंड पकडने दे मुझे इसका रस अपने ब्लाउस पर तो मल लूँ मैं। मैंने कहा लो पकड लो मेरा लंड माँ। रीमा अपने पंजो के बल झुक कर बैठ गयी। उसका मुँह बिल्कुल मेरे लंड के सामने था। मेरा लंड हाथ मैं लेकर उसने उसके सुपाडे को उपर की खाल के अंदर से निकाला। जिस से गोल्फ बाल जितना मोटा सुपाडा निकल कर बाहर आ गया।

रीमा मेरा सुपाडा देख कर बोली बडा मोटा है रे तेरा सुपाडा मैं रंडी हूँ इतने सारे लंड खा चुकी हूँ। कुछ लंड तो तेरे से भी बडे थे पर लगता है की तेरा ये सुपाडा मेरी चूत तो फाड ही डालेगा आज। उसकी इस बात को मेरी पुरे शरीर मैं एक मस्ती की लहर दौड गयी। फिर रीमा बोली मेरे दाँये कप पर तो तुने अपना मदन रस लगा ही दिया है अब बाकी का रस मै अपने ब्लाउस के बाँय कप और पिछले हिस्से मे लगाउगी। ये कह कर उसने मेरे लंड को मेरे सुपाडे के निचले हिस्से से पकड और सुपाडे के एक हिस्से के रस को ब्लाउस के बाँये कप से पोछ दिया। पोछते वक्त उसने थोडा दवाब अपने मुलायम कोमल उगलीयो से मेरे सुपाडे को दिया। जिससे मेरे लंड ने एक झटका सा लिया मुझे लगा मैं झड ही जाऊगाँ। पर ऐसा हुआ नही। क्योकि उसका दवाब बिल्कुल नपा तुला था।

जिससे मेरे शरीर मैं मस्ती का उबाल तो आया पर वह उबाल मुझको झड नही पाया। फिर उसने ब्लाउस को पीठ के हिस्से की तरफ से पकडा और सुपाडे के दुसरे हिस्से को उसी दवाब के साथ पोछ दिया पर इस बार मेरे मुँह से एक

सिसकी निकल गयी। बेटा अब बस तेरे सुपाडे के सर पर थोडा सा रस लगा बाकी रह गया है उसको मैं ब्लाउस का गुथा बना कर पोछ देती हूँ। यह कह कर उसने मेरा लंड अपनी मुट्ठी मै भर लिया और दुसरे हाथ से ब्लाउस का गुथा बना कर मेरे लंड के सुपाडे पर कस के रगड कर साफ कर दिया। ऐसा करते वक्त उसने मेरे लंड को कस कर अपनी मुट्ठी मै दबा दिया जिस से थोडा सा दर्द भी हुआ जिससे मेरा ध्यान लंड के सुपाडे पर होने वाली सेन्सेशन पर नही जा सका और सारा ध्यान मेरे लंड मे हुये दर्द पर ही केन्द्रित था। अगर वह ऐसा नही करती तो मैं सुपाडे पर हुयी रगडाहट की वजह से मैं जरूर झड जाता।

रीमा बहुट खेली खायी हुयी औरत थी उसको पता था कि कब किस समय क्या किया जाता है। और इतने सालो मे कई सारे मर्दो से चुदा कर वह चुदायी शास्त्र कि महा ज्ञानी हो गयी थी। मैं अपने आप को बहुत धन्य समझ रहा था क्योकि मैं रीमा की क्षत्र छाया मे चुदायी शास्त्र कि शिक्षा प्राप्त कर रहा था। मेरे लंड से सारा रस रीमा ने अपने ब्लाउस पर पोछ लिया था। उसके बाद रीमा ने मेरा लंड छोड दिया और अपना ब्लाउस को दोनो हाथ से पकड कर अपनी नाक के नीचे रख दिया और सुघंने लगी और एक गहरी साँस लेकर बोली म म म मssssss क्या मस्त खुशबू है। मेरे बदन की महक तेरे थूक और लंड रस से मिल कर बनी यह खुशबू किसी भी औरत और आदमी को जानवर बना सकती है।

बेटा तू तो बडा ही रसीला मर्द है। बहुत कम मर्द मुझे ऐसे मिले हैं अपनी चुदायी यात्रा मैं जिने मेरी महक और कपडो से भी प्यार हो। और तेरी उम्र उनमे सबसे छोटी है। और मैं तेरे से बहुत खुश हूँ मेरे लाडले बेटे चला आजा तूने ब्लाउस का मजा तो ले लिया अब ब्लाउस मै छिपे मम्मो का मजा भी तो ले ले। मैंने कहा फिर साडी हटाओ और अपने मम्मे मुझे दिखाओ। इसपर रीमा पलट कर अपने चूतड मटकाते हुये सोफे के पास गयी और सबसे पहले अपना ब्लाउस उस पर रख दिया। और मेरी तरफ अपनी पीठ करके २-४ कदम पीछे की और चली और फिर अपनी साडी अपने उपर से हटा कर सोफ़े पर फेक दी। और अपनी हाथ नीचे करके बोली आजा मेरे बेटे तेरी रंडी तैयार है।

मैं रीमा की तरफ गया और और अपने हाथ उसकी बगल से नीचे डाल कर उसके कमर के चारो और लपेट लिये। और उसके गले पर एक किस कर दिया। जिसकी वजह से उसने एक बडी सिसकी ली। चुम्बन लेने के बाद मेरी नजर उसकी छाती से लटकती ब्रा मैं फंसी चूचीयो पर गयी। ब्लाउस निकल जाने के बाद उसकी चूचीयाँ का और भी ज्यादा भाग नंगा हो गया था। और उपर से उसकी भारी भारी चूचीयाँ और जहाँ वो आपस मैं मिलती है उनके बीच की खायी को देख कर मेरा लंड ने फिर से रस बहाना शुरू कर दिया जबकी थोडी देर पहले ही रीमा ने मेरा सारा रस पोछ दिया था। तभी मेरी नजर उसकी ब्रा के अग्र भाग पर गयी जहाँ से उसकी घुडियाँ ब्रा से बाहर निकल कर झाँक रही थी।

यह देखकर पहले तो मैं हैरान रह गया फिर मैंने सोचा ओह इसका मतलब है रीमा ने ऐसी ब्रा पहन रखी है जिस मैं घुडियो कि जगह पर छेद है। यही कारण है कि जब मैं उसके मम्मो पर ब्लाउस के उपर से हाथ फेर रहा था तो मुझे उसकी घुडीयो का अहसास हुआ था। इस तरह से उपर से उसकी चुचीयो का नजारा बहुत ही आकर्षक था। ये नजारा देख कर मेरे मुँह से लार टपक पडी। और मन किया की जा कर उसकी घुडियो को चूस कर उनका सारा रस निचोड लूँ। रीमा ने मुझे उसकी चूचीयो को घूरते हुये देख लिया था उसने कहा क्या हुआ बेटा कैसी लगी मेरी चूचीयाँ बढीया है ना। मैंने कहा हाँ माँ इनको मैं आगे से देखना चाहता हूँ। रीमा ने कहा तो देख ले बेटा मैं मना थोडी न कर रही हूँ। मैंने तो तुझे बुलाया ही अपना नंगा बदन दिखाने के लिये है। ताकी तेरा लंड मेरा नंगा बदन देखकर मस्त खडा हो जाये और तू इस लम्बे लंड से मुझे चोद कर अपने लंड के साथ कुछ न्याय कर सके।

अगर तू मेरा सगा बेटा होता तो जाने कबका मैंने तेरा लंड अपनी चूत मैं लील लिया होता चल अब देर मत कर और आजा सामने और देख ले अपनी माँ के मम्मे और जल्दी से जल्दी मुझे चोद कर मादरचोद बन जा। रीमा की बात सुनकर मुझमे फिर से जोश आ गया और मैं उसके कंधे पर एक बार और किस कर के उसके सामने आ गया। उसकी और पहली बार मैंने अपनी नजर उसके

ब्रा मे कैद मम्मो पर दोडायी। उसकी ब्रा काले रंग की थी। और उसके हुक आगे से लगते थे। नीचे का सट्रेप करीब २ इन्च चौडा था। और कप कुछ इस तरह से थे के उसके हरेक मम्मा दोनो तरफ़ इस १/४ से ज्यादा नंगा था।ब्रा का कप तिकोने आकार का था। और नीचे से चौडा था और उपर जा कर ब्रा के कंधे वाले सट्रेप से मिलता था। कंधे वाला सट्रेप करीब १/२ इन्च चौडा था। और ब्रा मे जहाँ पर घुडियाँ होती है वहाँ पर एक बडा से छेद था। छेद इतना बडा था की उसमे से उसकी घुडियाँ और उसके चारो और बना गोला साफ देखायी दे रहा थे। उस गोले के किनारो को काले रंग के धागे के साथ सिला गया था। जिससे की वह फट ना जाये। उसकी घुडीयों का रंग गहरे भूरे रंग का था और घुडी के चारो और के गोले का रंग गोले के किनारे पर थोडा हल्का था। उसकी ब्रा से बाहर झाँकती घुडीयाँ किसी को भी पागल कर सकती थी तो मै क्या चीज था।

उसकी घुडीयाँ मस्त होकर पूरी कडी हो गयी थी। और उसकी ब्रा से बडे गर्व के साथ बाहर झाँक रही थी। ओह माँ तुम्हारे मम्मे तो गजब के मस्त है। और क्या बोलू इनके बारे मे। तुमने तो ब्रा भी ऐसी सेक्सी चुनी है कि क्या बताउ। तुम्हारी ब्रा से छेद से झाँकती घुडीयाँ ने मुझे पागल कर दिया है। माँ मैं तुम्हारी चूचीयो को प्यार करना चाहता हूँ। उनको चुसना चाहता हूँ उनका रस पीना चाहता हूँ। इस पर रीमा बोली बेटा तू भी साला कुत्ते का कुता है रहेगा जहाँ हड्डी देखी नही लगी लार टपकने। इसपर मैंने कहा हाँ माँ मैं कुत्ता हूँ तुम्हारा पालतू कुत्ता प्लीज माँ इस कुत्ते को हड्डी दे दो माँ तुम्हारा ये कुत्ता तुम्हारी चूची रुपी हड्डी का भूखा है माँ।

इस पर रीमा ने कहा थीक है तो फिर चल एक कुत्ते की तरह जीभ निकाल और आजा अपनी माँ के पास। तुझे हड्डी चाहिये तेरी माँ देगी तेरी को हड्डी। चुस ले मेरे मम्मे निकाल ने इनका रस मेरे लाल आजा। मेरे पास। रीमा की बात सुनकर मैंने अपनी जीभ बिल्कुल एक कुत्ते की तरह बाहर निकाल ली और और रीमा के पास पहुँच गया। रीमा ने अपने दोनो हाथ अपनी चूचीयो के नीचे रखे और उनको और उभरते हुये बोली आजा बेटा ले कर ले प्यार अपनी माँ की चूचीयो के साथ। उसका इसतरह से हाथ रख कर अपनी चूचीयो को मेरे को चाटने के लिये देना ऐसा लग रहा था कि जैसे प्लेट मै सजा कर मुझको

फल चूसने के लिये दे रही हो। मैं भी बडा उत्तेजित था बस टूट पडा उसकी चूचीयो पर।

सबसे पहले मैंने रीमा की घुडीयों को किस किया। घुडीयाँ मेरे होठो पर किसी तीर के नोक की तरह चुभ रही थी। किस करने के बाद मैने उसकी चूचीयो के नंगे भाग की और ध्यान देना शुरू किया। और उसके नंगे हिस्से पर किस करना शुरु किया। पहले बाँयी चूची को किस कर किया फिर दाँयी चूची पर किस किया थोडी देर तक मैं ऐसे ही किस करता रहा। रीमा को शायद अपनी चूचीयो कर किस करवाने मे मजा आता था। क्योकी जैसे जैसे मेरे चुम्बन बढते गये उसके मुँह से आह ओह सी सी कि आवाजे निकलनी शुरू हो गयी। पर अभी भी मैंने उसकी चूचीयाँ अपने हाथ मे पकड कर नही देखी थी क्योकी मेरा उनको मसलने का बहुत मन था पर उनको पूरी नंगी कर के ही मैं उनकी कडायी पता करना चाहता था।

अच्छी तरह से उसके मम्मो को चूमने के बाद मैंने उसके मम्मो को अपनी जीभ से चाटने लगा उसके मम्मो के नंगे हिस्से पर जीभ घुमाना मुझे बडा अच्छा लग रहा था। उसकी मस्ती भी बढ गयी थी और वह बडबडा रही थी। चाट साले चाट गाँडू कही का चाट अपनी माँ कि चूचीयाँ साले तेरे को क्यो शर्म नही हैं माँ के लोडे चाट ले इनको साली बडा दुखी करती हैं मुझे खा जा इनको भोसडीके ये तो तेरे लिये मिठायी है रे खा जा माँ के लाल हाय क्या चुसता है। मैंने चाटते हुये पूछा बडा चिल्ला रही हो माँ मजा आ रहा है। रीमा बोली हाँ बेटा तुझे पता है बेटा चुचीयाँ चूत का सुईच होती है। इनको जितना चुसो और मसलो के उतना ही चूत रस बहाती है। इनको चुसने और मसलने से कोई भी औरत अपनी टाँगे खोल कर चूत चुदाने को तैयार हो जाये।

रीमा का चुदायी ज्ञान सुनकर मैं और भी जोर शोर से उसकी चूचीयो को चुसने मैं चुट गया और बीच बीच मैं उसकी घुडियाँ अपने मुँह मे लेकर चुस लेता था। और मैं करीब १५ मिनट तक उसकी चूचीयो को चाटने और चूसने के मजे लेता रहा। और चाट चाट कर उसकी चूचीयो को पूरा गिला कर दिया। इस बीच रीमा ने भी गालियाँ बक बक मेरा बहुत उत्साह बढाया। जब अच्छी तरह से चाट कर

मैंने उसके मम्मो को छोडा तो रीमा बोली बेटा तूने तो फिर से मेरी चूत को गिला कर दिया मेरे राजा। अभी तो तुने मुझे झडाया था मेरी जान और अब फिर से मेरे अंदर झडने की चाह भर दी। मैंने कहा माँ तो तुम फिर से खेल लो अपनी चूत से जब तक मैं तुम्हारे मम्मो को प्यार करता हूँ। रीमा बोली नही बेटा अब तो मेरा पेटीकोट उतार कर ही मेरी चूत हो पैन्टी के उपर से चाट कर मुझे मजा देना समझा।

मैने कहा ओह माँ तुम कितनी अच्छी हो तुमको अपना वादा याद है अपनी चूत पैन्टी मे से चटाने का। रीमा बोली और क्या बेटा ऐसे कैसे भूल सकती हूँ वादा वैसे भी इसमे तो मेरे को ही मजा मिलने वाला है और तुम से मम्मे चटावा कर तो सोच रही हूँ कि अच्छा हुआ कि मैंने हाँ कह दी। नही तो झडने के लिये जाने कितनी देर तक इंतजार करना पडता। पर मेरे लंड की हालत बहुत बुरी हो रही थी। वह रह रह कर झटके मार देता था जैसे कहा या तो मुझे झडा तो नही तो मैं खुद ही झड जाउगाँ जिस से तुमको बिल्कुल भी मजा नही मिलेगा। फिर रीमा ने कहा आजा मेरे राजा बेटा तूने माँ के मम्मो का मजा ले लिया अब पेटीकोट उतार कर मेरी चूत चाट जल्दी से। मे मरी जा रही हूँ मेरी पैन्टी मेरे रस से पूरी भीग गयी है।

माँ की आज्ञा सुनकर मैं बोला माँ ठीक है उतार देता हूँ तेरा पेटीकोट पर चूत तो मैं पेटीकोट को प्यार करने के बाद ही चाटूगाँ। रीमा बोली थीक है थीक अब लग जा काम पर। रीमा मेरे सामने खडी थी। और मै उसके सामने घुटनो के बल बैठ गया अब उसके पेटीकोट का नाडा बिल्कुल मेरी आँखो के सामने था। मेने एक बार रीमा की तरफ नजर उठा के देख जैसे पूछ रहा हूँ उतार दुँ रीमा ने मेरी तरफ देखकर अपना सिर हिला दिया। फिर मैंने अपने हाथ आगे बढा कर उसके पेटीकोट का नाडा पकड लिया। और फिर आगे बढ कर उसकी पैन्टी पर एक किस लिया और नाडे के दोनो छोर पकड लिये। अब बस मै उसकी चूत का घूघंट उठाने ही वाला था।

फिर मैंने उसके पेटीकोट का नाडा पकड कर खीच दिया जिससे उसका नाडा खुल गया और पेटीकोट ठीला हो गया। फिर मैंने अपने हाथो से उसके नाडे की

आखरी गाँठ भी खोल दी। अब उसका पेटीकोट खुल चूका था अगर नाडा मेरे हाथ मे नही होता तो जाने कब का पेटीकोट फर्श पर होता। फिर मैंने रीमा की तरफ देखते हुये रीमा के पेटीकोट का नाडा छोड दिया। नाडा छोडते ही उसका पेटीकोट उसका पेटीकोट कमर से सरक कर जमीन पर गिर पडा। और मेरे सामने दुनिया का सबसे सेक्सी नजारा आ गया। मेरे सामने मेरी रीमा मेरी माँ सिर्फ ब्रा पैन्टी मै खडी थी। जिसमे उसके चूचीयाँ मेरे थूक से पूरी तरह गीली थी तथा उसकी पैन्टी उसके रस से गीली होने की वजह से उसकी चूत से चिपक गयी थी।उसकी चुत से चिपकी होने के कारण चूत होने का अहसास उससे हो रहा था। मै अभी भी नीचे बैठा था। रीमा ने पीछे हट कर अपने पैर पेटीकोट से निकाल लिये और बोली ले बेटा मैंने अपने पैर पेटीकोट से निकाल लिये है अब तू जल्दी से इससे प्यार कर ले फिर मेरी चूत चाट मैं मरी जा रही हूँ बेटा तेरी जीभ को अपनी चूत पर महसूस करने के लिये। रीमा मेरे सामने ब्रा पैन्टी और उची ऐडी के सैंडल मे खडी थी। इस समय मुझे वह दुनिया की सबसे खूबसूरत औरत लग रही थी। गोरा गोर भरापूरा बदन भारी भरकम चुचीयाँ जो उसकी ब्रा को फाड कर उसकी कैद से आजाद होने के लिये बैचेन थी। भारी चुतड और चूत को छुपाती छोटी से पैन्टी।

गोरी गोरी चिकनी माँसल जाँघे। और उनको और भी सेक्सी बनाती उसकी उँची ऐडी की सैंडल पूरी कयामत लग रही थी रीमा। रीमा बोली ऐसे क्या देख रहा है बेटा जल्दी से मेरे पेटीकोट को प्यार कर ले फिर मेरी चूत चाटना बेटा। मैंने कहा माँ तुम पलट जाओ पहले मैं तुम्हारे चूतड देखना चाहता हूँ। रीमा बोली बेटा क्यो तडपाता है माँ को चूतड बाद मैं देख लेना पहले मेरी चूत की प्यास तो कुछ कम कर दे। पर मैं तो उसके चूतड देखे बिना और कुछ करने के मूड मैं नही था मैंने कहा माँ नही पहले तो मैं तुम्हारे चूतड ही देखूगाँ। रीमा बोली तू भी मानेगा नही चल मैं घुमती हूँ तू देख ले चूतड। उसकी बात सुन कर मैं खुश हो गया।

फिर रीमा घूम कर खडी हो गयी और उसके चूतड मेरी आँखो के सामने आ गये। उफ़ क्या चूतड थे उसके चौडे कमर से बाहर को निकले हुये बडे बडे उनको देखते ही मेरे शरीर मे मस्ती की झुरझुरी दौड गयी। और उसकी छोटी

सी पैन्टी उसके चुतडो को छुपाने मे बिल्कुल नाकाम थी और उसके दोनो चुतडो के बीच फंसी हुयी थी। थोडी देर रीमा इसी तरह अपने चूतड मुझे दिखाती रही और मैं उनको निहारता रहा। फिर रीमा पलट गयी और बोली देख लिये मेरे चुतड मेरे बेटे। पर मेरी नजर मैं उसके चूतड ही घूम रहे थे। मेरा लंड आपे से बाहर हुआ जा रहा था मुझे लगा की अगर यही हाल रहा तो मैं अभी झड जाउँगा।

अब मेरा रुकना बिल्कुल मुश्किल था। येहे सोच कर मैंने अपनी आँखे बंद कर ली और अपने ऑफिस के काम के बारे मे सोचने लगा जिस से मेरा ध्यान बट जाये और मैं झडने से बच जाँऊ। रीमा मेरे को इस हालत मे देख कर बोली क्या हुआ बेटे अपनी आँखे क्यो बंद कर ली। मैंने कहा माँ अगर मैं ऐसे ही तुम्को देखता रहा और प्यार करता रहा तो अभी झड जाउँगा इसी लिये आँखे बंद कर के उनसे ध्यान हटाने की कोशिश कर रहा हूँ। रीमा बोली ठीक है मैं तेरी इसमे मदद करती हूँ अपने बदन पर अपनी साडी डाल लेती हूँ जिससे तुम मुझे नंगा ना देख सको। फिर थोडी देर बाद बोली लो बेटा मैने साडी डाल ली अब अपनी आँखे खोल सकते हो।

मैने अपनी आँखे खोल ली रीमा ने अपने पूरे बदन पर साडी लपेट ली थी और मेरे सामने खडी थी और मैं घूटनो के बल बैठा था। मैने कहा माँ इसतरह तो हम प्यार नही कर पायेगे तुम मेरा लंड चूस कर झडा दो फिर आगे प्यार करेगे। रीमा बोली नही तुमको अभी नही झडना है। मेरे पास एक दुसरा उपाय है उससे जब तक तुम नही चाहोगे तब तक नही झडोगे। मैंने कहा ऐसा कौन सा उपाय है माँ ऐसे उपाय के लिये तो मैं तैयार हूँ। रीमा बोली अगर तुमको मंजूर है तो मैं वह उपाय करती हूँ सोच लो हो सकता है तुमको यह उपाय पंसन्द ना आये। मैंने कहा माँ अगर तुम समझती हो की इस उपाय से मैं नही झडुँगा और हम दोनो पुरी मस्ती के साथ चुदायी का मजा ले सकेंगे तो फिर चाहे कितना भी मुश्किल हो मैं तैयार हूँ।

रीमा मुस्कुरायी और आगे बढ कर मेरे माथे पर किस कर लिया। फिर उसने अपना पेटीकोट उठाया और उसका नाडा खीच कर निकाल दिया और बोली बेटा

मैं तुम्हारे लंड पर जहाँ ये तुम्हारे बदन पर जुडा है अपने पेटीकोट का नाडा बाँध दूँगी और तेरी इन लंड की बॉल को भी नाडे से कस कर बाँध दुँगी जिससे इनका रस कितना भी उबाल मारेगा पर लंड से बाहर नही निकल पायेगा इस तरह से तु मेरा साथ जो चाहे कर सकता है बिना अपने झडने के डर से। फिर तू मुझे जितनी देर जाहे चोद सकता है। मुझे पता है इसमे तेरे लंड को थोडा दर्द होगा क्योकि मैं बहुत कस के बाँधुगी पर बाद मैं तुझको मजा भी आयेगा बोल बेटा कैसा लगा मेरा उपाय।

मैं बोला बहुत ही अच्छा उपाय है माँ और तुम्हारे इस मस्ताने बदन के लिये यह दर्द कुछ भी नही है माँ मैं तैयार हूँ। फिर रीम मेर सामने घुटनो के बल खडी हो गयी और बोली बेटा तू खडा हो जा जिस से मुझके नाडा बाँधने मे आसानी होगी। मैंने कहा थीक है माँ और मैं उठ कर खडा हो गया मेरा लंड रीमा के मुँह के सामने जबरदस्त खडा होकर झूल रहा था। उसने बिना मेरा लंड छुये हुये नाडा मेरे लंड के बेस पर रखा और फिर एक गांठ कस कर लगा दी। इसतरह से कस के नाडा बाँधने से मेरे अंदर दर्द की एक लहर दौड गयी। फिर उसने मेरे लंड के ईर्दगिर्द दो चार और लपेटे घुमा कर नाडे के एक हिस्से को मेरे बॉल के बेस के चारो और घुमाया तथा दुसरे सिरे को मेरे दोनो बॉल के बीच मे से ले जाकर पहले एक बाल के चारो और फिर दुसरी बाल के चारो और कस के लपेट कर नाडे के दुसरे हिस्से के साथ पूरी ताकत लगा कर कस कर बाँध दिया।

फिर अच्छी तरह से मेरे मेरे लंड पर नाडा बाँध लेने के बाद रीमा ने मेरे लंड के सुपाडे को कस कर चूम लिया और बोली मेरे प्यारे बेटे का प्यारा लौडा। यह कह कर रीमा खडी हो गयी और बोली लो बेटा मैंने अपना काम कर दिया अब तुम्हारा लंड नही झडेगा। फिर मैंने रीमा का मुँह अपने हाथो मे लेकर उसके होठो को चूम लिया। रीमा बोली बेटा अब देर मत कर जल्दी से प्यार कर मेरे पेटीकोट को फिर मेरी चूत चूस ले बेटा। ऐसा कह कर मैं फिर घुटनो के बल नीचे बैठ गया और रीमा का पेटीकोट उठा लिया और रीमा के तरफ देखा। रीमा ने अभी भी साडी अपने चारो और लपेट रखी थी। मैंने रीमा से कहा माँ अब

तुम अपनि साडी उतार दो इसतरह अपने मस्ताने बदन को साडी मे छुपाने कि अब कोई जरुरत नही है। रीमा मुस्कुरायी और अपनी साडी उतार कर फैंक दी।

फिर मैंने पेटीकोट उठाया और उसको प्यार करने मे जुट गया। सबसे पहले उसको पुरा गहरी साँस लेकर सुंघा और उसकी चूत गाँड और चुतड की मिली जुली गंध का सेवन किया। वह गंध इतनी मस्तानी थी की अगर रीमा ने नाडा नही बांधा होता तो मैं पक्का से झड जाता। थोडी देर पेटीकोट को सुघंने के बाद मैने उसको चुमना और चाटना शुरु कर दिया और १० मिनट मै पेटीकोट का भी वही हाल किया जो ब्लाउस का किया था पेटीकोट भी मेरे थूक से गिला हो गया था। फिर मैंने पेटीकोट रीमा को दे दिया। रीमा बोली बेटा अब तुमने मेरे पेटीकोट को चूम चाट कर प्यार कर लिया अब आओ बेटा मेरी चूत चाट कर मेरी मस्ती झडा दो देखो इसने भी रस बहा बहा कर मेरी पैन्टी को कितना गीला कर दिया है।
मैंने कहा माँ तुम्हारी चूत चाट के झडाने से पहले मैं तुम्हारा शुक्रिया अदा करना चाहता हूँ। तुमने जो मेरे लंड को अपने पेटीकोट के नाडे के साथ बाँध दिया है उसकी वजह से मैं जब तक चाँहू तब तक बिना झडे तुम्हारा मजा ले सकता हूँ। तुम्हारे इस काम के लिये मैं पहले तुम्हारे चुतडो और गाँड के छेद पर किस करना चाहता हूँ। मेरी बात सुनकर रीमा ने आश्चर्य से अपने हाथ अपने मुँह पर रख लिये और बोली। ओह मेरे राजा तू ये क्या कह रहा है। मेर पूरा बदन तो मस्ती मै भर गया है बेटा। आज से पहले कई लोगो ने मेरे चूतडो का चुम्बन लिया है। पर किसी ने भी मेरी गाँड के छेद के साथ नही खेला। तुम पहले मर्द हो जो यह करना चाहता है।

इसपर मैंने कहा माँ अगर ऐसी ही बात है तो मैं तुम्हारी गाँड को बहुत प्यार करुगाँ अपने मुँह से पर तुम्हारी चूत को अच्छी तरह से चुसने के बाद अभी सिर्फ एक किस करुगाँ। रीमा ने आगे बढ कर मुझे गले लगा लिया उसके घुडियाँ मेरी छाती से रगड खाने लगी। और बोली बेटा मैं बहुत खुश हूँ आज मैं जाने कब से अपनी गाँड किसी मर्द से चटवाना चाहती थी। औरतो ने तो मेरी गाँड चाटी है पर किसी मर्द ने आज तक नही। तुम आज मेरा यह सपना पूरा कर सकते हो। पर बेटा मैं तुमसे गाँड चटाउँगी पर अभी नही तुम से एक बार

अच्छी तरह से चुदाने के बाद इत्मिनान से जिस से तुम अपना सारा ध्यान मेरी गाँड चाटने मे लगा सको मैंने कहा थीक है माँ जैसी तुम्हारी मर्जी।

फिर रीमा मेरे गाल पर किस करके अलग हो गयी और पलट कर खडी हो गयी। और रीमा का सबसे सुन्दर सबसे मस्त अंग मेरे सामने था उसके चूतड और उनके बीच फंसी उसकी पैन्टी। मैंने आगे बढ कर पहले उसके बाँये चूतड पर फिर उसके दाँये चूतड पर किस किया। फिर मैं रीमा से बोला माँ अब तुम अपने हाथो से पकड कर अपने चूतडो को फैलाओ जिस से मैं तुम्हारी गाँड पर किस कर सकूँ। रीमा बोली बेटा मैं फैलाती हूँ अपनी गाँड पर तू मेरे पैन्टी के उपर से ही किस करना पैन्टी उतार कर बाद मे मैं तुमसे किस कराउँगी। मैंने कहा थीक है माँ।

फिर रीमा ने थोडा सा आगे झुक कर अपने दोनो चूतड पकड लिये और बोली बेटा तैयार है। मैने कहा हाँ माँ। फिर रीमा ने अपने चूतड खीच कर फैला लिये। उसकी पैन्टी उसकी गाँड की दरार मैं और घुस गयी। मुझसे बिल्कुल भी नही रुका गया और मैंने आगे बढ कर जहाँ पर उसकी गाँड होने का मुझे अंदाजा था वहाँ पर मैंने एक गहरा चुम्बन ले लिया। रीमा के मुँह से एक बडी आह निकल गयी। मैंने रीमा से पूछा माँ मैंने थीक जगह पर किस किया था क्या। रीमा बोली हाँ बेटा बिल्कुल गाँड के छेद पर। और तुम्हारे किस करते ही मैं स्वर्ग मैं पहुँच गयी।

फिर रीमा उठ कर खडी हो गयी और बोली अब मैने तुम्हारी सारी इच्छाये पूरी कर दी चलो अब खडे हो जाओ और मेरी चूत चाट कर मेरी मस्ती झडा दो। मैंने कहा थीक है माँ। और मैं उठ कर खडा हो गया रीमा अपने चुतड मटकाती हुयी छोटे वाले सोफे कि तरफ चल दी चलने से पहले उसने पीछे मुड कर देखा और मुस्कुराते हुये अपनी उगली से इशारा करते हुये मुझे अपनी तरफ बुलाया। मैं उसके पीछे चल अपनी आँखो को उसके चूतड पर टिका कर चल दिया। फिर वह सोफे पर जा कर सोफे के एक दम किनारे पर अपने चूतड टिका कर और अपनी पीठ पीछे कर कर सोफे पर सहारा ले कर बैठ गयी।

फिर उसने अपनी एक टाँग उठायी और मेरे लंड पर अपनी उँची ऐडी के सैंडल छुआती हुयी बोली तो तैयार है मेरी चूत की सेवा के लिये। मैंने कहा हाँ माँ। फिर रीमा ने अपनी टाँगे पुरी तरह से चौडी करके फैला ली और उनको सोफे के हथे रख दिया। जिससे उसकी टाँगे चौडी हो गयी और उनको सोफे के गद्देदार हथों पर सहारा भी मिल गया। इस आसन मैं रीमा घंटो तक अपनी चूत चटा सकती थी बिना किसी परेशानी के। रीमा बोली आजा बेटा बहुत देर से मुझको तू तडपा रहा है। अब मेरी बारी है अब मैं तुझको तडपाउँगी तब तुझे पता चलेगा कि माँ के साथ मस्ती करने से क्या होता है समझा। मैंने कहा हाँ माँ।

फिर रीमा बोलि ले तेरी इस रंडी माँ ने अपनी टाँगे खोल दी है और मेरी गीली चूत तैयार है। अब चूस ले इसको और झडा दे मेरा पानी। अब तो जम कर कफी देर तक तेरे से अपनी चूत की सेवा कराउँगी ४-५ बार झडुँगी उसके बाद ही तुझे कुछ करने दूँगी समझा और खबरदा जो तूने अपने लंड को छुने की भई कोशिश की। अगर मैंने तुमको अपने लंड से खेलते हुये देख लिया तो फिर आज तो तुम झडने के बारे मे भूल ही जाओ। ना आज पुरे दिन तुम्हारे लंड पर से नाडा खुलेगा ना तुम झडोगे समझे। अपना सारा ध्यान मेरी चूत और उसमे से निकलने वाले रस पर लगा समझ गया रंडी की औलाद। उसकी बात सुनकर बदन मे झुरझुरी दौड गयी। उसनी यह बात बहुत ही सिरयस होकर कही थी।

बिना झडे एक दिन तक अपने लंड को इस तरह से नाडे मे बधे रहने की बात सुनकर मैं बहुत घबरा गया और मैंने सोच लिया की सब कुछ भूल कर रीमा की चूत को चाटने की तरफ ध्यान दूगाँ। मैंने कहा ठीक है माँ मैं अपने लंड को बिल्कुल भी नही छुउँगा। सुनकर रीमा जोर से चिल्लायी तो आजा फिर सले खडा खडा देख क्या रहा है मेरी खुली चूत निमंत्रण दे रही चुस अब इसको। उसकी बात सुनकर मैं घुटनो के बल नीचे बैठ गया। उसकी रस से भीगी गिली चूत पैन्टी से ढकी हुयी मेरे सामने थी। सबसे पहले मैंने उसकी जाँघो पर हाथ रख कर उसकी चूत पर एक गहरा चुम्बन दिया। और फिर उसकी जाँघो पर धीरे धीरे हाथ फेरते हुये उसकी पैन्टी पर चारो तरफ गहरे चुम्बन देता रहा।

रीमा ने अपना सर पीछे करके सोफे पर रख दिया और आँखे बंद करके मेरे चुम्बनो का मजा लेती रही उसके मुँह से हल्की हल्की करहाने की आवाजे आ रही थी। थोडी देर उसकी चूत के चुम्बन लेने के बाद मैंने उसकी चूत को निहारने का निश्चय किया। फिर मैंने अपने हाथ के उगली उसकी पैन्टी के किनारे फिराने लगा और उसकी चूत निहारने लगा बीच बीच मे मैं उसकी चूत कि किस करता जा रहा था जिस से उसको ये ना लगा के मैं अपनी आँखे सेक रहा हूँ। उसकी चूत उसकी काली पैन्टी मैं पुरी तरह से ढकी हुयी थी पर उसकी पैन्टी से काफी बाल बाहर निकल रहे थे इसका मतलब उसने अपनी झाँटे नही काटी थी। और उसकी पैन्टी इतनी ज्यादा गिली हो चूकी थी कि उसकी चूत की आउट लाईन पैन्टी मे से पता की जा सकती थी।

उसकी चूत से इतना रस बह चुका था की उसकी जाँघो भी उसके चूत रस मे भीग गयी थी और चूत रस की बूंदे आसानी से उसकी जाँघो पर देखी जा सकती थी। उसकी इसहालत को देख कर मैंने सोचा रीमा सही मैं बहुत तडपी है चूत चटाने के लिये अब उसकी इस इच्छा को पूरा कर ही देना चाहिये। यह सोच कर सबसे पहले मैंने उसकी पैन्टी के चारो और निकल आये उसके रस को पीना उचित समझा। फिर मैंने अपने हाथो से उसकी जाँघो पर लगा कर उनको और चौडा कर दिया। फिर अपनी जीभ निकाल कर उसकी पैन्टी के चारो और का रस चाटना शुरु कर दिया।रीमा तो किसी और ही दुनिया मे थी और आराम से लेट कर चूत चटवाने का माजा लेने के फिराक मे थी। इस लिये जैसे ही मैंने उसकी पैन्टी के चारो और का रस को चाटना शुरु किया तो बोली हाय रे जालिम अभी भी मुझे तडपा रहा है। चाट ले कुत्ते मेरा रस पी माँ के लोडे चाट चल पहले मेरा रस मेरी जाँघो से ही चाट मैं भी देख तुझसे पुरा बदला लुँगी तू देखता जा। हाय से क्या मस्त चलाता है तू अपनी जीभ मेरी जाँघ पर चाट और चाट। फिर थोडी देर मे मैंने उसकी पैन्टी के आस पास का सारा रस पी लिया। सारा रस पीने के बाद मैंने मैंने उसकी पैन्टी की और कूच किया सबसे पहले अपनी जीभ निकाल कर उसकी पैन्टी को चाटना शुरु कर दिया जैसे मैं कई दिनो का भूखा हूँ।

जैसे से ही मैंने पैन्टी के उपर अपनी जीभ चलानी शरु की रीमा ने मस्ती मैं करहाना शुरु कर दिया और और उसके मुँह से आह ओह की आवाजे आनी शुरु हो गयी। थौडी देर उसकी पैन्टी इसी तरह से चाटने के बाद मैंने अपनी जीभ से नोक बना कर पैन्टी के उपर से चूत की लकीर पर जीभ फिरानी शुरु कर दी उपर से नीचे और नीचे से उपर। इस तरह करने से मैं अपनी जीभ को एक बार ज्यादा उपर ले गया। जिससे रीमा एक दम से उछल पडी और बोली हाय से मार डाला मेरे राजा ओह मेरे चूत के दाने पर क्या रगडी है अपनी जीभ और रगडो मेरे लाल और रगडो इसी तरह। फिर मैंने अपनी जीभ पर और दवाब देकर जोर जोर से उपर से नीचे तक रगडना शुरू कर दिया। मेरी इस हरकत से रीमा और मस्ता गयी।

उसकी मस्ती मेरे चूत चाटने से बढती जा रही थी। फिर रीमा अपने सर को इधर उधर पटकने लगी और जोर जोर से चिलाने लगी। ओह हाय से सी सी sssssssss उम्हहह ssssssss मार डाला रे क्या मस्त चूसता है रे तू कहाँ से ट्रेनिग ली है रे तूने बहनचोद चला चला ऐसे ही और जोर जोर से हाँ ऐसे हि मेरे रज्जा तेरे पर वारी जाऊँ ओहहह sssss हाँ रे सिर्फ जीभ मत चला मेरे राजा मेरी चूत को चूस भी हाय से क्या मस्त मर्द मिला है इतने दिनो बाद आज जम कर मजा लूगी। बडा ही प्यार है रे तू माँ का कितना ख्याल रख रहा है रे उम्म्म्म sssss। उस्की बात सुनकर मैंने भी उसकी चूत पर जीभ फिराते फिराते बीच बीच मे उसकी पैन्टी को चाट भी लेता था। जिससे जीभ चलाने से जो रस बाहर निकलता था चाटने से वह मेरे मुँह मे चाला जाता था और मैं अपनी जीभ को अपने मुँह मे रोल करके उसके रस का मजा लेता था।

फिर करीब १० मिनट तक मैं उसकी चूत पर इसी तरह जीभ फिराता रहा और चाटता रहा। इस तरह से करने से उसको मजा तो बहुत आ रहा था पर उसको झडने मे बहुत समय लग रहा था और इस वजह से उसकी हालत बहुत खराब हो रही थी। मेरा लंड भी मस्ती चाहता था पर मुझे पता था श्याद उसको तो काफी देर इंतजार करना पडे। फिर मैंने उसकी देखकर उसकी पैन्टी को उस जगह पर जहाँ पर उसके चूत का दाना था जोर से मुँह मे भर कर चूसना शुरु कर दिया। शायद मेरा निशाना सही जगह पर पडा था और उसकी चूत का दाना

मेरे मुँह मे आ गया था। मेरे इस तरह से उसकी चूत का दाना चूसने से रीमा तो बिल्कुल पागल हो गयी।

ओह हाँ मेरे बेटे चूस चूस मेरी चूत के दाने को हाँ बेटा ओहsss और जोर से चूस ले बेटा यही तो तेरी माँ के मजे का सोत्र है। इसी से तो तेरी माँ को मजा मिलता है। चूस ले बेटा खा जा मेरी चूत का दाना साला बडा परेशान करता है मुझे मेरी नीदं हराम कर दी है इसने रातो को सोने नही देता और बोलता है मुझे मजा दो। चूस चूस जोर से हाँ ऐसे ही। उसकी हालत बहुत खराब थी और अब वह कभी भी झड सकती थी। और वह पागलो की तरह जोर जोर से चिल्ला रही थी। फिर उसने अपनी टाँगी उठा कर मेरे कंधो पर रख दी और मेरा सर पकड कर अपनी चूत पर दबा लिया। और मस्ती मे अपनी टाँगे मेरी पीठ पर पटकने लगी जिससे उसकी ऊँची ऐडी की सैंडल मेरी पीठ पर जोर जोर से लग रही थी और थोडा दर्द भी हो रहा था।

पर मैं पुरे जोश से उसकी चूत चाटने मे जुटा हुआ था मेरा लंड पर नाडा बंधा था पीठ पर उसकी सैंडलो कि मार पड रही थी और मेरा लंड और पीठ दोनो दर्द कर रहे थे। पर इस दर्द मे भी उसकी चूत चाटने से मेरी मस्ती बढती जा रही थी। अब मैं भी रीमा को झडा देना चहाता था। यह सोच कर मैंने उसकी चूत के उपरी भाग को मुँह मे भरा और अपने दाँतो के बीच दबा लिया। मेरे दाँतो के बीच उसकी चूत का दाना आ गया और रीमा एक दम दर्द और मस्ती मे फडफडा उठी। और उसके मुँह से एक जोरदार चीख निकल गयी और बोली हाय रे मार डाला जालिम मै गयी मेरा पानी छुट रहा है रे क्या मस्त काटा रे मेरे लाल। झड गयी ओह उसके पुरे शरीर मे कपकपी छुट गयी थी।

फिर उसने अपने चूतड को उछाल कर उसने और मेरे मुँह से सटा दिया और मेरे सर के बाल पकड कर कस कर मेरे मुँह को अपनी चूत पर दबा लिया। और मेरे सिर को अपनी गोरी गोरी माँसल जाँघो मे दबा लिया। मेरा गले से उपर का हिस्सा पूरी तरह से उसकी कैद मे आ गया। मुझे ऐसा लग रहा था की मेरा दम ही घुट जायेगा। रीमा बहुत जोर से झड रही थी। उसकी चूत से पानी निकल कर उसकी पैन्टी को भीगो रहा था। और उस पानी को मैं पी रहा

था। रीमा अपनी आँखे बंद करके झडने का मजा ले रही थी। और फिर हम दोनो थोडी देर तक ऐसे ही पडे रहे और मैं उसकी चूत का रस पीता रहा। थोडी देर बाद जब वह पूरी तरह से शांत हुयी और धीरे धीरे उसने अपनी टाँगो कि पकड ठीली कर दी। तब जाकर मुझे कुछ साँस आया।

फिर हम काफी देर तक इसी तरह से पडे रहे और हम मे से कोई भी कुछ नही बोला। रीमा की चूत से सारा रस निकल चुका था और उसको मे पैन्टी के जरिये पी गया था। जब वह पूरी तरह से शान्त हो गयी तो उसने अपन मुँह उठाया और मेरे तरफ़ देख कर बोली हाय रे मेरे लाल क्या कमाल है तेरे मुँह मे क्या मस्त झडाया है तुने मैं तो पुरी निहाल हो गयी रे। बहुत मजा आया रे जालिम तुझे मजा आया बेटा ये तेरी पहली चूत चटायी थी न। मैंने कहा हाँ माँ मुझे मजा आया तुम्हारी चूत का रस तो शरबत है माँ बडा मजा आया इसको पीने मे। इस पर रीमा ने कहा हाँ बेटा अभी तो बहुत शरबत बचा है मेरी चूत मे तेरे लिये चिंता मत कर अच्छी तरह से तुझको खूब शरबत पिलाऊँगी।

फिर रीमा बोली बेटा सच सच बता अगर तुझे मजा आ रहा है ना मेरे साथ। मैंने कहा हाँ माँ। अगर मैं तुझसे पूछूँ अभी कि अगर तू मेरी चूत फिर से चाटेगा कि मुझे चोद कर चूत कर मजा लेगा तो बता तू क्या पंसन्द करेगा। मैंने कहा मेरी प्यारी चुदक्कड माँ मैं तुम्हारी चूत चूस कर तुमको मजा देना पंसन्द करूँगा। मेरे बात सुनकर रीमा बहुत खुश हुयी और मेरे माथे पर किस कर लिया जैसे एक माँ प्यार से अपने बेटे का चुम्बन लेती है। फिर बोली बेटा मैं बहुत खुश हूँ कि तुमने अपने मजे से ज्यादा मेरे मजे के बारे मे सोचा। ठीक हैं आज एक ही बार मैं चूत चटा कर छोड देती हूँ पर अगली बार पूरी तरह से कई आसन मे चूत चटा कर पूरा मजा लूँगी।

मैं अभी भी उसकी टाँगो के बीच बैठा था। रीमा ने कहा मेरे राजा बेटे चल अब मेरे बाकी के कपडे उतार कर मुझको पूरा नंगा कर दे। और अपने धैर्य का इनाम यानी के मेरा नंगे बदन का भोग कर ले बेटा। फिर मैं उठ कर खडा हो गया और रीमा भी मेरे सामने उठ कर खडी हो गयी और बोली ले बेटा उतार दे मेरे कपडे कर दे मुझे नंगा। मैंने आगे बढ कर उसके मम्मो की दोनो घूडीयो

को एक एक चुम्बन दिया फिर उसके पीछे चला गया और उसकी बाँहो के नीचे से हाथ डाल कर उसके ब्रा के हुक पकडने की कोशिश करने लगा। इस पर रीमा बोली बेटा तू बडा ही शैतान है। मेरे मम्मो को महसूस करने के लिये और अपना लंड मेरी टाँगो से भिडा कर उससे मजा लेने के लिये पीछे से मेरी ब्रा के हुक खोल रहा है। मैं रीमा की बात सुनकर हंस दिया और बोला हाँ माँ। फिर रीमा ने मेरे हाथ पकड कर अपनी ब्रा की हुक पर रख दिये।

बोली ले उतार अब इनको बडे नखरे करता है। मैंने पहले उसका एक हूक फिर दुसरा हुक खोल दिया उसकी ब्रा एक झटके से खुल गयी और उसके कबूतर पिजरे से आजाद हो गये। मैंने ब्रा के दोनो हिस्से पकड कर उसकी ब्रा उतार दी उसने भी अपने हाथ उपर उठा कर मुझे ब्रा उतारने मे सहायता की। ब्रा उतार कर मैंने उसको गहरी साँस लेकर सुघने लगा उसके दोनो कपो को भी सुंघा फिर उन कपो को एक एक किस करके रीमा को वापस दे दिया। उसकी पीठ अभी भी मेरी तरफ थी। रीमा बोली बेटा ब्रा को प्यार करके अपने थूक से गिला नही करेगा क्या। मैंने कहा करूँगा माँ पर अभी नही बाद मे। रीमा ने कहा ठीक है। और उसने ब्रा दूसरे कपडो के पास फेंक दी।

अब वह समय आ गया था जब मैं उसके मम्मो को नाप तोल के देखना चाहता था। उनको दबा कर देखना चहाता था। लेकिन सबसे पहले मैं उसके मम्मो को जी भर के देखना चाहता था। मैंने रीमा से कहा माँ अब तूम पलट कर खडे हो जाओ क्योकी मैं तुमहारे मम्मो को जी भर कर देखना चाहता हूँ। रीमा बोली ठीक है। फिर रीमा ३-४ कदम आगे बढी और फिर पलट कर खडी हो गयी। और मेरी आँखो के सामने रीमा का दूसरा सबसे सुन्दर अंग आ गया। पहला सबसे सुन्दर अंग उसके चूतड और उसकी गाँड का छेद था। उसके भारी भरकम चूचीयाँ मेरे सामने थी। उमर के कारण और इतनी भारी होने के कारण उसकी चूचीयाँ थोडी लटक गयी थी पर देखने मे बहुत ही कडी लगती थी। उसकी घुडीयाँ गहरे भूरे रंग की थी और मस्त होकर खडी थी और करीब १ इन्च लम्बी थी। उसकी घुडीयो के चारो और गहरे भूरे रंग का गोला था और वह काफी बडा था।

मुझे बडे उम्र की औरत की बडी बडी लटकी हुयी चूचीयाँ बहुत अच्छी लगती है। तो मेरे लिये तो उसकी चूचीयाँ वरदान थी। एक मीठा फल थी और मैं उस फल को खाने के लिये बेताब था। फिर मैं आगे बढ कर उसके पास चला गया और रीमा से बोला माँ तुमने अपना ये किमती जेवर इतनी देर तक मुझसे क्यो छुपा कर रखा था। रीमा ने कहा बेटा मैंने थोडी ये जेवर छुपा कर रखा था तुम ही इसकी तरफ नही देख रहे थे। माँ क्या मैं तुम्हारे इन मस्ताने गोरे गोरे बडे बडे बॉल्स को अपने हाथो मे लेकर देख सकता हूँ। हाँ बेटा क्यो नही मेरे इन बॉल्स पर सबसे पहला हक तुम्हारा है क्योकी तुम मेरे बेटे हो मेर लाल हो।

तुम जब चाहे मेरे किसी भी अंग को छू सकते हो पर जिस तरह से तुम पहली बार मेरे अंग को छूने के लिये इज्जात माँग रहे हो मुझे बडा अच्छा लगा। मैं भी यही चाहती थी अपने बेटे से। लेकिन पहली बार समझे आगे से हक से जो चाहे जब चाहे करना समझे मैं कभी भी मना नही करुगी ठीक है बेटा मैंने कहा हाँ माँ। फिर रीमा ने कहा फिर खडा खडा देख क्या रहा है। पकड ले मेरे मम्मे अपने हाथो मे खेल इनके साथ। फिर मेने अपने हाथ सबसे पहले उसकी गोलाईयो पर फिराने शुरु किये। उसकी गोलाईयाँ बहुत ही चिकनी और मुलायम थी। मैंने अपने हाथ उसके दोनो मम्मो के बीच मे रखे और धीरे धीरे उसकी पूरी गोलाईयो के चारो और फिराने लगा।

रीमा मेरे को मस्ती भरी निगाँहो से देख रही थी। उसकी आँखो मे फिर से वासना के डोरे पडने लगे थे। मैं अभी भी उसकी गोलाईयो पर हाथ फेर रहा था जिससे उसकी घुडियाँ मेरी हथेली से टकरा रही थी। उसकी कडी कडी घुडीयाँ मेरी मस्ती और बढा रही थी मेरा लंड तो कब से लौहे की रॉड के तरह खडा था जैसे रीमा सुन्दरता की देवी को सलामी दे रहा हो। फिर मैंने अपने अपने हाथो को उसके मम्मो के नीचे रख दिया और उसके मम्मो को उठा कर उनका वेट पता करना चाहता था। जैसे ही मैंने उसके मम्मो को अपने हाथो से उठाय तो मेरे हाथ उसके मम्मो के भार से नीचे हो गये। रीमा ने यह देख लिया और बोली थोडे भारी है बेटा तुमको पहली बार मे थोडी दिक्कत होगी मैं कुछ मदद करू क्या इनको उठने मे।मैंने कहा हाँ माँ तुम्हारे मम्मे तो बहुत भारी है। तुम्हारा एक एक मम्मा १ किलो से कम नही होगा। रीमा बोली हाँ बेटा इतने

बडे और भारी हैं तभी तो सबकी नजर इन पर रहती। ला बेटा तू पहली बार मम्मो को छू रहा है इसलिये तु इस काम मे थोडा अनाडी है। २-४ बार मेरे मम्मो से खेलेगा तो सीख जायेगा भारी मम्मो को उठाना फिर तेरी माँ है किस लिये तुझे सीखाने के लिये ही तो। मैं कहा तुम ठीक कहती हो माँ। रीमा ने बडे प्यार से मेरी तरफ देखा जैसे एक माँ अपने बटे की तरफ देखती है और कहा बेटा ला इन मोटी मोटी गोलाईयो का भार मुझे दे दे। तेरे अनाडी हाथ इनका बोझ अभी नही उठा सकते। तू पहले देख तेरी ये माँ कैसे इनको उठाती है और कैसे इनको अपने हाथो मे सम्भाल कर रखती जिस देख कर तू भी कुछ दिनो मैं सीख जायेगा की मेरी मस्त गोलाईयो का भार उठाना।

रीमा का इस तरह से मुझे अनाडी कहना पता नही मुझे क्यो अच्छा लगा। और बात भी सही थी रीमा इतने सारे लंडो को अपनी चूत मे लील चूकी थी कि उसे पता था की एक जवान छोकरा पहली बार एक मस्ताने बदन के साथ खेलने मे क्या क्या गलती कर सकता है। और मे अपने आप को बहूत खुशकिसमत समझ रहा था की रीमा से मुझे चुदायी का ज्ञान मिल रहा है। फिर मैंने अपने अपने हाथ रीमा के मम्मो पर से हटा लिये और मेरे हाथ हटाने से उसके मम्मे एक झटके के साथ नीचे गिरे। फिर रीमा बोली ला बेटा मैं तुमको दिखाती हूँ कि मेरी इन बडी बडी गोलाईयो के साथ किस तरह से खेलते हैं। मेरी आँखे तो सिर्फ उसकी चूचीयो पर ही जमी हुयी थी।

फिर रीमा ने अपनी दोनो हथेलियो को एक दम सीधा कर लिया और उनको अपनी चूचीयो की गोलाईयो के बिलकुल नीचे रख लिया और फिर मेरे तरफ देखते हुये अपनी हथेलियो के अपनी गोलाईयो को उपर उठा लिया। जिससे उसकी थोडी लटकी हुयी चूचीयाँ उपर को उठ कर सीधी हो गयी और उनकी घुडीयाँ एक दम तन कर नूकीली होकर मेरे तरफ शरारत भरी नजर से देखने लगी जैसे कह रही हो देखा रीमा ने कितने प्यार से हमको अपनी हथेलियो से सीधा कर दिया। इस समय जिस तरह से रीमा ने अपनी चूचीयो को अपने हाथो से उठा रखा था ऐसा लग रहा था जैसे वह अपनी इस मस्त चूचीयो को थाली मे परोस कर मुझे दे रही है और कह रही हे ले बेटा ये तेरी माँ तेरी जिंदगी का सबसे मस्त खिलौना तेरे लिये लेकर आयी है।

फिर रीमा ने कहा देखा बेटा तेरी माँ ने कैसे इनको अपनी हथेली मे उठा लिया। हाँ माँ देखा अगली बार मैं भी ऐसे ही इनको उठाउगाँ। फिर रीमा ने कहा ले बेटा अब मैं इनको इसी तरह उठा कर रखती हूँ तु मेरी चूचीयो के साथ खेल ले जैसे खेलना चाहता है। मेरे मुँह से उसकी चूचीयो को देख कर लार निकल रही थी। मेरे सामने गोरी गोरी बडी बडी चूचीयाँ थी जिन के साथ खेलने के मैंने कितने सपने देखे थे क्या क्या करने का सोचा था आज मैं वह सब कर सकता था। फिर मैंने उसकी चूचीयो पर अपने हाथ रख दिये और उनपर अपने हाथ फिराने लगा मेरा मन बहुत उनको मसलने का कर रहा था पर सबसे पहले मै उसकी चूचीयो पर हाथ फेर कर उनकी गोलाईयाँ नापना चाहता था।

फिर मैं इसी तरह उसकी चूचीयो के साथ खेलता रहा रीमा फिर से मस्त हो चली थी। और आँखे बंद करा कर अपनी चूचीयो कि मुझसे हाथ फिरवा रही थी। रीमा मस्ती मे बोली बेटा तेरे हाथो मै क्या जादू है तूने तो फिर से मेरे बदन मे मस्ती भर दी। लगता है तुझे मेरी चूचीयाँ पंसन्द आयी है। मैंने कहा हाँ माँ बहुत। मुझे उसके मम्मो पर हाथ फेरते हुये बहुत देर हो गयी थि अब मैं उसके मम्मो को मसल देना चाहता था। रीमा भी अपनी चूचीयो कि कूटायी करना चाहती थी बोली बेटा अब बहुत देर हो गयी इनपर हाथ फेरते हुये अब जरा इनको मसल भी मजा ले पूरा इनको मसल कर पता कर कितनी कडी है मेरे चूचीयाँ।

हाँ तुम ठीक कहती हो माँ मेरा भी मन बहुत कर रहा है इनको मसलने का पर मैं क्या करु इन चूचीयो ने मुझको समोहित कर लिया है और बस मैं इनकी सुन्दरता को ही निहारता जा रहा हूँ। हाँ मैं समझ सकती हूँ बेटा एक तो तूने आज तक चूचीयाँ नही देखी और देखी तो मेरी गोरी बडी भारी चूचीयाँ। मेरी चूचीयाँ देख कर तो अच्छे अच्छे खिलाडियो का होश गुम हो जाता है फिर तुने तो इस विधालय मे अभी दाखिला लिया है। फिर रीमा बोली बेटा अब मुझसे खडा नही हुआ जा रहा है। अब मैं सोफे पर अपनी टाँग फैला कर बैठती हूँ फिर तू मेरी चूचीयो को मसल और प्यार कर। फिर वह पलट कर अपनी कमर

हिलाती हुयी सोफे के पास गयी और पलट कर सोफे पर बैठ गयी और फिर उसने अपनी टाँगे फैला ली।

जब वह चल कर जा रही थी तो उसके हौदे जैसे चूतड हिल रहे थे और उसने अपने हाथ बिल्कुल भी अपनी चूचीयो से नही हटाये थे। इस तरह से बैठने के बाद रीमा ने कहा आ जा बेटा ले मसल ले मेरे मम्मे अब इसतरह से बैठने से मुझे थोडा आसानी होगी अपने मम्मो को पकडने मे। मैं रीमा की तरफ चल दिया मेरा लंड मस्ती मे मेरे चलने से हिल रहा था और अब मुझे नाडे के बंधे होने के कारण हो रहे दर्द की आदत हो गयी थी। फिर मैं रीमा कि जाँघो के बीच जा कर बैठ गया और अपने हाथ उसकी जाँघो पर रखकर फेरते हुये आगे बढ कर उसकी घूडीयो का एक एक चुम्बन लिया। और अपने हाथ उठा कर उसकी चूचीयो पर रख दिय्ये।

आज मैं पहली बार किसी के मम्मो को मसलने जा रहा था। जिसके सपने मैंने देखे थे आज वह पूरा होने जा रहा था। फिर मैंने उसके एक मम्मे को अपने हाथ मे लिया और उसको दबाया। आह कि आवाज रीमा के मुँह से निकल गयी। मेरे बदन मे भी मस्ती कि लहर दौड गयी। उसकी चूची उमर की वजह से ढीली हो गयी थी पर अभी भी काफी कडी और माँसल थी। फिर ऐसा ही मैंने उसके दुसरे मम्मे के साथ किया और फिर दोनो मम्मो पर हाथ रखकर धीरे धीरे उसके मम्मो को मसलने लगा। इसतरह से मैं उसकी चूचीयो को मसलने का मजा लेता रहा रीमा के उपर भी मेरे इसतरह से मम्मो को मसलने का असर हो रहा था। उसके मुँह से हल्की हल्की करहाने की आवाज निकल रही थी।

मुझे उसके मम्मो को इसतरह हल्के हल्के मसलने मै मजा आ रहा था और मै काफी देर से घुटनो के बल बैठ मेरे पैर भी दुख गये थे और अब मैं आराम से बैठ कर उसके मम्मो का मजा लेना चाहता था। यही सोच कर मैंने रीमा से कहा माँ अब मैं आराम से बैठ कर तुम्हारे मम्मो को मसल कर गुंथुगा जिससे इन मस्ताने मम्मो से कुछ रस निकाल सकू बहूत देर हो चूकी है मुझे और मुझे प्यास भी लग रही है। मैं इन मम्मो के रस से अपनी प्यास बुझाना

चाहता हूँ। रीमा बोली थीक है बेटा बता क्या है तेरे मन मे। मैंने कहा माँ अब मैं सोफे पर बैठता हूँ और तुम मेरी गोदी मे बैठ जाओ और अपना एक हाथ मेरी गर्दन मे डाल कर मुझसे मम्मे मसलवाने का मजा लो। जब अच्छी तरह से मसलने के बाद तुम्हारी चूचीयाँ रस से भर जायेगी तब मैं अपने मुँह से इस घुडियो को चूस कर और अपनी जीभ से इन गोलाईयो को चाट कर तुम्हारा रस पीयूगाँ।रीमा बोली ठीक है बेटा जैसा तू बोल वैसे भी इसमे मेरा कुछ काम तो है नही बस मुझे तो आराम से बैठ कर अपने मम्मो को मसलवाना है और उनका जूस निकलवाना है। बाकी काम तो तुझे हि करना है। पर प्यास तो मुझे भी लगी है। तो बैठ जा सोफे पर मैं अपने लिये वाईन लेकर आती हूँ तेरी गोदी मैं तेरा लंड अपने चूतड के नीचे दबा कर बैठुगी और मम्मे मसलवाते हुये वाईन पीयूगी और कभी कभी अपने होठों से तुझे भी पिलाउँगी। और वैसे भी तेरी प्यास तो मेरे मम्मे बुझा देगें। फिर मैं एक आखरी बार उसके मम्मो को मसल कर उठ कर उसके बगल मे बैठ गया और बोला जाओ माँ तुम जाकर वाईन ले आओ मैं सोफे पर बैठता हूँ। रीमा ने कहा नही मैं तुझे ऐसे अकेला छोड कर नही जा सकती। कही मेरे पीछे तू अपने लंड से खेलने लगा तो। मैं नही चाहती तु अपने लंड से खेले। जब तक तू यहाँ है लंड से खेलने का हक सिर्फ मेरा है समझे।

मैंने कहा ठीक है माँ तुम कहती हो तो चलता हूँ। और फिर रीमा ने मेरा लंड अपने हाथो से पकडा और उसको खीचने लगी। उसके खीचने से मैं फट से उठ कर खडा हो गया। फिर वह मुझे मेरे लंड से पकड कर खीचती हुयी फ्रिज की तरफ़ ले चली। और मैं उसके पीछे पीछे किसी पालतू कुत्ते की भाँती चल दिया। फिर उसने लकडी के रैक के पास जाकर उसमे से वाईन का गिलास निकाला। और बगल मे रखे फ्रिज से जूस का डिब्बा निकाल कर गिलास मे जूस भरने लगी। मैंने कहा माँ तुम तो वाईन पीने वाली थी। रीमा बोली बेटा मे वाईन ही पीयूगी। इस जूस के गिलास से तू एक घूंट पी ले फिर मेरे लिये ये वाईन हि बन जायेगा। मैंने उसके तरफ आश्चर्य से देखा तो बोली अरे बेटा अगर कोइ प्रेमी या प्रेमिका किसी भी द्रव्य को अपनी प्रेमीका या प्रेमी के होठों

से छुआ दे तो उसमे इतना नशा भर जाता है की उससे अच्छी शराब और कोई हो ही नही सकती। और क्या तू मेरा प्रेमी और मैं तेरी प्रेमीका नही हूँ क्या।

मैंने कहा हाँ माँ हम प्रेमी प्रेमीका ही है। गिलास मैं जूस भरने के बाद उसने जूस का डिब्बा वापस रख दिया और और जूस का गिलास मुझको पकडा दिया और बोली ले बेटा मेरे इस जूस को शराब बना दे। मैंने रीमा के हाथ से उसके जूस का गिलास ले लिया और उसमे से एक घूंट जूस पी कर गिलास उसको दे दिया। रीमा हाँ अब मेरी वाईन तैयार है। फिर मैं रीमा से बोला चलो माँ चल कर सोफे पर मेरी गोदी मैं बैठो फिर मैं तुम्हारे मम्मो की मालिश करता हूँ। यह कह कर मैंने अपना हाथ उसकी कमर मे डाल दिया और उसको सोफे की तरफ ले चला जैसे की वह मेरी प्रेमीका हो। मेरा मन तो मेरा हाथ उसके चूतडो पर रखने का कर रहा था पर मैंने अभी अपने आप को उसके मम्मो पर ही केन्द्रित रखना उचित समझा।

फिर मैं इसी तरह उसके बदन से अपना बदन सटा कर चलते हुये सोफे के पास तक आ गया। और फिर उसके गाल का चुम्बन लेकर उसकी कमर से हाथ निकाल लिया। और फिर मैं सोफे पर बैठ गया। मेरा लंड लोहे की रॉड की तरह सीधा खडा था। उसको देख कर रीमा बोली हाय रे तेरा लंड तो जबरदस्त खडा है अगर इस पर मैं बैठूगी तो ये मेरी पैन्टी फाड कर मेरी गाँड मे घुस जायेगा और मेरी गाँड को फाड देगा न बाबा न मैं तो नही बैठती तेरी गोदी मे। मैंने कहा नही माँ अगर तुम मेरे लंड को नीचे कर के अपने भारी चूतडो के नीचे इसको दबा लोगी तो फिर ये तुम्हारी पैन्टी नही फाड पायेगा और तुम्हारी गाँड भी बच जायेगी तुम एक बार बैठ कर तो देखो।

रीमा बोली तू बोलता है तो मैं बैठती हूँ पर मुझे बहुत डर लग रहा है। अच्छा ले मेरा गिलास पकड फिर मैं बैठती हूँ। मैंने रीमा के हाथ से गिलास ले लिया और फिर रीमा ने अपने भारी भरकम चूतड मेरी तरफ कर दिये और अपने हाथ से मेरा लंड पकड कर नीचे कि और दबा दिया और मेरी गोदी मे बैठ गयी फिर उसने थोडा बहुत इधर उधर हिल कर मेरे लंड को अपनी आराम के हिसाब से सेट कर लिया। अब मेरा लंड उसकी गाँड की दरार मे फंस गया था और उसकी

भारी चूतडो के दवाब से नीचे दब गया। उसके माँसल नंगे गद्देदार चिकने चूतड मुझे मेरी जाँघो पर महसूस हो रहे थे।

मुझे रीमा के शरीर का भार अपनी जाँघो पर उसके चूतड के जरीये महसूस हो रहा था। उसके चूतडो के स्पर्श से मेरे मस्ती बढ रही थी पर मेरा लंड उसकी गाँड की दरार मे फंसा फडफडा रहा था। फिर इस तरह जब मेरा लंड अच्छी तरह से उसकी गाँड की दरार मे फंस गया रीमा ने अपनी चिकनी पीठ मेरी छाती पर टिका दी और बोली हाय रे मेरे लाल तू ठीक कहता था। तेरा लंड तो बिल्कुल मेरे गाँड से दब गया और मेरे पैन्टी मे छेद भी नही हुआ। फिर उसने अपनी एक बाँह मेरे गले के पीछे डाल दी ऐसा करे से मुझे उसकी काँख के काले लम्बे बालो की एक झलक मिली। बालो से भरी उसकी काँख कि झलक देख कर मन किया कि अपना मुँह उसमे घुसा दूँ पर मैंने अपने आप को रोक लिया।

फिर रीमा ने कहा ले बेटा बैठ गयी मैं अब तू इत्मिनान से मेरे मम्मो को दबा मसल और उन्का जूस निकाल कर पी ला मेरे जूस का गिलास मेरे को दे दे। मैंने जुस का गिलास रीमा को पकडा दिया और उसके मम्मो की तरफ देखने लगा। उसके मम्मे अब मेरे और पास आ गये थे और जैसे जैसे उसकी साँसे चल रही थी उसके मम्मे उपर नीचे हो रहे थे। मैंने अपना एक हाथ बढा कर उसकी कमर के इर्दगिर्द डाल दिया और अपने मुँह कि झुका कर उसके मम्मो कि दरार पर रख दिया और उसके बदन की गंध लेने लगा। फिर एक चुम्बन उसकी दरार का लेकर मैंने अपना हाथ उसके भारी भरकम १ किलो के मम्मे पर रख कर उसको धीरे धीरे मसलने लगा।

रीमा ने अपने जूस का एक सिप लिया और मस्ती भरी निगाह से मेरे को उसके मम्मे दबाते हुये देख रही थी। फिर रीमा बोली दबा बेटा दबा अपनी माँ के मम्मे मजा ले इनका आह ऐसे हि मेरे लाडले ऐसे ही दबा तूने तो मुझे आज महारानी बना दिया अपनी जाँघ पर बिठा कर क्या मजे दे रहा है मुझे। जोर से दबा बेटा इस तरह से धीरे धीरे मसलते हुये तेरे को बहुत देर हो गयी है। जरा इनको जोर से मसल। लगता है तेरे को थोडी ताकत कि जरुरत है मैं देती हूँ

तेरे को ताकत। तेरे को अभी मैं जूस पिलाती हूँ अपने मुँह कि लार मिला कर उससे तुझको ताकत मिलेगी। मैंने कहा हाँ माँ मुझको तुम्हारे मुँह के जूस की बहुत जरुरत है। लाओ जल्दी लाओ पिलाओ मुझको अपना जूस।

ये कह कर उसने जूस का एक बडा घूंट भर लिया और अपने मुँह मे लेकर उसको घुमाने लगी जिससे उसका लार भी उस जूस मे मिल गयी। फिर उसने मेरे होठों पर अपने होठ रख दिये और अपने मुँह का जूस मेरे मुँह मे अपनी जीभ की मदद से डालने लगी। मैं उसके लार मिले जूस को धीरे धीरे पीने लगा। इस तरह करते करते रीमा ने अपने मुँह का सारा जूस मुझको पीला दिया। फिर रीमा बोली अब तो कुछ ताकत आयी तेरे मे दबा मेरे चूचीयो मसल के रख दे अपने मजबूत हथो से लाल कर दे इनको रगड रगड कर। फिर मैंने अपना हाथ उसके एक मम्मे के सामने रखा जिससे उसकी घुडी मेरी हथेली के थीक बीच मे आ गयी और अपने पूर हाथ से उसका मम्मा पकडते हुये अपनी पूरी ताकत से मसल दिया जैसे मैं कोई बडा सा नीबूं निचोड रहा हूँ।
इस पर रीमा चिल्ला पडी और बोली हाय रे मार डाला क्या जोर से मसली है मेरी चूची। मेरे पुरे मम्मे मे दर्द भर दिया हाय रे जालिम इतनी जोर से मसलते हैं क्या इतना प्यारा मम्मा। पर बेटा मुझे बडा मजा आया तू मसल जितनी जोर से मसल सकता है मसल इस दर्द मे भी तेरी रंडी माँ को मजा आ रहा है। ये हुयी न कुछ मर्दो वली बात इतनी देर से क्या बच्चो कि तरह मसल रहा था मेरी चूचीयाँ। और मसल जोर जोर से रुक क्यो गया मसल इनको साली बडा परेशान करती है रोज आज मिला है कोई पक्का हरामजादा जो इनकी सही से कुटायी कर सकता है। हाँ बेटा मसल डाल इनको निकाल दे इनकी सारी मस्ती। आज पता चलेगा इनको मुझे तंग करने कि सजा कया होती है। रोज मुझसे मेरी चूचीयाँ कहती रहती है कि मुझे मसलो मुझे मसलो। आज मेरा बेटा आ गया है और इन चूचीयो को कस के कुटायी करेगा और इनको मसल मसल कर पुरा बदला लेगा इन साली हरामी चूचीयो से अपनी माँ को तंग करने का। फिर मेरी और देख कर बोली लेगा न बेटा बदला इनसे मुझको तंग करने का।

मैं चूचीयो को उसी तरह से कस कस के मसल रहा था। मैंने कहा हाँ माँ जरुर लूँगा बदला इनसे माँ। इन साली चूचीयो के इतनी हिम्मत कि मेरी माँ कि

परेशान करे इनको तो मसल मसल कर मैं लाल कर दुँगा। रीमा बोली हाँ बेटा मसल और मसल केवल दबा ही नही इस घुडीयो को पकड कर इनके साथ भी खेल। इनको भी थोडा मसल और खीच जोर जोर से उखाड कर फेंक दे इनको मेरे मम्मो के उपर से। यही तो सारी फसाद की जड है। इनको मस्ती चढती है तो साली चूचीयो मे खुमारी भर देती हैं और तन कर खडी हो जाती है। काट ले इनको अपने दाँतो से खा जा। रीमा के बाँते मेरी मुझे उसकी चूचीयो के साथ बेदर्दी का बर्ताव करने के लिये उकसा रही थी और मैं भी उसके मम्मो को अच्छी तरह से मसल कर पूरा मजा लेना चाहता था।

फिर मैंने उसकी घुडी अपनी उंगलीयो के बीच मे पकडी और कस के मसल दी। और रीमा मस्ती और दर्द मे जोर जोर से चिल्लाने लगी और अपनी बातो से मुझे जोर से उनको खीचने और मसलने के लिये कहने लगी। मैं भी जोर जोर से उसकी चूची मसल रहा था और साथ ही साथ उसके घुंडी को भी मसल रहा था बीच बीच मे उसकी घुडी को पकड कर बाहर की तरफ खीच देता था जिससे उसकी घुडी जो मस्ती मे खडी होकर करीब १ इन्च कि हो गयी थी मेरे खीचने से उसकी लम्बाई डेढ इन्च हो जाती थी। घुंडी के खीचने से उसका बडा मम्मा भी उसके साथ चला आता था। जिससे मम्मा थोडा उठ जाता था। थोडी देर उसको मैं ऐसे ही रखता था और फिर एक झटके के साथ छोड देता था। जिससे उसका मम्मा एक झटके के साथ नीचे गिरता था।

फिर कभी उसकी घुडी को मैं अपने अंगुठे और उंगली के बीच पकड कर कस के दबा कर पूरी ताकत के साथ घुमा देता था ऐसा करने से उसके मुँह से चीख निकल जाती थी पर वह मुझे और उकसाती थी ऐसा करने को। और मैं भी पागलो की तरह उसकी चूचीयो के साथ खेल रहा था। उसकी गोरी गोरी चूचीयाँ मेरे मसलने के कारण गुलाबी होना शुरु हो गयी थी। उसकी ये हालत देख कर मैंने उससे पूछा माँ मैं इतनी जोर जोर से तुम्हारी चूचीयो को मसल रहा हूँ तुमको बहुत ज्यादा दर्द तो नही हो रहा। रीमा ने कहा बेटा क्या बताऊ दर्द तो बहूत हो रहा है पर इनको मसलवाने मे जो मजा आ रहा है उसके सामने दर्द कुछ भी नही है। और तुझे भी बडा मजा आ रहा है तेरी आँखे और तेरा लंड जो मेरे चूतड के नीचे दबा है मुझे सब बता रहा है।

और मैं तेरी माँ हूँ तेरे मजे के लिये अगर मुझे दर्द भी हो रहा होता तो भी मैं ये दर्द सह लेती समझा अब सोच मत और लगा रहे अपने काम पर जब तक चाहे तब तक मजा ले मेरे मम्मो का। बस मुझे और क्या चाहिये था फिर मै पुरे जोर शोर से उसके मम्मे की कुटायी करने मे जूट गया। बीच बीच मे रीमा मुझे अपने मुँह से जूस भी पिलाती जा रही थी। अभी तक मैंने उसके सिर्फ एक मम्मे को मसला था। फिर मेरा मन किया कि मैं उसके मम्मे को चूसू यह सोच कर मैंने उसका एक मम्मा मसलते हुये अपना मुँह नीचे कर के उसके दुसरे मम्मे की घुडी को अपने होठो के बीच पकड लिया और उनपर अपनी जीभ फिराने लगा।

इस पर रीमा ने कहा हाय रे जालीम ये क्या करने लगा मेरे मम्मो को चूसना भी शुरु कर दिया। मादरचोद तेरा मम्मे मसलना तो मुझसे बडी मुशकिल से सहा जा रहा था अब तूने मेरे मम्मे भी पीने शुरु कर दिये। पीयो पीयो तुम्हारे बाप का ही माल है चूसो मेरे मम्मे। फिर मेरा हमला दोनो मम्मो पर हुआ। एक मम्मा मैं मसल रहा थ और दुसरे को अपने मुँह मे लेकर जोर जोर से चूस रहा था कभी कभी अपनी जीभ निकाल कर उसका मम्मा चाट भी लेता। इस तरह १५ मिनट तक मैंने रीमा के एक मम्मे की जम कर कुटायी की और दुसरे की जम कर चुसायी और चटायी की। उसका एक मम्मा मेरे मसलने के कारण लाल रंग का हो गया था तथा दुसरा मम्मा मेरे चाटने के कारण मेरे थूक से सन गया था और लाईट मैं चमक रहा था।

फिर मैंने रीमा से कहा ओह मेरी प्यारी चुदक्कड माँ अब मैं तुम्हारी दुसरी चूची को मसलूँगा और इस चूची को चूम चूस चाटूँगा जिससे इसको थोडा आराम मिल सके। रीमा ने कहा ठीक है बेटा जैसा तू कहे। फिर मैंने रीमा से कहा माँ तुम्हारा एक मम्मा मेरे थूक से गीला हो चूका है तुम अपना ब्लाउस उठा कर दे दो जिससे मै इसको पोछ सकूँ नही तो मुझको इसको मसलने मे परेशानी होगी और इसको मसलने मे मेरे हाथ फिसल जायेगें। रीमा ने अपना जूस का गिलास मुझे पकडा दिया और पास मे ही पडा हुआ ब्लाउस उठा कर मुझे दे दिया। वह ब्लाउस इतनी देर पहले चुस चाट कर मैंने थूक से गीला किया था पर अब कई

जगह से वह सूख चुका था। मैंने फिर से जूस का गिलास रीमा को वापस दे दिया और ब्लाउस ले कर उसके मम्मे को कस कस कर रगडने लगा।

मैं उसको जोर जोर से रगड कर साफ कर रहा था जैसे की उस मम्मे को बता रहा हूँ अब मैं कैसे तेरी कुटायी करने वाला हूँ। इस तरह जोर जोर से उसके मम्मो की सफ़ायी करने के कारण उसके दोनो मम्मे उछल रहे थे और जो मम्मा मैंने मसल कर लाल कर दिया था वह मम्मा गिले मम्मे से टकरा रहा था। जैसे उसको बताने के कोशिश कर रहा हो की मैंने उसकी क्या हालत बनायी है और वही हालत अब उसकी भी होने वाली है। थोडी देर उसके मम्मे को रगड कर साफ करने के बाद मैंने ब्लाउस बगल मे रख दिया और सबसे पहले रीमा के मुँह से फिर एक बार जूस पिया ऐसा करते करते एक बार और उसके होठो का भी रस पीया।

जुस पीने के बाद मैंने रीमा से बोला माँ अब तुम अपने इस हाथ को निकाल लो और दुसरे हाथ को मेरे गले मैं डालो जिससे मुझको एक साथ चूसने और मसलने मे आसानी होगी। रीमा ने अपना हाथ पीछे से निकाल कर जूस उस हाथ मे पकड कर दुसरा हाथ मेरे गले मे डाल लिया। अब सबसे पहले मैंने जिस मम्मे को चूस चाट कर गिला किया था उस पर टूट पडा। और उसको अपने हाथ मे पकड कर बेरहमी के साथ मसलने लगा। रीमा फिर जोर जोर से चिल्लाने लगी और मुझे गालियाँ बकने लगी। उसको गालियाँ बकने का बहुस शौक था। वह बक रही थी और मे उसके मम्मे के साथ वही बर्ताव कर रहा था जो मैंने उसके पहले मम्मे के साथ किया था। थोडी देर उसके मम्मे को मसलने के बाद मैंने उसके दुसरे मम्मे को चूसना और चाटना शुरु कर दिया।फिर १०-१५ मिनट बाद दोनो मम्मो की हालत वही थी जो पहली बार हुयी थी। रीमा की हालत भी करीब आधा घंटे मम्मे मसलवा कर बिगड गयी थी। उसकी चूत फिर से रस बहाने लगी थी और उसक रस बह बह कर उसकी पैन्टी को पूरी तरह भीगो चूका था। वह अपनी टाँगो को जोड कर एक दूसरे से कस कस कर मसल रही थी। जिससे वह अपने चूत के दाने को रगड कर अपनी काम वासना को शांत कर सके पर अभी तक उसमे सफल नही हुयी थी। उसका चूत रस उसकी

पैन्टी से निकल कर मेरी जाँघो को भीगो रहा था। जिसकी वजह से मेरी सारी जाँघ गीली हो गयी थी।

मुझे उसके मम्मे मसलते और चूसते हुये काफी देर हो गयी थी। मैंने रीमा से कहा माँ अब बहुत देर तक मैंने तेरे एक एक मम्मे की घिसायी कर ली। अब मैं तुम्हारे दोनो मम्मो को एक साथ बेरहमी से मसलूगाँ। रीमा बोली बेटा मसले मै मना थोडी ही कर रही हूँ पर मेरी चूत का भी कुछ कर ये तो फिर मस्त हो गयी है और झडना चाहती है। मैंने कहा माँ तुम्हारी चूत तो बिल्कुल रंडी की चूत है इतना झड कर भी इसका मन नही भरा। ठीक है माँ तुम्हारे मम्मो को मसलने का मजा लेने के बाद इनका भी कुछ करता हूँ। ठीक है बेटा जैसा तू कहे बोल क्या करना है मुझे। मैंने कहा रुको बताता हूँ। फिर मैंने ब्लाउस बगल से उठा कर उसके गीले वाले मम्मे को साफ करना शुरु कर दिया। मेरे चूमने चाटने से उसके इस मम्मे को थोडा तो आराम मिला था पर अभी भी मेरी कुटायी से हुयी हालत के कारण उसका रंग लाल ही था।

मैंने फिर ब्लाउस से कस कस के मसल कर उसके मम्मे को साफ कर दिया। जोर से मसल कर साफ करने के कारण इस मम्मे कि हालत दुसरे मम्मे की जैसी हो गयी थी। फिर मैंने ब्लाउस बगल मे रख कर रीमा से बोला माँ अब तुम अपनी चिकनी पीठ पूरी तरह मेरी छाती से लगा कर बैठ जाओ मैं पीछे से हाथ डाल कर तुम्हारे मम्मो को मसलूगाँ। रीम बोली ठीक है बेटा। फिर रीमा ने अपना हाथ मेरे गले से निकाल लिया और अपनी पीठ मेरी छाती से लगा कर बैठ गयी। जिससे उसका मुँह मेरे मुँह के बराबर मैं आ गया। फिर मैंने उसके होठ अपने मुँह मे लेकर एक किस्स कर दिया। और अपने हाथ उसके बगल से निकाल कर उसके मम्मो पर रख दिये।

फिर मैंने उसके होठों को मुँह मे लेकर उसके होठों पर जीभ फिराना शुरु कर दिया और उसकी नंगी चिकनी पीठ का मजा लेते हुये उसके मम्मो को कस कर अपने हाथो मे पकड कर मसल दिया और जोर जोर से मसलने लगा। थोडी देर उसके होठों को चाटने के बाद उसके होठों को चूसना शुरु कर दिया। फिर इसी तरह उसके होठ अपने होठों से चूसते हुये उसके मम्मो को बेरहमी के साथ

मसलने लगा। उसके मुँह से कराह निकल रही थी पर मेरे होठों से जुडे होने के कारण वह बाहर नही निकल पा रही थी और गो गो की आवाज निकल रही थी। उसमे मम्मे मसलते हुये उसकी घुडीयो पर भी पूरा ध्यान दे रहा था। और उनको बेदर्दी के साथ मसल और खीच रहा था मेरा लंड तो पूरा मस्त हो रखा था और रीमा के मस्त चूतडो से लग कर उनका मजा ले रहा था।

मेरा लंड बहुत रस बहा रहा था और रीमा की पैन्टी से निकलते रस के साथ मिल कर मेरी जाँघो और उसके चूतडो को पुरा भीगो दिया था। रीमा को भी इस बेरहमी से मम्मे मसलवाने मे मजा आ रहा था। वह मेरे लंड पर बैठे बैठे अपने चूतडो को जोर जोर से हिला रही थी। वह चाह रही थी किसी तरह मेरे लंड उसकी चूत से रगड खाये और वह मजे ले सके। पर इस तरह करने से मेरा लंड उसके चूतडो की लकीर ले बीच घिसायी कर रहा था। जिस उसकी उत्तेजना तो बढ रही थी पर उसकी चूत को कोई राहत नही मिल रही थी और वह बहुत तडप रही थी। हमारे होठ अभी भी जुडे हुये थे और हम एक दुसरे का मुँह का रस पी रहे थे।

फिर करीब १० मिनट तक मैं उसके साथ यही बर्ताव करता रहा और उसके होठ चुसता रहा। फिर मैंने उसका होठ छोड दिया और पूछा माँ मजा आ रहा है मम्मो की मसलवायी करवाने मे। रीमा बोली बेटा बहुत मजा आ रहा है। मेरे मम्मो की कुटायी तो कितने ही लोगो ने की है पर इतनी देर और इतनी बेरहमी से किसी ने नही की। सच बताऊ बेटा तो मेरे मम्मे इस समय दर्द से बिलबिला रहे है और मुझसे कह रहे है कि हमे इस बेरहम के हाथो से बचा लो। पर इनके दर्द से एक लहर निकल कर सीधे मेरी चूत तक जा रही है जो मेरी चूत मे मस्ती भर कर मेरी चूत से रस बहाये जा रही है और मेरी चूत का रस बहाना मुझे अपने मम्मो के दर्द से ज्यादा पंसद है इसलिये तुम इसी तरह पूरी बेदर्दी से मेरे मम्मो को मसलते रहो।

मैं तो बहूत दिनो से अपने मम्मो की जबरदस्त कुटायी कराना चाहती थी पर आज मुझे वह मौका मिला है और मैं उस मौके को नही खोना चाहती। मसल दे बेटा इस मादरचोद चूचीयो को और मुझे मजा दे मेरे लाल। उसके बाद मे

उसकी चूचीयो को और भी ताकत से जोर जोर से मसलने लगा और रीमा भी मेरे लंड को अपने चूतडो मे दबाये जोर जोर से उछलती रही। इस तरह करीब ५ मिनट तक उसके मम्मे मसलने के बाद रीमा बोली बेटा अब बहुत देर हो गयी है मेरी चूचीयो की कुटायी करते हुये अब तो कुछ रहम कर दे इन बिचारीयो पर देख तेरे मसलने से कैसी लाल हो गयी है और फूल कर कितनी बडी हो गयी है। अब तो काफी रस इनमे जमा हो गया है बेटा अब मेरी चूचीयो को चूस चूम और चाट कर इनकी गर्मी को थोडी राहत पहुँचा दे बेटा। इनका रस पी ले बेटा तेरी माँ तुझसे विनती करती है बेटा चूस ले मेरे मम्मे मेरी गोलाईयाँ बेटा।

रीमा कि विनती सुनकर मैंने कहा ठीक है माँ तुम कहती हो तो छोड देता हूँ तुम्हारी इन चूचीयो को। फिर मैंने आखरी बार कस के उसकी चूचीयो को मसल कर छोड दिया और बोला लाओ माँ अब तुम मेरे उपर से उठ कर बगल मे बैठ जाओ जिससे मैं तुम्हारी चूचीयो को चूम और चूस कर कुछ ठंडक पहुँचा सकूं। मैंने अपने हाथ उसके बगल से निकाल लिये और रीमा उठ कर खडी हो गयी। उसके खडे होते ही मेरे सामने उसके चूतड आ गये उनको देख कर मुझसे रहा नही गया और मैंने आगे बढ कर उसकी कमर को जहाँ पर उसकी पैन्टी थी का चुम्बन ले लिया। मेरी हरकत देख कर रीमा बोली बेटा मुझे पता है तुझे मेरे चूतडो से कितना प्यार है। चिन्ता मत कर मैं तुझको पूरा मौका दूगी चूतडो को प्यार करने का।फिर मेरी नजर उसके चूतडो के नंगे भाग पर गयी जो कि मेरे लंड और उसकी पैन्टी से निकले उसके रस से भीग कर गीला हो चूका था। रीमा बैठने ही वाली थी कि मैंने रीमा से कहा माँ रुको तुम्हारे चूतड का नंगा भाग मेरे और तुम्हारे रस से भीग गया है और मैं नही चाहता कि तुम बैठ जाओ और इतना किमती रस सोफे पर लग कर बर्बाद हो जाये। तुम ऐसे ही खडी रहो और मैं तुम्हारे चूतड चाट कर इस रस को पी जाता हूँ। रीमा बोली तुम ठीक कहती हो बेटा मैं भी नही चाहती के रस की एक बूंद भी बर्बाद हो। मैं खडी होती हूँ तू चाट कर पी जा सरा रस।

फिर रीमा की बात सुनकर मैंने उसकी कमर को अपने हाथो से पकड लिया और अपनी जीभ निकाल कर उसके चूतडो के नंगे भाग को जो कि पैन्टी से ढका नही था चाटने लगा। मेरे चाटने से चप चप की आवाज कमरे मे गुजंने

लगी। मेरे लंड का प्रीकम और उसके चूत के रस से बना वह रस किसी भी रस से मीठा रस था। मैं उसका पूरा स्वाद लेकर रस को पी रहा था। इस तरह चाट चाट कर उसके चूतड पर लगे सारे रस को मे पी गया और उसके चूतडो को अपने थूक से गीला कर दिया। रीमा बोली चाट लिया बेटा सारा रस तु तो लगता है मेरे बदन को चाटने का इतना दिवाना है कि तुझसे एक बार आराम से बैठ कर सारा बदन चटवाना पडेगा।

चल अब मैं बैठती हूँ और तुम चूम चाट कर मेरे मम्मो को थोडी ठंडक पहुँचा। ऐसा कह कर रीमा मेरे बगल मे बैठ गयी और मैं आकर उसके पैरो के बीच घूटनो के बल बैठ गया। फिर उसका एक मम्मा अपने हाथ मे लेकर पूरे मम्मे पर चुम्बनो की बोछार कर दी। अच्छी तरह से उसके मम्मे को चुमने की बाद इसी तरह उसके दुसरे मम्मे के साथ किया। फिर अपनी जीभ निकाल कर उसके मम्मो को चाटना शुरु कर दिया। रीमा बोल पडी हाँ बेटा ऐसे ही चाट मेरे मम्मो को बडी ठंडक मिल रही है मुझे तेरे चाटने से मेरी चूचीयाँ भी कुटायी करा के लाल हो गयी थी बेटा अब इन पर जरा अपने थूक का मरहम लगा दे तो इनको शान्ती मिल जायेगी। चाट चाट कर अपने मुँह से अच्छा चमका दे इनको गीला कर दे अपने थूक से राजा हाँ ऐसे ही बेटा ऐसे ही। घुडीयो को पकड कर मुँह मे चूस ले बेटा पूरा मजा ले मेरे बदन का।

फिर मैं पुरी तरह से उसकी चूचीयो को चूमने चाटने मे जुट गया और तब तक उसकी चूचीयो को चाटता रहा जब तक वह मेरे थूक से गीली नही हो गयी और उन पर चूची कुटायी से हुयी लाली कम नही हो गयी। पर मेरे इस तरह से करने से उसकी पहले से मस्त लार बहा रही चूत और भी मस्त हो गयी और और भी जोरो से लार बहाने लगी। जब मैं उसकी चूचीयाँ चाट कर उठा तो रीमा बोली हाय रे मेरे लाल तूने तो सही मे चमका दी मेरी चूचीयाँ। अब मैं तुझे इसका इनाम दूगी। मेरे पास दो तरीके है एक तो मुझे चोद कर अपनी मस्ती झडा ले दुसरा मेरी चूत चाट कर उसे झडा दे। बोल बेटा तुझे क्या इनाम चाहिये जो तू कहेगा वही इनाम ये तेरी माँ तुझको देगी। बता बेटा सोच क्या रहा है।

रीमा कि बात सुनकर मेरा मन किया की कह दूँ की मैं तुम्हारी चूत चोदना चाहता हूँ पर मुझे पता था रीमा चाहती थी की मैं उसकी चूत चाट कर उसको झडाऊ। पता नही क्यो पर उसकी चूत चाटने की इच्छा मेरे मन मे ज्यादा थी और यही इच्छा रीमा की भी थी बस यही सोच कर मैं बोला माँ मैं तुम्हारी चूत चाटने का इनाम लेना चाहता हूँ। मेरा लंड चीख चीख कर कह रहा था कि मुझे मजा दो मुझे मजा दो पर फिर भी उसकी चूत चाटना इस समय चोदने से ज्याद पंसन्द था। रीमा ने आगे बढ कर मेरे माथे को चूम लिया ये हुयी ना कुछ रीमा रंडी के बेटे वाली बात।

रीमा बोली बेटा तू मेरा सगा बेटा नही है पर आज जो थोडी देर मे तूने मुझे जो मजा दिया है और अभी जैसे मेरे मन की बात पढ ली के मैं अपनी चूत चटाना चाहती हूँ मन करता है कि तू मेरा सगा बेटा होता तो कितना अच्छा होता। चल बेटा अब मैं तुझे कुछ आराम देती हूँ। तूने बडी देर तक घूटनो के बल बैंठ कर मेरे बदन की सेवा की है। अब तु थोडा आराम कर आजा यहाँ कालीन पर आराम से लेट जा अब मैं तेरे मुँह पर अपनी चूत रख कर तुझसे अपनी चूत चटवाउगी। मैंने कहा जैसे तुम्हारी मर्जी माँ। फिर मैं कालीन पर चित लेट गया अपने पैर और हाथ मैंने फैला लिये जिससे मेरे बदन को थोडा आराम मिले।

फिर रीमा मेरे सर के दोनो और अपने पैर रख कर खडी हो गयी। उसके पैरो मे उची ऐडी के सैडल बहुत ही सेक्सी लग रहे थे। उसकी गोरी गोरी माँसल चिकनी जाँघे बहुत मस्त थी। उसकी चूत पैन्टी मे से अभी भी रस बहा रही थी। और बह कर उसकी जाँघो आ रहा था। उसकी बडी बडी थोडी लटकी हुयी चूचीयाँ दो बडे बडे मस्ती के गोले लग रहे थे जो मेरे थूक से सने हुये थे और लाईट मे चमक रहे थे। उसके चहरे पर से वासना टपक रही थी। इस तरह मेरे उपर खडी होकर वह कोई वासना की देवी लग रही थी जो अपने परम भक्त हो अपने चूत रस का प्रसाद देने वाली थी। और उसका भक्त उसके कदमो मे पडा अपनी देवी कि सुन्दरता से भरपूर चूत कि पुजा करने के लिये बेताब है। और सीधा उसकी चूत से अपना प्रसाद प्राप्त करना चाहता है।

रीमा अपना भरा पूरा बदन लेकर नीचे बैठ गयी और अपने घुटने मेरे सर के दोनो और रख दिये और अब उसकी पैन्टी मे छुपी चूत मेरे सामने थी। मैं उसकी चूत को एक बार चाट कर झडा चूका था पर अभी तक उसके दर्शन मुझे नही हुये थे। पर पहले मैं उसकी चूत को झडा कर उसका रस पीना चाहता था। फिर रीमा ने पास के सोफे पर पडा कुशन उठा कर मुझसे बोली बेटा इसको अपने सिर के नीचे लगा ले जिससे तेरा मुँह मेरी चूत तक पहुँच जायेगा और हम दोनो बिना किसी परेशानी के चूत चटायी का मजा ले सकते हैं। उसकी बात सुनकर मैंने अपना सर उठा दिया और रीमा ने कुशन मेरे सर के नीचे रख दिया जिस से मेरे मुँह ठीक उसकी पैन्टी के सामने आ गया।फिर रीमा बोली अब ठीक है अब मैं आराम से तुम्हारे मुँह पर अपनी चूत रख कर मजे से अपनी चूत चटा सकती हूँ। फिर रीमा मेरे मुँह पर अपनी चूत रख कर बैठ गयी और अपने बदन रे मुँह को दबा दिया और बोली बेटा पहले थोडी देर तेरे मुँह पर अपनी चूत रगड लू फिर तुझसे चूत चटाती हूँ। ऐसा बोल कर जोर जोर से अपनी पैन्टी से छुपी चूत मेरे मुँह पर रगडने लगी। आह ओह उम्ह sss ओहssss मजा आ गया कह कर रीमा ने अपनी चूत मेरे मुँह पर से उठा ली और मेरे होठों से १ सेन्टीमीटर की दूरी पर रोक ली और बोली ले बेटा चाट ले मेरी चूत ले ले अपना इनाम।

मैंने अपनी जीभ बाहर निकाल कर उसकी पैन्टी के उपर से उसकी चूत पर फिराने लगा। रीमा ने अपने हाथ अपने मम्मो पर रख लिये और धीरे धीरे उनके साथ खेलने लगी। उसके हाथ मम्मो पर से बार बार फिसल रहे थे क्योकी उसकी चूचीयाँ मेरे थूक से बुरी तरह गीली थी। उसके मुँह से हल्की हल्की करहाने की आवाज आ रही थी। आह उम्हssss ओहssssss सीस्सssssssss। मैं अपनी जीभ से लगातार उसकी चूत चाट रहा था। रीमा को भी धीरे धीरे मस्ती बढ रही थी उसने अपने चूतड गोल गोल चक्की की तरह से घुमाने शुरु कर दिये थे। और आँख बंद करके अपने मम्मो पर हाथ फेरते हुये मजे से अपनी चूत चटा रही थी। मेरी हरकतो से वह बहुत मस्त हो गयी थी।

रीमा चूत चटाते हूये बोली हाय रे बेटा तेरी जीभ मे न जाने क्या जादू है। क्या चूत चाटता है तू। मस्त कर दिया तूने तो मुझे मन करता है कि तेरी जीभ पर

इसी तरह बैठी रह् और अपनी चूत चटाती रहूँ। तुझे भी लगता है मेरा बदन बहुत मस्त लगा है। जब से आया है मेरे बदन को चाटने मे लगा है। लगता है तुझे मेरी चूत चाटना बहुत अच्छा लगता है तभी तो तूने चूत चटायी इनाम मे मांगी। मेने कहा माँ मैं बहूत बडा चूत चटोरा हूँ किसी भी मस्त औरत को देख कर सबसे पहले उसकी चूत चाटने के बारे मे ही सोचता हूँ। चूत चाटने के बारे मे सोच कर मुठ मारने मे मुझे बहुत मजा आता है।

ओह बेटा चाटता जा मेरी चूत रुक मत मेरे लाल हाय रे। अब उसकी कमर जोर जोर से घुमने लगी थी। और कभी कभी अपनी चूत कस कर मेरे मुँह पर दबा देती थी। अब वह अपनी चूचीयाँ जोर जोर से मसल रही थी। और अपनी घुडीयो को भी खीच रही थी। मैंने अपनी जीभ को कडा करके सीघा कर लिया था और रीमा उस पर अपनी चूत रगड रगड कर चूत चटायी के मजे ले रही थी। फिर उसने अपने चुतड घुमाना छोड कर मेरी जीभ पर जोर जोर अपनी चूत उछालनी शुरु कर दी जिससे मेरी जीभ उसकी पैन्टी के साथ उसकी चूत मे घुस रही थी। और वह जोर जोर से चिल्ला रही थी। आह ओह क्या जीभ है तेरी साले मजा आ गया। फिर थोडी देर मेरी जीभ पर उछलने के बाद उसने फिर से अपने चूतडो को गोल गोल घुमाना शुरु कर दिया।

इस तरह कुछ देर तक चूत चटाते चटाते रीमा थक गयी और रुक गयी और आगे को झुक कर कालीन पर लेट गयी। इसतरह से उसकी चूत अभी भी मेरे मुँह के सामने थी और उसका पेट मेरे सर पर टिक रहा था। इस तरह से मैं उसके शरीर के उपरी भाग को नही देख सकता था। मैंने अपनी जीभ उसकी चूत पर चलानी जारी रखी। पर अभी तक मैंने अपनी जीभ उसकी चूत के दाने पर नही चलायी थी। फिर ऐसे लेट कर रीमा ने अपने चूतड मेरे मुँह के उपर उछालने शुरु कर दिये। मैंने भी अपने हाथ उसके चुतड पर रख दिया और धीरे धीरे दोनो चुतडो को मसलता हुआ उसकी चूत कि चटायी मे जुट गया।

इस तरह से चूत चटायी मे रीमा को और मजा आने लगा और वह बकने लगी हाय रे मेरे बेटे तेरी जीभ ने तो मेरे उपर जादू कर दिया है। मन करता है इसी तरह तेरी मुँह पर चूत रख कर चटाती रहूँ। कितना प्यार करता है तु अपनी माँ

की चूत से मेरे बेटा चाटे जा बहनचोद खा जा मेरी चूत हाय मार डाला रे इस हरमी ने मेरी चूत चाट चाट कर। उसकी चूत तो रस का खदान थी दो बार झड चूकी थी और इतना रस बहा चूकी थी पर फिर भी उसकी चूत से बराबर रस बह रहा था। और उसके चूत रस की तीखी मस्तानी गंध मेरे नाक के जरीये मेरे शरीर मे समा रही। रीमा के बदन ने मुझ पर इतना जादू कर दिया था की वह जो भी कहती मैं मान लेता।

मैंने उसकी चूत को चाटना जारी रखा और अब मैंने उसके चूत के दाने पर भी जीभ रगडनी शुरु कर दी। रीमा अब बिल्कुल पागल हो चुकी थी और जोर जोर से अपने चूतड उछाल कर मेरे मुँह पर पटक रही थी। उसे अब बिल्कुल भी होश नही था। अब वह झडने के बिल्कुल करीब थी। मैं सर भी उसके बदन के भार से दबा जा रहा था। फिर मैंने उसके चूतड कस बाहो मेर भर कर पकड लिये जिससे वह ज्यादा उछल ना सके और उसके चूत के दाने पर अपनी जीभ की नोक रगडनी शुरु कर दी। मेरे इस तरह के आक्रमण को रीमा की चूत नही झेल रही और वह जोर जोर से चिलाते हुये झड गयी। रीमा ने अपनी पूरी ताकत से अपनी चूत मेरी जीभ पर दबा दी। मेरी नाक भी उसके पेट पर दब गयी मुझे ऐसा लगा की मेरी साँस घुट जायेगी। वह इतनी जोर से झडी थी ऐसा लग रहा था की उसकी साँस ही रुक गयी है और उसका पुरा बदन बहुत कडा हो गया था।

मेरी नाक दब जाने के कारण मै बडी मुश्किल से साँस ले पा रहा था मुझे लगा वह कुछ देर ऐसे ही पडी रही तो मे मर ही जाऊगा। पर धीरे धीरे रीमा का बदन ढीला पड रहा था। और वह नार्मल हो रही थी। थोडी देर बाद उसने अपने बदन को बिल्कुल ढीला छोड दिया। फिर काफी देर तक हम दोनो ऐसे ही पडे रहे। और मेरे हाथ उसके मस्त भारी चूतडो पर चलते रहे। फिर मैंने रीमा से कहा माँ मजा आया चूत चटाने मे रीमा बोली हाँ बेटा मैं तो बस निहाल हो गयी इतना मजा दिया है तुने मुझे थोडे से समय मे। तू चिंता मत कर मैं भी तुझे पुरा मजा दूगी अपने बदन का। तेरे सामने चूतो कि लाइन लगा दूंगी। तेरे हाथ मेरे चूतडो पर बहुत अच्छे लग रहे है। इतने जबरदस्त झडने के बाद तेरे हाथो ने मुझको शांत कर दिया है।

बेटा मुझे पता है कि तू नीचे दब गया होगा पर थोडी देर और इसी तरह मेरे चूतडो पर हाथ फेर दे फिर मैं उठ जाती हूँ। मैंने कहा थोडी देर क्या माँ जितनी देर तुम चाहो पडी रहो मैं ऐसे ही तुमको मजा देता रहूँगा। थोडी देर और अपने चूतडो को मसलवाने के बाद रीमा उठ कर मेरी छाती पर बैठ गयी उसके मोटे मोटे भारी चूतड मेरी छाती पर उसके भार के कारण धंस गये थे। फिर मेरे बालो मे हाथ फेरते हुये बोली तो मेरा बेटा चूत चटोरा है। मैंने कहा हाँ माँ मेरे हिसाब से चूत से स्वादिष्ठ इस दुनिया मे कुछ भी नही है। फिर रीमा उठ कर खडी हो गयी और मैं भी उठ कर बैठ गया और उसकी जाँघो का चुम्बन ले लिया।

फिर मै उठ कर खडा हो गया और उसकी नंगी कमर मे हाथ डाल दिया मेरा मस्त लंड उसकी पैन्टी से टकरा रहा था। रीमा बोली बेटा चल अब अपनी माँ को पूरा नंगा कर दे अब इस पैन्टी को कोई जरुरत नही है। अपनी अपनी माँ कि चूत की लाज का घूघंट उठा दे। तेरा भी मन कर रहा होगा अपनी माँ की चूत देखने का। मैंने रीमा को और अपनी तरफ खीच लिया और मेरे हाथ उसके चूतडो पर चल रहे थे। मेरे होठं रीमा के होठों के काफी करीब था। चल अब देर क्यो कर रहा है इस छोटी से पैन्टी की अब हमारे बीच कोई जरुरत नही है। वैसे भी पैन्टी काफी गीली हो गयी है और गीले कपडे नही पहनने चाहिये नही तो ठंड लग जाती है।

मैं रीमा की बात सुनकर मुस्कुरा दिया और बोला जब तुम्हारे बेटे के पास ये गरम लौडा है तो तुमको ठंड कैसे लगेगी। और आगे बढ कर उसके होठों का एक चुम्बन ले लिया। और बोला ठीक है माँ उतार देता हूँ तुम्हारी पैन्टी वैसे मैं भी अब चूत देखने को मरा जा रहा हूँ। फिर मैंने अपने हाथ उसकी कमर से निकाल कर नीचे झुक कर कुशन उठा कर सोफे पर रख दिया। और घुटनो के बल नीचे बैठ गया। और अपने हाथो से कमर पर उसकी पैन्टी पकड ली। फिर अपनी आँखे बंद कर ली क्योकी मैं पैन्टी उतार कर पुरे इत्मिनान से उसकी चूत देखना चाहता था।

और मैंने उसकी पैन्टी उतारनी शूरु कर दी। उसकी पैन्टी नायलान की थी। जैसे ही मैंने उसके कमर से पैन्टी को नीचे किया उसकी पैन्टी उसके चूतड मे फंस गयी। क्योकी उसके चूतड बहुत भारी इस लिये पैन्टी उसके चूतड से निकल नही रही थी। मैंने फिर जोर लगा कर उसकी पैन्टी को खीच दिया और एक झटके के साथ उसकी पैन्टी उसके चूतड से अलग हो गयी। फिर मैंने पैन्टी बिल्कुल नीचे तक खीच दी अव वह उसके पैरो पर पडी थी। मेरी आँखे अभी भी बंद थी और पैन्टी मैंने अपने हाथो मे पकड रखी थी। रीमा ने अपने पैर उठा कर पैन्टी मे से निकाल लिये। मैंने अपना सर नीचे करके अपनी आँखे खोल ली और पैन्टी को उठा कर अपनी नाक पर रख लिया।

उसकी पैन्टी की महक क्या मादक थी। उसको सुघंते ही मेरे लंड ने एक जबरदस्त झटका मारा। उसकी पैन्टी उसके चूत रस की महक से भरी हुयी थी। रीमा ने मुझे इसतरह से अपनी पैन्टी से खेलते देखा तो बोली बेटा हमारे पहले मिलन के समय पहने गये मेरे कपडे मैं अपने पास रखूंगी पर ये पैन्टी तू रख सकता है। आखिर तेरे पास भी तो कुछ होना चाहिये। मैंने फिर रीमा की पैन्टी लेकर उससे अपने लंड से बहते रस को साफ कर दिया। और फिर उस पैन्टी को और कपडो के साथ रख दिया।

मेरा मुँह अभी भी नीचे था मैंने रीमा से कहा माँ अब मैं सोफे पर बैठता हूँ और तुम मेरे सामने आकर खडी हो जाओ जिससे मे जी भर कर तुम्हारी चूत निहार सकूं। रीमा बोली ठीक है बेटा और मैंने अपनी आँखे बंद की और उठ कर सोफे पर बैठ गया। रीमा फिर मेरे सामने आ गयी और बोली लो बेटा देख ले अपनी माँ की चूत। मैंने अपनी आँखे फिर खोल ली। रीमा ने अपने पैर थोडे से खोल लिये थे और अपने हाथ अपने चूतडो पर रख लिये थे और तन कर खडी थी जिससे उसकी चूचीयाँ बाहर को निकल रही थी। और रीमा कि मस्ती का खजाना उसकी चूत मेरी आँखो के सामने थी।

अब मै पहली बार रीमा को पूरा नंगा देख रहा था। पूरी नंगी होकर रीमा किसी अप्सरा से कम नही थी। मेरी नजर उसकी चूत पर गयी। उसकी चूत बहुत ही सुन्दर थी। उसकी चूत के आस पास बहुत घने काले घुंघराले बाल थे। पर उसने

अपनी चूत की फांको के आसपास के बाल साफ कर रखे थे। उसकी चूत कुछ फूली हुयी थी और इतनी चटायी कराने के कारण गीली हो गयी थी। उसकी चूत के दोनो फांके थोडी खुली हुयी थी। जिस मे से उसकी चूत का दाना बाहर झांक रहा था। उसकी चूत का खुला मुँह इस तरह से लग रहा था जैसे कह रहा है आओ राजा तुम्हारे लंड के लिये मेरा मुँह खुला है घुसा तो अपना मुसल इसमे और कर दो इसकी कुटायी।

उसकी चूत मुझे चूदायी का खुला निमंत्रण दे रही थी। मैं थोडी देर उसकी चूत निहारता रहा फिर बोला माँ मैंने तुमको अब नंगा करके तुम्हारी चूत देख ली अब मुझको अपने नंगे चूतडो के भी दर्शन करा दो। रीमा बोली ले बेटा कर ले दर्शन चूतडो के कह कर रीमा घूम गयी और उसके होदे जैसे चूतड मेरी आँखो के सामने थे। उसने अपने हाथो को चूतडो से हटा कर अपनी कमर पर रख लिया था। उसके चूतड कुछ इस तरह से लग रहे थे जैसे दो रबर के बडे बडे गोलो को सटा कर रख दिया गया हो। उनके बीच की दरार मे रीमा कि गाँड का छेद छुपा था। उसके चूतड उसकी कमर से ऐसे बाहर निकले थे जैसे कोई पहाड की हो। और उस पर उनक सफेद संगमरमरी रंग उसकी सुन्दरता को चार चाँद लगा रहा था। उसके चूतड इतने चिकने थे कि कोई भी देखे तो फिसल जाये।

उसके चूतडो के नीचे से झाँकती उसकी चूत ऐसी लग रही थी जैसे कह रही हो राजा अगर चूतड इतने सुन्दर है तो मैं भी कुछ कम नही। और उनमे से निकलती उसके चूत रस और बदन की मिली जुली गंध किसी को भी मदहोश बना दे। मेरी हालत धीरे धीरे खराब हो रही थी। फिर मैंने कहा माँ अपने चूतड तो दिखा दिये अब अपनी गाँड भी दिखा दो। रीमा बोली मेरी गाँड देखेगा अपनी माँ की गाँड देखेगा मेरा लाल ले देख ले दिखा देती हूँ तुझे। यह कह कर रीमा थोडा आगे झुकी और अपने हाथो से अपने चूतड पकड कर उनको खीच कर अलग कर दिया। उसके इस तरह से आगे झुकने से उसकी चूत पूरी तरह से पीछे से दिखायी देने लगी।

मेरी नजर अब उसकी गाँड पर थी। उसकी गाँड का छेद उसकी चूतड खीचने के कारण काफी खुल गया था और उसके अंदर का लाल लाल भाग दिख रहा था। उसकी गाँड के आसपास का रंग थोडा गहरा भूरा था इसका मतलब था उसकी गाँड कयी बार चुदी है। और चुद चुद कर उसका छेद बडा हो गया था। उसकी चूत नीचे से झाँक रही थी और ऐसा लग रहा था जैसे कह रही हो तो तुमको मेरी बहन गाँड से भी प्यार मुझे इससे कोई फर्क नही पडता जब तक तुम मुझे और मेरी बहन को चोद चोद कर पूरा मजा देते रहो। हम दोनो बहनो मे बहुत प्यार है तभी तो हम दोनो हमेशा इतनी पास पास रहती है।थोडी देर मैं उसकी गाँड को निहारता रहा। रीमा ने इसी तरह खडे खडे पीछे मुड कर देखा और बोली बोल बेटा कैसी लगी तुमको अपनी नंगी माँ। मैंने कहा आओ माँ मेरी गोदी मे बैठो बताता हूँ। रीमा ने खडी होकर आकर मेरे लंड को हाथ से पकड पर नीचे किया और उसे अपने चूतड से दबा कर मेरे गले मे अपनी गोरी गोरी बाहो का हार डाल कर बैठ गयी। मैंने अपनी बाहे उसकी कमर मे डाल कर उसके चिकने बदन पर फिराने लगा और बोला माँ मेरी प्रेमिका मेरी रानी मैंने तुम्हारी कोख से जन्म नही लिया पर मन करता है कि काश मैंने तुम्हारी कोख से जन्म लिया होता तुम्हारी जैसी सुंदर माँ कौन नही चाहता।

मेरी बात सुनकर रीमा बोली लगता है मेरे लाल को अपनी नंगी माँ बहुत पंसद आयी। तुम्हारी चूत बहुत सुन्दर है तुम्हारे मम्मो का उभार कातिलाना है। तुम्हारी नंगी चिकनी टांगे मस्त है। और सबसे सुन्दर तुम्हारे चूतड है। तो मेरे बेटे को माँ के चूतडो से प्यार हो गया है। मैंने कहा हाँ माँ बहुत। ठीक है कभी तेरे को पुरे दिना अपने चूतड से खेलने दूगी तब मस्त होकर प्यार कर लेना उनसे। अब बोल क्या इरादा है। नंगा तो कर लिया अपनी माँ को आगे क्या करेगा। मैंने बोला माँ मुझको अब तुम्हारी चूत चोदनी है अपनी पहली चूत अब मुझसे बिल्कुल भी नही रहा जा रहा।

रीमा बहुत बडी रंडी थी उसको पता था कब क्या करना है। उसने मेरे से कहा बेटा तेरा लंड तो इतनी देर से खडा है इसलिये गुस्से मे आ गया है और फूल कर काफी मोटा हो गया है। अगर मैंने इससे चुदवाया तो मेरी तो चूत फट जायेगी मैं तो नही चुदवाउगी इससे। मैंने कहा माँ ऐसे मत कहो देखो मे तुमको

इतनी देर से मजा दे रहा हूँ अब तुम भी तो मुझे मजा दो। बेटा मैं भी चाहती हूँ कि मैं तुझको मजा दू पर क्या करू तेरा मुसल देख कर मुझे डर लग रहा है। मैंने कई मर्दो से चुदवाया है पर किसी का भी लंड को इतनी देर तक खडा नही रखा तेरा तो लोहे की रॉड हो गया है इस गर्म रॉड से चुदा लिया तो मेरी चूत के तो चिधडे उड जायेगे बेटा।

माँ मुझे ऐसे मत तडपाओ अपने बेटे की हालत पर तुमको बिल्कुल भी तरस नही आता। रीमा बोली ठीक है बेटा तेरे लिये मैं अपनी चूत कुर्बान कर देती हूँ। लेकिन तेरा लंड एकदम सुखा है पहले इसका कुछ करना होगा तू यही बैठ मै तेल लेकर आती हूँ तेरे लंड पर तेल लगा दूंगी तो थोडा चिकना हो जायेगा फिर शायद मेरी चूत फटने से बच जाये। मैंने कहा हाँ माँ लगा तो तेल एकदम चिकना कर दो इसको मैं तुम्को अपने चिकने लंड से धीरे धीरे चोदूगां तुम्हारी चूत फटने नही दूगां। फिर रीमा ने मुझको गाल पर चूम लिया और उठ कर बेडरुम कि तरफ चल दी। उसके उठने से मेरा लंड एकदम स्प्रिगं की तरफ उछल कर खडा हो गया। रीमा अपने चूतड मटकाते हुये चली गयी। और थोडी देर बाद तेल कि शीशी लेकर बाहर आ गयी।

फिर मेरे पास आकर बोली ला बेटा तेरे लंड पर तेल लगा कर इसको थोडा चिकना कर देती हूँ। और मेरी टांगो के बीच घुटनो के बल बैठ गयी। तेल कि शीशी खोल कर उसने थोडा तेल अपने हाथ मे लिया और शीशी नीचे रख दी। अपने हाथ के तेल को उसने जमकर मल लिया और आगे बढ कर पहले मेरे मदमस्त लंड का एक चूम्बन ले लिया। फिर उसने अपने हाथ बढा कर मेरा लंड अपने हाथ मे लिया। उसके कोमल और मुलायम हाथो मे आते ही मेरा लंड उछलने लगा। मेरे लंड पर अभी भी पेटीकोट का नाडा बंधा था नही तो कबका झड गया होता। रीमा ने मेरे लंड को अपने एक हाथ मे पकड लिया और दुसरे हाथ से उसको पुचकारने लगी। ऐसा करके वह अपने हाथ मे लगा तेल मेरे लंड पर लगाने लगी। उसके हाथो के प्यार भरे स्पर्श और ठंडे तेल की वजह से मेरे लंड को थोडा आराम मिला।

एक हाथ से पुचकारते हुये रीमा ने लंड के एक तरफ पूरी तरह से तेल लगा दिया। फिर लंड को दुसरे हाथ से पकड लिये और पुचकारते हुये लंड के दुसरी तरफ भी तेल लगा दिया। रीमा लंड पर तेल लगाते हुये बोली अब इस पर तेल लग जायेगा तो बडा चिकना हो जायेगा फिर शायद मेरी चूत फटने से बच जाये। थोडी देर पुचकारते हुये तेल लगाने के बाद रीमा ने एक हाथ मे मेरे लंड को पकड कर पुरे लंड पर फिसलते हुये तेल लगाने लगी और फिर दुसरे हाथ से भी ऐसा ही करती। इस तरह से तेल लगाने से लंड की गर्मी और बढ गयी और मेरा लंड रीमा के हाथो मे और फूलने लगा। मेरे लंड की सारी नसे दिख रही थी। मेरे लंड कि हालत ऐसी थी जैसे किसी गुस्सैल सांड की होती है।

रीमा मेरे लंड को फुलते देख कर बोली हाय रे मेरे हाथो से खेल कर तेरा लंड तो और भी बडा हो गया। लगता है आज मेरी चूत फट ही जायेगी लगता है इस पर और तेल लगाना पडेगा कह कर उसने और तेल अपने हाथ मे ले लिया और उसे मेरे लंड पर चुपडने लगी उसके हाथ मेरे लंड पर जादू कर रहे थे और अब मै बिल्कुल भी नही रुक सकता था और उसको जम कर चोदना चाहता था। रीमा ने मेरे लंड की उपर की खाल उतार कर उसका सुपाडा बाहर निकाल लिया और उस पर भी तेल चुपडने लगी। फिर रीमा तेल चुपडते हुये बोली अच्छा हुया बेटा तु पहली बार मेरी चूत मे लंड डालेगा अगर किसी कमसिन को चोदता तो वह तो मर ही जाती। अब अगर आज मेरी चूत बच गयी फटने से तो मैं तेरे को सब कुछ सिखा दूंगी। मैंने रीमा से कहा माँ अब तो तेल पुरी तरह से लग गया है मेरे लंड पर अब तो मुझे चोदने दो तुम्हारी चूत अब मुझसे बिल्कुल नही रहा जा रहा।

ठीक है बेटा अब चोद ले माँ को और बन जा मादरचोद। कह कर मेरे लंड को एक आखरी बार तेल लगाया और उठ कर खडी हो गयी। मैंने अपने लंड के नाडे को खोलने की कोशिश करने लग क्योकी जब तक नाडा बंधा था मे झड नही सकता था। पर डबल गांठ लगी होने के करण नाडा खुल नही रहा था। रीमा ने मुझे नाडा खोलने की कोशिश करते हुये देख लिया और बोली बेटा ये क्या कर रहा है इस अभी बंधा रहने दे और मुझे चोद जब तु अच्छी तरह से एक घंटा मुझे चोद लेगा उसके बाद मैं खुद इसको उतार दूंगी। इसको खोल

देगा तो जल्दी झड जायेगा और चुदायी का पूरा मजा नही ले पायेगा। मैंने कहा तुम ठीक कहती हो माँ। फिर रीमा ने तेल की शीशी उठा कर मेज पर रख दी।

फिर मैंने रीमा से कहा माँ तुम कालीन पर लेट जाओ अब मै तुमको चोदूगाँ। रीमा बोली नही बेटा तू यही सोफे पर बैठ जा मैं खुद तेरे लंड पर बैठ कर धीरे धीरे तेरे लंड को अपने अंदर लीलूगीं। इतना मोटा लंड है धीरे धीरे अपनी चूत के अंदर लूगी और चुदाने से पहले एक एक इन्च लंड का पूरा मजा लूंगी। फिर मैं सोफ़े पर अपनी टाँगे जोड कर बैठ गया और रीमा अपनी दोनो मेरी टाँगो के दोनो तरफ करके खडी हो गयी जिससे मेरी टाँगे उसकी टाँगो के बीच आ गयी। मेरी नजर तो उसकी चूतडो पर थी रीमा ने झुक कर अपनी टाँगो के बीच से हाथ डाल कर मेरा लंड पकड लिया और मुझे रीमा की गाँड दिखायी देने लगी। मैंने झट से आगे बढ कर उसकी गाँड को चूम लिया। मेरे चूमते ही रीमा के मुँह से एक आह निकल गयी और वह बोली बेटा अगर तुम इसी तरह मेरी गाँड को प्यार करते रहोगे तो मैं तुमहारे लंड से नही चूदा पाउंगी पहले मेरी चूत चोद कर इसका मजा ले लो फिर मेरी गाँड के भी मजे ले लेना मैं कही भगी थोडी जा रही हूँ।रीमा कि बात सुन कर मैंने अपना मुँह रीमा की गाँड से हटा लिया। और अपनी पीठ सोफे पर लगा कर बैठ गया। रीमा ने मेरा लंड की खाल को पीछे कर के अपनी चूत का मुँह मेरे लंड पर रख दिया। उसकी चूत बहुत ही गर्म थी। फिर उसने अपना सर पीछे घुमाया और बोली बेटा अब तेरा लंड तेरी पहली चूत मे जाने के लिये तैयार है तू आराम से बैठ और चूत के मजे ले। कह कर रीमा ने अपने चूतडो को थोडा सा दवाब दिया जिससे मेरे आधा सुपाडा चूत के अंदर घुस गया। मेरे लिये तो यह बिल्कुल नया अनुभव था। उसकी चूत की गर्मी मुझे पागल कर दिया था। फिर उसने अपने चूतडो को थोडा और जोर से दबाया जिससे मेरा पूरा सुपाडा उसकी चूत मे घुस गया।

रीमा बोल पडी हाय रे बडा मोटा सुपाडा है रे तेरा। उसकी चूत भी बहुत गर्म थी मुझे ऐसा लगा ही मेरा सुपाडा किसी तंदूर पर रख दिया गया हो। फिर रीमा धीरे धीरे अपने चूतडो को दबाते हुये मेरे लंड पर बैठने लगी। और एक एक इन्च करके मेरे लंड को अपने अंदर लेने लगी। रीमा के मुँह से बराबर करहाने की आवाज निकल रही थी। एक हाथ से रीमा ने मेरा लंड पकड रखा था दुसरे

हाथ से अपनी चूत की फाँको को फैला कर मेरे लंड हो लील रही थी। जब मेरा आधा लंड उसकी चूत मे घुस गया तो रीमा रुक गयी और बोली बडा मोटा है रे तेर लंड मेरे राजा मैं इतनी बडी रंडी इतने लंड लील चूकी हूँ पर फिर भी तेरा लंड मेरी चूत मे कितना फंस फंस के जा रहा है। मुझे ऐसा लग रहा है जैसे कोई मेरी चूत पकड कर खीच रहा हो जैसे फाड ही डालेगा।

अच्छा हुआ मैंने तेल चुपड दिया था तेरे लंड पर नही तो ये मुसल तो मेरी चूत फाड ही डालता। मैं रीमा की बात सुनकर मस्त हो रहा था। उसकी चूत की गर्मी मेरे लंड हो जला रही थी पर मस्ती मे भरा मैं उसकी ओखली मे अपना मुसल देने को तैयार था। रीमा ने मेरे लंड को अभी भी पकड रखा था और अपने चूतडो को धीरे धीरे हिला रही थी। जिससे मेरा लंड फंस कर उसकी चूत के अंदर बाहर हो रहा था। इससे मुझे थोडा मजा आ रहा था पर मैं अपना पूरा लंड उसकी चूत मे डाल कर जोर जोर से उसको चोदना चाहता था। मैंने अपने हाथ रीमा की कमर पर रख दिये और बोला माँ पूरा लंड अपनी चूत मे डाल लो। यह कह कर मैं भी अपने हाथो से जोर लगा कर अपना लंड उसकी चूत मैं डालने की कोशिश करने लगा।

रीमा बोली रुक जा बेटा डालती हूँ बाकी का लंड भी कह कर उसने फिर धीरे धीरे अपने चूतडो को दबाना शुरु कर दिया और मेरा लंड उसकी चूत मे घुसने लगा जब २ इन्च लंड बाहर रह गया रीमा ने अपना हाथ मेरे लंड से हटा कर मेरे पैरो पर रख दिया और कसके पकड कर एक जोरदा धक्का अपने चूतडो से मारा। मेरा लंड एकदम से उसकी चूत मे घुस गया और उसके मुँह से चीख निकल गयी और बोली हाय रे मर गयी। मैंने पुछा क्या हुया माँ रीमा ने कहा लगता है फट गयी मेरी चूत बेटा कह कर रीमा ने अपना हाथ लंड और चूत जहाँ पर मिल रहे थे लगा कर देखा बोली खून नही है बच गयी।

मुझे पता था की रीमा यह सब मुझे और भी उत्तेजित करने के लिये कर रही है। फिरे रीमा ने अपनी पीठ मेरी छाती पर टिका दी और अपना सर घुमा कर अपने होठ मेरे होठो पर रख दिये और उनको चुमने लगी। मेरा लंड पूरा उसकी चूत मे समा चुका था और उसकी चूत ने कस के मेरे लंड को जकड लिया था।

उसकी चूत इतनी बार चुद चुकी थी पर मेरे को बहुत कसी लग रही थी। मैं रीमा की कमर पकड कर उसके होठ चूसे जा रहा था। थोडी देर मस्त चुम्बन लेने के बाद रीमा ने पूछा बोल बेटा कैसा लग रहा है अपना लंड मेरी चूत मे घुसा कर। बहुत अच्छा लग रहा है माँ अब चोदो मुझे। कह कर मैंने अपने हाथ उसकी बांहो के नीचे से डाल कर उसके मम्मे पकड लिये। रीमा ने अपनी कमर को धीरे धीरे घुमाना शुरु कर दिया जिस कि वजह से मेरा लंड उसकी चूत की दिवारो से रगड खाने लगा और एक अजीब मस्तानी थी सन्सेसन होने लगी।

मैंने भी उसके मम्मो पर धीरे हाथ फिराते हुये मसल रहा था। मेरे मम्मो के मसलने से और मेरे लंड की रगडाहट से रीमा की मस्ती बढ गयी थी और उसकी चूत ने फिर से रस के बाँध का मुँह खोल दिया था। और उसकी चूत फिर से गीली हो चली थी। उसकी चूत के गिले होने से मेरे लंड और उसकी चूत की दिवार के बीच का घर्षण कुछ कम हो गया था। और उसकी कमर भी जोर जोर से चल रही थी और उसके मुँह से करहाने की आवाज आने लगी थी। फिर मैंने उसकी घूंडी पकड कर खीच दी। रीमा एक दम दर्द से बिलबिला उठी बोली हाय रे क्या करता है बेटा लगता है तुझे मेरी चूचीयां इतनी पंसद है की इनको उखाड ही लेगा। माँ अब और मत तडपाओ चोदो ना मुझे अब मुझसे बिल्कुल भी नही रहा जा रहा।

रीमा बोली क्यो बेटा जब मुझको तडपा रहा था तो कुछ नही अब अपनी बारी आयी है तो रो रहा है। तू मुझे ऐसे ही चोदेगा जैसे मे चाहुँगा समझ गया बैठ रह चुपचाप जरा इस मोट लंड को मेरी चूत से थोडी बातें तो कर लेने दे आखिर मेरी चूत और तेरा लंड भी माँ बेटे है इतने दिनो बाद मिले है दोनो को जी भर के जरा गले तो मिल लेने दे फिर ये दोनो भी जम कर चुदायी करेंगे। वैसे भी मुझे ऐसे अपनी चूत मे तेरा लंड लेकर रगडने मे मजा आ रहा है। तेरे लंड का सुपाडा मेरी चूत मे रगड कर मुझे बहुत मजा दे रहा है। वैसे भी तीन बार झड चूकी हूँ और अबकी बार करीब १ घंटा चुद कर चुदायी का मजा लूगी उसके बाद ही तुझे मजा देने का सोचूगी। अब मेरी बारी है तेरे को तडपाने की पूरा गिन गिन कर बदला लूंगी तुझसे।उसकी बात सुनकर तो मेरे होश ही उड गये पहले ही करीब ढायी घंटे हो चुके थे मेरे लंड को इसीतरह खडे हुये और १

घंटे के बात सुनकर मैंने सोचा मैं पागल ही हो जाउंगा। पर मैं कर भी क्या सकता था अब मेरा लंड रीमा की महरबानी पर था। मैंने सोचा अगर जल्दी से झडना है तो पहले रीमा को झडाना पडेगा और इसके लिये उसकी और गर्म करना जरुरी था फिर उसको गर्म करने के लिये मैंने उसके मम्मे दोनो हाथो से कस कर मसलते हूये उसकी गर्दन पर चुम्बनो की बरसात कर दी। मेरे ऐसा करने से उसकी मस्ती बढने लगी और उसने अपने चूतड जोर जोर से घुमाने शुरु कर दिये उसके चूतड घुमाने से उसके चूतडो की बडी बडी गोलाइयाँ मेरे पेट और जांघो से टकरा रही थी।

और कभी कभी रीमा अपने चूतड रोक कर जोर से नीचे दबा देती थी जिससे उसके चुतडो के संपोज मेरे बदन से चिपक कर फैल जाते थे। उसे भी शायद अपने चूतड मेरे बदन से रगडने मे मजा आ रहा था शायद मैं पूरा मस्त हो रखा था। जब से रीमा ने अपने चूतडो को घुमाने की रफतार बढा दी थी तब से मुझे भी उसकी चूत मे होने वाली रगडाहट से मजा आने लगा था। रीमा ने जोर जोरे चिल्लाना शुरु कर दिया था। हाय रे बेटा तेरा लंड रगडने बहूत मजा आ रहा है मेरी गीली चूत मे तेरा लंड क्या गोल गोल घूम रहा है। हाँ साले दबा इसी तरह मेरे मम्मो इनको बहुत जरुरत है इसकी। मसल डाल इनको मेरा लाल फिर से लाल कर दे इनको मसल कर। बहुत खुजली होती है मेरी चूत मे इनको मसलवाने से।

लगा रह इसी तरह मेरे बदन के साथ। गर्दन भी चूमने लगा हरामी मार डालने का इरादा है क्या अपनी माँ को मस्ती मैं जो भी कर ले तेरे से १ घंटे चुदवाये बिना मैं तेरा को झडने नही दूंगी। उसकी बात सुनकर मैं समझ गया रीमा मुझे अच्छी तरह से तडपाये बिना नही छोडेगी अगर ऐसा है तो क्यो ना मजा लिया जाये जैसे वो मुझको देना चाहती है। ये सोच कर मैंने रीमा से कहा मैं वही करूगां जो तुम कहोगी मुझे भी अब तुम्हारे इस खेल मे मजा आ रहा है और मुझे पता है की तुम जो भी करोगी मजेदार ही होगा। तु चिंता मत कर बेटा जो भी मैं करूगीं उसमे मुझे मजा ही आयेगा। और उसने यह कर अपने चूतडो को रोक कर उसके घुमाने की दिशा बदल दी। पहले दाँये से बाँये घुमा रही थी अब बाँये से दाँये घुमाने लगी।

अब मैंने भी उसके पूरे बदन को अपने हाथे से छूना चाहता था इसलिये उसकी पीठ और गर्दन का चुम्बन लेने के साथ साथ मैंने एक हाथ मैंने उसकी कमर पर फिराना शूरू कर दिया। एक हाथ अभी भी मम्मो पर था। उसके चूतडो के घुमने से मूझे ऐसी मस्ती चढी की मैंने उसकी कमर के माँस को हाथ मे लेकर कस कर मसल दिया। रीमा चीख पडी और बोली हाय रे क्या करता है रे बेटा मम्मो के साथ साथ मेरे बदन के का भी भुर्ता बनायेगा क्या। कर कर और कर मुझे भी इन सब मैं बहूत मजा आता है। पूरा मजा ले मेरे बदन का नही तो बाद मे कहेगा माँ ने पूरा मजा भी नही दिया और तेरे लंड की माँ भी मुझे गलियां देगी।

अभी भी अपने बेटे से मिल कर देख कितना भाव विभोर हो रही है। उसक आँसू पानी बन कर चूत से निकल रहे है। रीमा कि बांते बहुत मस्तानी थी और मै उसके मस्तानी बाते सुनता हुआ उसके मस्ताने बदन को टटोल रहा है। मेरे हाथ उसके बदन पर चल रहे थे रुक रुक कर मैं उसके बदन का कोई भी हिस्सा पकड कर मसल देता था। मेरी मस्ती चरम सीमा पर थी पर मुझे पता था की मैं अभी झड नही सकता धीरे धीरे इस हालत मे मुझे मजा आने लगा था। इस तरह रीमा को चूतड घुमाते काफी देर हो गयी थी और कई बार वह अपने चूतड घूमाने की दिशा बदल चूकी थी। उसकी चूत भी अब रस से भर चुकी थी और उसका चूत रस मेरे लंड पर से बहता हुआ मेरे बॉल्स और जाँघ को भीगो रहा था।

रीमा बोली बेटा अब बहुत देर मिल लिये ये माँ बेटा अब मेरे को भी इस लंड के धक्के खाने का मन कर रहा है। चोदो ना फिर उछल उछल कर चोदो अपनी चूत को मेरे लंड से ठी है बेटा तू मेरी चूचीयां मसल मैं तेरे लंड से चूदाती हूँ। फिर रीमा ने एक आखरी चक्कर लगा कर अपने चूतड को दबा दिया और मैंने भी अपने हाथ उसके मम्मो पर रख दिये और प्यार से उसे सहलाने लगा। रीमा मस्ती मे थी बोली साले गाँडू सहला नही मसल डाल इनको कह कर रीमा ने धीरे धीरे मेरे लंड पर उछलना चालू कर दिया। उपर नीचे करते हुये मेरा लंड उसकी चूत के आंदर बाहर होने लगा और यह अहसास मेरे लिये अब तक का

सबसे अच्छा था। ये मेरी सबसे पहली चुदायी थी और वह भी ऐसी औरत से जिसे मैं माँ कहता हूँ।

पर ये सोच कर की मैं अपनी माँ को चोद रहा हूँ ने मेरी मस्ती और बढा दी और मुझसे रहा नही गया और मैने अपनी पूरी ताकात से उसकी चूचीयाँ पकड कर मसल डाली। हाँ ऐसे ही मेरे राजा ये हुयी ना कुछ बात। अब रीमा ने अपनी स्पीड थोडी सी बढा दी और उछल उछल कर मेरे लंड को अंदर ले रही थी उसके चूतड उछालने से चूतड मेरी जाँघो पर जोर जोर से लग रहे थे जिससे फट फट की आवाज हो रही थी। उसने अपना एक हाथ उठा कर मेरे गले मे लपेट लिया जिससे उसकी चिकनी पीठ मेरी छाती से रगड खाने लगी। उसकी चिकनी माँसल पीठ मेरे से रगड खा रही थी।

उसकी चिकनी पीठ की रगड से होती सनसनाहट और उसके चूतडो के मेरी जाँघ से टकराने के कारण होती फट फट की आवाज से गूंजता चूदायी संगीत मेरे को मदहोश कर रहा था। फिर मैंने अपने होठ उसके होठों पर लगा दिया और उनको चूसने लगा उसके होठो का रस बहुत ही मीठा था। होठ चुसाने के बाद रीमा बोली बेटा मजा आ रहा है माँ से चुदायी कराने मे ये तेरी पहली चुदायी है और ये तेरी माँ इसको यादगार बनाना चाहती है। रीमा की बात सुनकर मेरी मस्ती और भडक उठी और मैंने उसके होठ अपने होठों बे दबाये और उनको चूसते हुये मम्मो की जबरदस्त कुटायी जारी रखी। रीमा भी अपने मुँह की लार मुझे पीलाती हुयी जोर जोर से अपने चूतडो को उछाल रही थी।
उसकी चूत चूची मर्दन और होठों को चूसने के कारण फिर से मदमस्त हो चुकी थी और रस की धारा बहा रही थी। उसकी चूत गीली हो जाने की वजह से मेरा लंड उसकी चूत मे आसानी से आ जा रहा था। जैसे तेल लगा पिस्टन आसानी से फिसलता है। मैं भी कभी कभी अपने चूतड जोर से उपर उछाल देता था जिससे उसके चूतड और भी जोर से मेरी जाँघो से टकराते थे जो मुझे बहुत अच्छा लगता। फिर हम दोनो ने चुदायी इसी तरह जारी रखी हम दोनो चुदायी की मस्ती मे चूर थे। बीच बीच मे रीमा अपना होठ छुडा लेती और और जोर से मुझे मम्मो को मसलने के लिये उकसाती और जोर से बेटा मसल डाल उखाड

ले इनको मेरे बदन से राजा। और फिर से अपने होठ मेरे होठो मे दे देती और मैं उसके होठों को जीभ से चाटने और चूसने मे लग जाता।

हमारी चुदायी इसी तरह कुछ १०-१५ मिनट तक चलती रही। रीमा के मम्मे कुटायी करा कर पुरे गुलाबी रंग ले हो गये थे। रीमा और मै दोनो पसीने मे तर हो गये थे। उसके पसीने की गंध मुझे और पागल बना रही थी। फिर रीमा ने कहा बेटा अब इस तरह चुदायी और चूची मसलवायी कराते हुये बहुत देर हो गयी है चलो अब कुछ दुसरी तरह से चूदायी करते है। अब मैं सीधी हो कर तुम्हारे लंड पर बैठती हूँ जिससे तुम मेरे मम्मो को चुसते हुये मेरी चुदायी कर सकते हो। कह कर रीमा ने आखरी चुम्मा लिया और उठ कर खडी हो गयी। उसके चूत का रस उसकी चूत से निकल कर उसकी जाँघो पर बह रहा था। जैसे ही रीमा पलटी तो उसकी गीली चूत जिसका मुँह चुदायी के कारण खुला हुआ था और उसका रस उसकी भारी माँसल जाँघो पर बह रहा था दिखायी पडा। मुझसे बिल्कुल भी रुका नही गया और मैं रीमा से बोला माँ मुझे अपने इस रस को चाट कर पी लेने दो फिर चुदायी करगें। मैं इसको इसतरह बर्बाद नही होने देना चाहता।

रीमा ने कहा ले बेटा कर चाट ले मेरा रस कर ले अपनी इच्छा पूरी। इसके बाद रीमा मेरे सामने अपने हाथ अपने चूतडो पर रख कर खडी हो गयी और अपनी टाँगो को थोडा सा फैला लिया। मैंने आगे बढ कर अपने हाथ उसकी चिकनी माँसल जाँघो पर रख दी और अपना मुँह उसकी जाँघो के बीच घुसा दिया और सबसे पहले उसकी चूत का एक चुम्बन लिया। फिर अपनी जीभ निकाल कर उसकी जाँघो पर लगा चूत रस चाटने लगा। रीमा प्यार से अपने एक हाथ से मेरे बालो को सहलाने लगी। थोडी देर मे मैंने उसकी दोनो जाँघो से रस चाट कर साफ कर दिया और चूत पर भी जीभ फिरा कर उस पर लगा रस भी पी गया। चूत पर जीभ लगाने से रीमा के मुँह से सिसकारी निकल गयी।

अच्छी तरह से चूत रस पी लेने के बाद मैंने रीमा से कहा माँ आओ बैठ जाओ मेरे लंड पर रीमा बोली बेटा अगर इसी तरह हम दोनो का रस बहता रहा तो सोफे पर निशान पड जायेगा। ला तु मुझे मेरा पेटीकोट दे दे मैं इसको बिछाती

हूँ तू इसपे बैठ जाना जिससे सोफे पर निशान नही पडेगा। मैंने रीमा को पेटीकोट उठा कर दे दिया। और रीमा के बगल मे खडा हो गया। रीमा उसकी तह बनाने लगी और मैंने अपने हाथ उसके चूतडो पर रख कर उनको सहलाने लगा। रीमा ने तह बना कर सोफे पर रख दिया और बोली बेटा अब चूतड छोड और आकर बैठ जा और माँ की चूत का मजा ले। मैं सोफे पर आ कर बैठ गया। रीमा ने अपने पैर मेरे पैरो के दोनो और जमाये और मेरा लंड पकड कर थोडा झुक कर अपनी चूत के मुहाने पर रख दिया।

रीमा ने अपने हाथो से मेरे लंड के सुपाडे को थोडा दबा कर अपनी चूत मे फंसा लिया। और अपने घुटने उठा कर सोफे पर रख दिये। मैंने उसकी कमर पकड कर जोर से उसके चूतडो को दबा दिया। मेरा लंड सट के साथ उसकी चूत मे घुस गया। चूत बहुत गीली थी इसलिये बडी आसानी से चूत मे घुस गया। उसने अपनी टाँगो को और फैला लिया जिससे मेरा लंड पूरा उसकी चूत मे घुस गया। मैंने अपना एक हाथ उसकी कमर मे लपेट कर उसकी कमर और चूतडो पर फिराने लगा। दुसरे हाथ से उसकी चूची पकड कर मसलने लगा। रीमा ने धीरे धीरे अपने चूतड हिलाने शुरु कर दिये जिससे मेरा लंड अंदर बाहर होने लगा। रीमा ने फिर अपने चूतड उछालने शुरु कर दिये और बोली बेटा अब जरा मरी इन चूचीयो को चूस ले तेरी कुटायी से बेचारीयों की हालत खराब है।

मैंने कहा माँ मुझे चुदायी करते वक्त तुम्हारी चूचीयो को मसलने मे मजा आ रहा है। इनको मसलने दो न माँ। रीमा बोली ठीक है बेटा मसल ले पर जब मैं तुझे झडा दूगी उसके बाद चुम और चाट कर मेरे मम्मो को प्यार करना नही तो आगे से इनको हाथ नही लगाने दूँगी। मैंने फिर उसकी चूची को मसलते हुये दुसरे हाथ से उसकी कमर और चूतड मसलने शुरु कर दिये। रीमा ने अपन पेट कर कर मेरे पेट से सटा कर जबरदस्त चुदायी शुरु कर दी। ऐसा करने से उसकी चूत का दाना मेरी झाँटो से रगड खाने लगा। इससे रीमा की हालत बिगड गयी और जोर जोर से गालियाँ बकते हुये अपने चूतड उछालती रही।

इस जबरदस्त रगडायी चूतड मसलवायी और चुत के दाने की रगडायी होने के कारण रीमा अपने होश खो बैठी और झडने के करीब आ गयी। और जोर जोर

से चिल्लाते हुये बोली हो मेरे राजा हाय रे मैं तो फिर से झडने पर आ गयी से लाल मसल दे मेरा बदन बस अब गिरने वाला है मेरा बस अब मैं छुटने वाली हूँ। और जोर जोर से उछलने लगी। मैंने भी उसके चूतड अपने दोनो हाथो मे पकड लिये और जोर जोर से उन्हैं अपने लंड पर पटकने लगा। मेरे लंड भी चूत की दिवारो से रगड रगड कर लाल हो गया था और खलास होना चाहता था। हाय रे बेटा मैं झडने वाली हूँ बेटा मेरा पानी निकल रहा है रे मेरे लाल मुझे अपनी बहों मे भर ले बेटा कह रीमा ने एक आखरी धक्का और मारा और कस कर मुझको अपनी बाहों मे जकड लिया। मेरा सर उसने अपनी चूचीयो मे दबा लिया और मैंने भी उसकी चुतडो के अपनी बाहों मे जकड लिया।

रीमा बहुत ही जबर्दस्त झड रही थी। और उसकी आँखे बिल्कुल बंद थी और उसके चूतड धीरे धीरे झडने का मजा लेते हुये हिल रहे थे। उसकी साँस ऐसा लग रहा था की जैसे रुक गयी हो। रीमा इसी तरह मुझको जकडे हुये कुछ देर तक पडी रही और फिर धीरे धीरे उसका बदन ढीला पड गया। और उसने मुझे अपनी पकड से आजाद कर दिया। उसके झडने से मेरी पुरी जांघ उसके रस से भींग गयी और रीस कर पेटीकोट तक जा रही थी। उसके चूत से निकला रस और हमारे पसीने कि मिली जुली गंध वातावरण को मादक बना रही थी। जब थोडी देर बाद वह शांत हुयी तो मैंने कहा माँ अबकी बार तो तुम बहुत जबर्दस्त झडी हो। रीमा बोली हाँ बेटा बहुत मजा आया और कह कर मेरे पूरे मुँह पर चुम्बनो की बरसात कर दी।हाय रे बेटा आज तो बहुत दिनो बाद तेरी माँ को इतना मजा आया है। मैंने कहा माँ मेरे को भी तुमको चोदने मे बहुत मजा आ रहा है। रीमा ठीक है बेटा अब एक दुसरे आसन मे मैं तुझसे चूदाती हूँ। कह कर रीमा मेरे उपर से खडी हो गयी और मेरे लंड को देखने लगी। मेरे लंड का सुपाडा इतनी देर तक खडा रहने के कारण थोडा बैगनी रंग का हो गया था पर एक दम पत्थर की तरह खडा था। मेरे लंड रीमा के रस से भीगा हुआ था। रीमा ने मेरे लंड को देख तो बोली बेटा तेरे लंड रस से सना हुआ है ला इसको चाट कर मैं साफ कर दूँ। कह कर रीमा मेरे सामने घुटनो के बल बैठ गयी और अपने दोनो हाथ मेरी जांघो पर रख कर अपनी जीभ निकाल कर मेरे लंड को चाटने लगी।

उसके इसतरह मेरे लंड को चाटाने से उसकी चूचीयां लटक गयी थी और उसकी घुडीयां मेरी जाँघो पर रगड खा रही थी। मैं अपनी आँखे बंद कर के लंड चाटे जाने का मजा ले रहा था। रीमा ने इसी तरह अपनी चूचीयां मेरे उपर रगडते हुये मेरे लंड को चाट कर पुरा रस को पी लिया। रीमा बोली बेटा अब मैं नीचे लेटती हूँ और तुम मुझ पर चढ कर मुझको चोदो। कह कर रीमा मेरे सामने नीचे कालीन पर लेट गयी और अपने पैर उठा कर उपर कर लिये अपने हाथ जाँघो से पकड उनको चौडा कर लिया जिससे रीमा की सुन्दर गोरी चूत पूरी तरह खुल कर मरे सामने आ गयी। उसकी चूत का मुँह खुला हुआ था और अंदर का लाल भाग साफ दिखायी दे रहा था। मेरे को यह पुरा खुला निमंत्रण था।

उसकी चूत के नीचे उसके हौदे जैसा चूतड फैल कर और चौडा हो गया था और उसकी गुलाबी गाँड नीचे से दिखायी दे रही थी। रीमा बोली आ बेटा आ अब चोद दे अपनी माँ को मादर चोद कही का। ले मैं अपने हाथो से अपनी चूत की फांके खोलती हूँ तु घुसा दे अपना लंड इसमे और फाड दे मेरी चूत चोद चोद कर। कह कर रीमा ने अपने हाथ अपनी चूत पर रखे और अपनी चूत के लिप्स अपने हाथो मे पकड कर खोल दिये जिससे उसकी मस्त गुलाबी चूत साफ दिखायी देने लगी। ये नजारा देख कर मुझसे बिल्कुल नही रहा गया और मैं अपने घुटने उसके चूतडो के दोनो और जमा कर अपना लंड हाथ मे लेकर उसकी चूत के मुहाने पर लगा दिया।

रीमा बोली बेटा अब आगे बढ कर मेरी चूची पकड कर लगा दे धक्का और अपना लम्बा लंड मेरी गहरी चूत मे उतार दे। मैंने आगे बढ कर रीमा की दोनो बडी बडी चूचीयां अपने हाथो मे पकड कर अपने घुटनो को थोडा और आगे बढा कर उसके चुतडो के दोनो और जमाते हुये अपने चूतड हिला कर एक जोरदार धक्का दे मारा। मेरा धक्का इतना करारा था कि एक ही वार मे मेरा लंड उसकी चूत की जड तक उतर गया। हाय रे धीरे बेटा इतनी जोर से धक्का मरा रे तुने दुखता है बेटा धीरे धीरे करो। तेरा लंड तो एक दम मुसल है माना मैं रंडी हूँ और इतने लंड खा चुकी हूँ पर रोज रोज तेरे जैसे मुसल थोडी ही ना मिलते है। धीरे धीरे चोद कर माँ की चूत का मजा लो बेटा।

मैंने कहा ठीक है माँ धीरे धीरे करुंगा। रीमा ने अभी भी अपने हाथो से अपनी चूत के द्वार खोल रखे थे। मैंने कहा माँ अपने हाथ हटा लो जिससे मैं तुम्हारी चूदायी कर सकूं। रीमा ने अपने हाथ अपनी चूत से हटा कर अपनी जाँघो को पकड लिया। अब मेरा पूरा लंड उसकी चूत की जड तक समा गया था और मेरी जाँघे उसके चूतडो से टकरा रही थी और मेरी बाल्स उसकी गाँड से लग रही थी। मैंने कहा माँ तुम इस पोज मे कितनी सुंदर लग रही हो तुम्हारा गोरा बदन मुझको मस्त कर रहा है। हाँ बेटा पर अब मेरा मन चुदने को कर रहा है चोद डाल बेटा मुझे मेरे बदन को बाद मे निहार लेना। मैंने रीमा के मम्मे पकडे पकडे अपने चुतड हिलाने शुरु कर दिये और मेरा लंड उसकी चूत मे अंदर बाहर होने लगा।

मैंने रीमा के मम्मो को मसलते हुये उसकी चुदायी चालू कर दी। मेरा लंड का सुपाडा इतनी देर से खडे रहने के कारण और मस्त चुदायी के कारण बहुत ही सेन्सटिव हो गया था और चूत की दिवारो से रगड खाने के कारण मेरे अंदर दर्द और मजे कि एक लहर दौड रही थी जबकी उसकी चूत बहूत गीली थी जिसकी वजह से घर्षण बहुत कम था। मेरी नजर उसके चहरे पर थी। रीमा भी मेरी तरफ देख रही थी। और चुदाते हुये अपनी जीभ अपने होठों पर फिरा रही थी। और मेरे हर घक्के पर आह ओह उम्हss की आवाज निकाल निकाल कर मुझे और मस्त कर रही थी। इस आसन मे उसकी टाँगे मेरे कंधे पर रखी हुयी थी और उसकी उंची ऐडी की सैडंल हर धक्के के साथ हिल रही थी।

उसका गोरा पेट और गहरी नाभी उसका इस तरह आवाज निकालना होठ पर जीभ फिराने उसकी उंची ऐडी कि सैडंल, रीमा ने वासना के सारे हथियार मेरे उपर मेरे उपर एक साथ चला दिये थे। अब मुझसे भी नही रहा गया और मैंने अपनी चुदायी की रफ्तार को बढा दिया। फिर मेरी नजर उसकी गोरी माँसल टाँगो पर गया। उसकी सुंदर टांगे देख कर मुझसे रहा नही गया और मैंने अपने होठं उसके पैरो पर जामा दिये। और उनको चुमने लगा। रीमा बोली हाय रे बेटा ये क्या कर रहा है बडी गुदगुदी होती है बेटा। उम्हsss चोद बेटा चोद अपनी माँ को ओह सीसsss आह और स्पीड बढा बेटा जोर जोर से चोद माँ को। माँ चूत

खोल कर तेरे सामने है फाड दे मेरी चूत मेरे लाल। उसकी बात सुनकर मैंने एक दो बडे करारे धक्के लगाये हाय रे हाँ ऐसे ही बेटा जोर से।

मैंने उसके मम्मे अभी भी अपने हाथो मे पकड रखे थे और उसके पैरो को चूमता हुआ जबर्दस्त चुदायी कर रहा था। रीमा भी मस्त थी और खुद अपने हाथ अपने चूतडो पर फिराने हुये चुदायी करा रही थी। पर इस तरह से चुदायी करने मे मुझे थोडी से तकलीफ हो रही थी। उसका कारण यह था की उसकी चूत और मेरा लंड एक ही उंचायी पर नही थे। इसलिये मैं एक दम से रुक गया मेरे रुकते ही रीमा ने पूछा रुक क्यो गया बेटा। मैंने कहा कुछ नही माँ और पीछे मुड कर सोफे पर पडा कुशन उठ लिया और बोला माँ तुम अपने चुतड कुछ उपर उठाओ मैं कुशन नीचे रख देता हुँ जिससे तुम्हारे चूत और मेरा लंड एक ही लेवल पर हो जांयेगे तो मुझको चोदने मे आसानी होगी। रीमा बोली ठीक है बेटा मैं अपने चूतड उठाती हूँ तु कुशन लगा दे।यह कह कर रीमा ने अपने चूतड उठा दिये और मैंने उसने नीचे कुशन लगाने की कोशिश की लेकिन उसके चूतड बहुत भारी थे और उसक चूत मे मेरा लंड फंसा हुआ था जिस की वजह से रीमा अपने चूतड ज्यादा नही उठा पा रही थी और उसके नीचे जगह नही बन रही थी। कम जगह मे से कुशन चुतडो के नीचे डालना मुशकिल था। जब थोडी देर कोशिश के बाद मैं कुशन नही डाल पाया रीमा बोली बेटा तू अपना लंड निकाल ले फिर कुशन आसानी से चला जायेगा। बात तो रीमा की सही थी पर मैं लंड निकालना नही चाहता था पर कर भी क्या सकता था। मन मार कर मैंने अपना लंड निकाल लिया।

हम दोनो के रस मे भीगा लंड चूत मे से बाहर निकल आया। रीमा ने फिर अपने पैर जमीन पर टिका कर अपने चूतड उंचे उठा दिये मैंने उसके नीचे कुशन लगा दिया। अब रीमा के चूदड थोडे उपर हो गये। रीमा ने अपनी टाँगे फैला ली और मैं उनके बीच आकर बैठ गयी और अपना लंड पकड कर उसके चूत के मुहाने पर रगडने लगा। फिर उसके चूतडो पर हाथ लगा कर अपना लंड उसकी चूत पर दबा दिया। लंड करीब आधा उसकी चूत मे घुस गया। फिर मैंने रीमा के पैर पकड चौडे कर दिये। और थोडा आगे खिसक कर अपना चूतड

हिला कर एक जोरदार धक्का मारा। लंड पूरा उसकी चूत की जड तक समा गया।

रीमा ने कहा हाय रे बेटा तू तो मेरी चूत को बर्बाद कर के रहेगा बेटा थोडा धीरे डाला कर अपना लंड मेरी चूत मे चल अब देख क्या रहा है मार धक्के। फिर मैं ऐसे ही उसके पैरो को पकडे पकडे धक्के लगाने लगा। इस तरह से चूदायी करने मे मुझे अपना लंड रीमा की चूत मे जाता हुआ दिखायी दे रहा था। और मैं उसके पैरो को पकड कर अपने चूतड हिलाता हुआ रीमा की चूत की जबर्दस्त चुदायी कर रहा था। रीमा भी अपने चूतड हिलाते हुये मेरे हर धक्के का जवाब धक्के से दे रही थी साथ ही साथ वह अपने चूतड गोल गोल घुमा रही थी। और अपनी बडी चूचीयो को मसलते हुये चूदायी का मजा ले रही थी।

मैं भी अब अपनी आँखे बंद किये हुये चुदायी किये जा रहा था। थोडी देर इसी तरह चूदायी करने के बाद रीमा बोली बेटा आ जा मेरे पास बेटा मेरे गले रे लग जा अब तुझसे बिल्कुल भी दूर नही रहा जा रहा बेटा। आ मेरे गले लग जा और फिर मेरी चूदायी कर। मैंने रीमा के पैर छोड दिये और रीमा के उपर लेट गया। रीमा ने मुझे अपनी बाहो मेर भर लिया और मेरे चहरे पर चुम्बनो की बरसात कर दी। और अपने हाथ मेरी पीठ पर फिराने लगी। मैंने अपने हाथ उसकी कमर पर लगा कर अपने लंड की पोजिशन को ठीक किया और फिर से अपने चूतड हिलाने शूरु कर दिये। रीमा ने बडी बडी कडी चूचीयां मेरी छाती मे धंस गयी। और उसकी घुडीयां नुकीली खडी हो कर मेरे सीने मे छेद बनाने को तैयार थी।

मैं भी उसकी गर्दन और चहरे के चुम्बन ले रहा था। मैंने अपना सारा बोझ उसके बदन के उपर डाल रखा था। रीमा के पैर अभी भी उपर कर रखे थे और हर धक्के के साथ हिल रहे थे। इस तरह से चुदायी करने मे मेरा लंड उसकी चूत मे पूरा अंदर जा रहा था। फिर रीमा ने अपने पैरो को साहरा देने के लिये मेरे कमर के चारो और लपेट लिया और अपने दोनो पैरो से कैची बना कर मुझे उसके अंदर पकड लिया। मैं भी जोर जोर से धक्के मार रहा था। रीमा भी अपने पैरो का इस्तमाल बहुत सही ढंग से कर रही थी। जब मे उसकी चूत मे लंड

घुसाता तो रीमा अपने पैर दबा कर मेरे लंड को और भी अंदर कर देती फिर जब मे लंड बाहर निकालता तो अपने पैर पीछे कर देती जिससे मे ज्यादा से ज्यादा लंड बाहर निकाल संकू।

मेरे चुतड रीमा ने पैरो कर लग रहे थे कभी कभी उसकी उंची ऐडी की सैडंल भी मेरे चूतडो पर लग जाती थी। इस तरह से उसके पैरो का स्पर्श मुझे अपने चूतडो पर बडा अच्छा लग रहा था। मेरे धक्को की स्पीड बहूत तेज चल रही थी। रीमा भी पूरी मस्ती मे चिल्लाते हुये अपने चूत की चुदायी करा रही थी। चोद बेटा हाय रे तेरा लंड मेरे चूत के दाने पर रगड खा रहा है रे जालिम मार ले मेरी मेर राजा घुसा दे अपना लंड मेरे पेट तक। हम दोनो पसीने मे पूरे तर बतर हो चुके थे। पसीने की गंध मुझे पागल बना रही थी। मैंने अपना हाथ बढा कर उसके चौडे चूतडो के नीचे अपने हाथ घुसा दिये और उनको पकड कर जबर्दस्त चुदायी चालू कर दी। जबर्दस्त धक्को चुतडो पर मेरे हाथ और उसके चूत के दाने पर रगडता मेरा लंड रीमा बिल्कुल भी बर्दाशत ना कर सकी और झडने के करीब आ गयी।

हाय रे बेटा और जोर जोर से चोद अपनी माँ को मैं फिर से झडने वाली हूँ मेरे लाल। हाय रे तुने तो कुछ ही घंटो मे मेरी चूत की नब्ज पहचान ली और मुझे धडा धड झडा रहा है। हाँ ऐसे ही और जोर से हाँ उम्हsss हाय रे.. मैं जाने वाली हूँ। मेरा पानी छूट रहा है। हाय रे र र र sssssss मै गयी ईईईईईईईईई sssssssssssss। और रीमा ने मुझे बहुत कस कर जकड लिया मेरा बदन उसकी बांहो मे कैद था और मेरे चूदड उसके पैरो मे। उसने इतनी जोर से जकडा था की मैं बिल्कुल भी नही हिल सकता था। रीमा की आँखे बंद थी। रीमा ने मुझे थोडी देर इसी तरह पकडे रखा लेकिन उसके चूतड काफी देर तक धीरे धीरे उछलते रहे। करीब २ मिनट बाद वह शांत हुयी और उसकी पकड कुछ ढीली हो गयी।

हाय रे बेटा क्या मजा दिया तूने मेरी तो करीब करीब जान ही निकाल दी। पूरी लस्त हो गयी हूँ मैं अब और नही झड सकती। मेरी चूत और उसका दाना अब और तेरी जीभ और लंड को नही झेल सकते। बडा मजा आया रे मेरे बेटे। तेरे

बदन को अपने बदन से चिपटा कर चुदाने मे तो एक अलग ही सुख मिला। मैंने कहा माँ पर मैं तो अभी तक सुखा हुँ अगर तुम चुदा नही सकती तो मेरे लंड का क्या होगा। अरे बेटा घबराता क्यो है मैं हूँ ना अभी तेरी मस्ती झडा दूंगी। कह कर रीमा ने अपनी टाँगे मेरी कमर से हटा ली और बोली बेटा अब जरा हट तो मै तुझे झडाती हूँ।मैं उठ कर कालीन पर बैठ गया। रीमा ने उठने की कोशिश की पर उठ नही पायी। बोली बेटा मुझे उठ जरा तूने तो जबर्दस्त चुदायी कर के मेरा सारा बदन ही तोड कर रख दिया है। मैं उठ कर रीमा के बगल मे गयी और अपने कंधे का साहारा देकर उसको उठने मे मदद की। और मैंने उसके चुतडो के नीचे से कुशन भी निकाल दिया। रीमा अब कालीन पर बैठी थी और मे खडा हो गया था। रीमा ने मेरा लंड अपने हाथ मे लिया और बोली हाय देखूं तो मेरे बेटे का लंड कितना सूज गया है। आजा बेटा अब मैं तेरे इस लंड को झडाउंगी। मेरा मुँह चोदेगा बेटा माँ का मुँह चोद कर मजा ले गा बेटा मैं तो मुँह चुदवाने मे माहिर हूँ। आज तुझसे अपना मुँह चुदवाऊगी।

फिर रीमा ने मेरे लंड का एक चुम्बन लिया और सोफे का साहारा लेकर कालीन पर बैठ गयी। फिर उसने अपना सर पीछे करके उसको सोफे पर टिका दिया। बोली आजा बेटा तेरा माँ तैयार है आकर चोद ले मेरा मुँह। मैं रीमा ने पास गया और उसके कंधे के दोनो और अपने पैर करके खडा हो गया। मैंने कहा माँ अब मैं नाडा खोल दूँ। रीमा बोली नही बेटा पहले मेरे मुँह को चोदने का मजा ले ले फिर मैं खुद नाडा खोल कर तुझे झडा दूंगी। मैंने कहा ठीक है माँ। मेरा लंड तन कर सीधा खडा होकर रीमा के चहरे के उपर झूल रहा था। मैंने थोडा सा झुक कर अपने घुटनो को सोफे पर टिकाते हुये अपना लंड रीमा के होठों पर रख दिया।

रीमा ने अपना एक हाथ निकाल कर मेरा लंड नीचे से पकड लिया और उस पर अपनी जीभ फिराने लगी। और मेरे लंड के सुपाडे पर जीभ फिरा कर उसको चूस लिया। उम्हsss अब तक सबसे स्वादिष्ट लंड है ये। इतने लंड चूसे हैं मैंने पर इससे मीठा लंड कोई भी नही। पहले इसको चूस कर गीला कर देती हूँ नही तो मेरा गला और तेरा लंड दोनो छिल जायेंगे। सबसे पहले रीमा ने मेरे सुपाडे को मुँह मे लेकर अपनी जीभ मे थूक भरकर मेरे सुपाडे पर लपेटना शूरु कर

दिया। उसका मुँह मुझको एक गीली चूत की तरह लग रहा था। और धीरे धीरे रीमा ३ इंच लंड अपने मुँह मे ले लिया और उसे अपने थूक से गिला कर दिया।

जिस तरह से रीमा अपनी जीभ से मेरे लंड के साथ खेल रही थी मैं तो स्वर्ग मे पहुंच गया था और आँखे बंद कर के मजा ले रहा था। रीमा ने फिर धीरे धीरे अपने मुँह को मेरे लंड पर आगे पीछे चलाना शुरु कर दिया। रीमा का एक हाथ मेरे चूतडो पर चल रहा था और वह मेरे चूतडो को धीरे से मसलते हुये दोनो चूतडो पर अपना हाथ फिरा रही थी। करीब ४ इंच लंड रीमा के मुँह मे आसानी से जा रहा था और उसके थूक से भीग चूका था। फिर रीमा ने अचानक अपना रुक कर धीरे धीरे मेरे लंड को अपने गले मे उतारना शूरु कर दिया। मेरा लंड १ एक सेंटीमिटर करके उसके गले मे उतरना शुरु कर दिया। रीमा लंड लिलने मे बहूत माहिर थी और आसानी से मेरे लंड को धीरे धीरे अपने गले मे लील रही थी।

मेरे लंड के सुपाडे पर भी उसके गले का दवाब बढ रहा था जिससे मेरे पुरी शरीर मे एक अजीब सी झुरझुरी उठ रही थी। जब करीब मेरा ६ इंच लंड रीमा के मुँह मे समा गया रीमा ने अपना चहरा उठा कर मेरी तरफ देखा और मेरी आँखो से आँखे मिला कर लंड को लीलना जारी रखा। अपना हाथ मेरे लंड से हटा कर मेरे चूतडो पर रख दिया और उसे अपनी बाहों मे भर कर मेरे चूतडो के जरिये लंड का दवाब अपने गले पर बढाने लगी और मेरे लंड उसके गले की गहरायी मे उतरने लगा। उसका गला मेरे लंड के कारण फूल गया। और थोडी देर मे मेरा पूरा लंड उसके गले मे उतर गया।

उसने मेरे चूतडो को मसलते हुये मेरी तरफ देखा उसकी आँखो मे ऐसे भाव थे जैसे कह रही हो लो बेटा अब चोद दो माँ का गला और इसके साथ वैसा ही बर्ताव करना जैसा मेरी चूत के साथ किया था। मैंने भी रीमा की बात मानते हुये धीरे धीरे अपने चूतड हिलाने शुरु कर दिये। मेरा लंड उसके गले मे आगे पीछे होने लगा उसका गला किसी अनचुदी चूत के समान कसा हुआ था और इतना गीला होने के बाद भी मेरा लंड बहुत फंस फंस कर जा रहा था। रीमा भी अपने हाथ चूतडो पर रख कर मुझको धक्का लगाने मे मदद कर रही थी। मैंने

उसके सर को पकड कर अपने धक्को के रफ्तार थोडी बढा दी। रीमा के मुँह से गो गो की आवाज आ रही थी।

रीमा ने मेरे चूतडो को अपने हाथो से अव जोर जोर से मसलना शुरु कर दिया था। उसके हाथो से मेरे को इतनी मस्ती चढी मैं जोर जोर से उसके मुँह को चोदने लगा। एकदम से हुये इस हमले रे रीमा भी एक दम सकपका गयी पर थोडी ही देर मे उसने अपने गले को मेरे धक्को की मार के लिये तैयार कर लिया। अब मैंने उसके सर को पकड लिया और जबर्दस्त धक्के लगाता रहा। हाय रे माँ तेरा मुँह तो बहुत हि टाईट है रे। पूरा उतार लिया तूने माँ। बडा मजा आ रहा है माँ तेरा मुँह चोदने मे। तेरी गर्म सांसे मेरी झांटो कर लग रही है री रंडी साली पागल कर दिया रे तुने मुझे। आज तो मैं तेरा मुँह चोद कर तेरे गले की धज्जीयाँ उडा दूंगा क्या मस्त गला है रे तेरा इसमे तो चूत से भी ज्यादा मजा आ रहा है रे।

रीमा की हालत मेरे इस आक्रमण के कारण खराब हो रही थी। उसको मुँह चुदाने के आदत थी शायद तभी तो मेरा लंड अभी भी उसके गले मे था नहीं तो कब का वह बेहोश हो चुकी होती। पर उसके भी इसतरह से गला चुदाने मे बहुत दिक्कत हो रही थी उसकी आँखो मे पानी भर आया था पर उसकी आँखे ऐसी लग रही थी जैसे कह रही हो और चोदो बेटा बडा मजा आ रहा है। और मैंने भी उसकी कोई परवाह किये बिना उसका गला चोदना जारी रखा। रीमा ने अब मेरे चूतडो को कस के अपने हाथो मे पकड लिया था और उनको बेरहमी से मसल रही थी। उसका इस तरह चूतड मसलना मुझे बहुत अच्छा लग रहा था। मैंने कभी सोचा भी नही था की चूतड मसलवाने मे इतना मजा आ सकता है। मैं इसी तरह रीमा का मुँह करीब १० मिनट तक चोदता रहा मुझे इतना मजा आ रहा था की मैं उसके गले से लंड निकालने के लिये तैयार ही नही था। पर रीमा की हालत अब बहुत बिगड चुकी थी उसके आँखो से लगातार आंसू बह रह थे। रीमा ने फिर मेरी कमर पकड कर मेरा लंड अपने गले से निकाल दिया। रीमा बोली बेटा आज तो तुने मेरी जान ही निकाल दी मेरे गले कि हालत खराब कर दी। पर मजा भी बहुत आया मुँह चुदाने मे। चल बेटा अब बहूत देर हो गयी तेरे को चोदते हुये अब तेरी माँ तुझे झडायेगी और तेरा वीर्य पेयेगी। मैं

उठ कर खडा हो गया और रीमा ने सोफे पर से दो कुशन उठाया और उसका तकिया बना कर कालीन पर लेट गयी। और बोली बेटा आजा आकर मेरी चूचीयो पर बैठ जा मैं तेरा लंड चूस कर तुझे झडाती हूँ।

रीमा की बात सुनकर मुझे बढा अच्छा लगा क्या मस्त आसन चुना थी उसने मुझे झडाने के लिये। उसके मस्त गद्देदार मम्मो को बैठ कर लंड चुसायी। और मे जाकर उसकी चूचीयो पर बैठ गया। मैंने अपनी टांगे उसके सर के दोनो और रख दी। मैंरे बोझ से रीमा के मम्मे एकदम पिचक गये। पर उनपर बैठ कर मुझे बडा मजा आ रहा था। मेरे लंड रीमा के मुँह से सामने लहरा रहा था। रीमा ने मेरे लंड का सुपाडा अपने मुँह मे लेकर उस पर अपनी जीभ फिराते हुये मेरा लंड चुसने लगी। उसके दोनो हाथ मेरे लंड पर बनी पेटीकोट के नाडे पर पहुंचे और उसको खोलने लगी। अब वह पुरा जोर लगा कर मेरे लंड को चूस रही थी। और साथ हि साथ मेरा लंड पर बंधा नाडा भी खोल रही थी। उसने अपनी मेरी आँखो मे डाल रखी थी।

जैसे जैसे मेरे लंड पर नाडे का दवाब कम हो रहा था। और उसके चुसने की रफ्तार भी बढ रही थी। फिर रीमा ने मेरे लंड का नाडा खोल दिया और मेरे लंड मे एकदम से खून का दौरान बढ गया। नडा खोलते ही रीमा ने एक हाथ से मेरा लंड पकडा और जोर जोर से चुसने लगी जैसे बच्चे को लालीपाप मिल गयी हो। खून का दौरान बढने से मेरे लंड के सुपाडे पर फिर से मस्ती लोट आयी। और जिस रफ्तार से रीमा मेरा लंड चूस रही थी मै और ज्यादा देर नही ठहर सकता था। मैं ठहरना चाहता भी नही था। उसके कुशल हाथ मेरे जीभ मेरे लंड पर जादू कर रहे थे। ओह माँ अब मैं नही रुक सकता मेरा निकलने वाला है माँ मेरा रस छुटने वाला है। हाय रे मैं गया माँ।

मेरे को इस तरह से चिल्लाता देख कर रीमा ने मेरा लंड अपने मुँह से निकाल दिया और उसको एक हाथ मे पकड कर मुठ्ठ मारने लगी। हाँ बेटा तू झडना चाहता है ले मेरे मुँह पर झड बेटा। मेरे चहरे को अपने रस से गीला कर दे बेटा भर दे मेरे चहरे को अपने वीर्य से मेरे लाल। उसके हाथ मेरे लंड पर जोर जोर से चल रहे थे। मैं कभी भी झड सकता था। मेरे मुह से करहाने की आवाज

निकल रही थी। आह ओह ओहssss माँ मै गया कह कर मेरा बदन एक्दम से कडा हो गया। और मेरे लंड से वीर्य के एक जबर्दस्त धार निकली और जा कर उसके बालो और माथे पर पडी। और मेरा लंड झटके मार मार कर झडने लगा। मेरे लंड से वीर्य की धार निकल निकल कर रीमा के चहरे का श्रंगार करने लगी।

रीमा का सारा चहरा मेरे वीर्य मे सन गया। आखरी की दो धार उसके होठो पर पडी। धीरे धीरे मेरा शरीर शांत होने लगा। रीमा का हथ अभी भी मेरे लंड पर झड चूका था पर अभी भी कडा था। रीमा के चहरे पर तृप्ति के भाव थे। फिर रीमा ने मेरा लंड अपने मुँह मे डाल लिया और उसपर लगा वीर्य चात कर पीने लगी। और थोडी देर मे मेरे लंड को चाट चाट कर साफ कर दिया। और तब तक नही छोडा जब तक लंड बिल्कुल छोटा नही हो गया। उसके बाद रीमा ने अपनी उंगलीयो से अपने चहरे पर पडा वीर्य उठया और अपनी उंगलियाँ चाट चाट कर अपने चहरे को पूरा साफ कर दिया। उसका चहरा मेरे वीर्य और उसकी उगलीयो से लगे थूक के कारण चमक रहा था।

फिर मैं उठ कर खडा हो गया और रीमा भी उठ कर खडी हो गयी और मैंने अपने हाथ उसकी कमर मे डाल कर अपनी तरफ खीच लिया। और उसके मसताने होठों पर अपने होठं रख दिये और चुमने लगा। उसके होठों का स्वाद कुछ नमकीन था और मे उसके चहरे पर अपने वीर्य की गंध महसूस कर सकता था। और थोडी देर चूमने के बाद उसको अपने बदन से सटा लिय। मेरे हाथ उसकी कमर मे डाल दिये और रीमा ने अपने हाथ मेरे कंधो पर रख दिये। मेरा लंड लटक गया था और उसकी चूत पर टिका हुआ था। मेरे और उसकी झांटे एक दुसरे से बातें कर रही थी। रीमा बोली बता बेटा मजा आया माँ को चोद कर।

बहुत माँ मै कितने सालो कर चुदायी के मजे से दूर था और अपना लंड हिला कर मजा लेता था आज मुझको पता चला की असली मजा कया है। मैं बहुत खुश हूँ कि तुझको मजा आया चल अब आजा बैठ कर आराम करते है तू भी

इतनी देर महेनत करके थक गया होगा। फिर मैं जाकर सोफे पर बैठ गया और रीमा आकर मेरी गोदी मे बैठ गयी।